THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 279 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.1 2082 रविवार, 4 जनवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

विश्वविद्यालयों को रैगिंग के खिलाफ उठाने होंगे सख्त कदम, नहीं तो होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूजीसी द्वारा देश भर के विश्वविद्यालयों, कॉलेजों व अन्य सभी उच्च शिक्षण संस्थाओं को रैगिंग के खिलाफ सख्त कदम उठाने का स्पष्ट निर्देश है। यूजीसी के मुताबिक देशभर के इन सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को सख्ती से एंटी रैगिंग गाइडलाइंस लागू करना अनिवार्य है। दरअसल तय नियमों के दायरे में यूजीसी ने रैगिंग रोकने के लिए कड़े नियम बनाए हैं। यूजीसी के अनुसार देशभर के जो भी उच्च शिक्षण संस्थान इन नियमों को लागू करने में असफल रहे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। >14

पीएम द्वारा पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ

'भगवान बुद्ध सबको जोड़ते हैं'

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

> पीएम मोदी का 2026 का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम

उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है।

> 'भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पाकर हम सभी धन्य'

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने-आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। >14

भाजपा बोली अजित पवार अपने गिरेबान में झांकें

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के बीच महायुति गठबंधन (एनडीए) में आपसी झगड़े शुरू हो गए हैं। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा जिन लोगों ने कभी मुझ पर 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले जैसे आरोप लगाए थे, वही लोग आज मेरे साथ सत्ता में हैं। सिर्फ आरोप लगने से कोई व्यक्ति दोषी नहीं हो जाता है, जब तक अदालत में अपराध साबित न हो जाए। अजित पवार भाजपा नेता मुरलीधर मोहोल के बयान पर बोल रहे थे। मोहोल ने कहा था- एनसीपी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों दे रही है, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला, राष्ट्रपति को पकड़ा

बेडरूम से पति-पत्नी को घसीटकर बाहर निकाला

कारासक, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया एडेला अब अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में हैं। उन्हें वेनेजुएला से बाहर ले जाया गया है।

सीएनएन ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी को सेना ने बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया। अमेरिका ने बीती रात करीब 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे) वेनेजुएला के 4 शहरों पर हमले किए थे। इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने मिलिट्री ठिकानों और खास जगहों को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि वे सुबह 11 बजे (भारतीय समय के मुताबिक रात 9:30 बजे) प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर पूरी जानकारी देंगे।

अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने बयान जारी कर कहा था कि वे जवाब देंगे। उन्होंने देशभर में इमरजेंसी लगाने का ऐलान किया था। उनके बयान जारी करने के 1 घंटे बाद ट्रम्प ने उन्हें पकड़ने का ऐलान किया। >14

> 'सोनिया से आरोपी का अपॉइंटमेंट पहले से तय था'

कांग्रेस एमपी का सबरीमाला सोना चोरी के आरोपी को लेकर दावा

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के एक स्पष्टीकरण से यह बात सामने आई है कि सबरीमाला सोना चोरी के मुख्य आरोपी का पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात पहले से तय थी और वह सिर्फ उसके साथ उनसे मिलने पहुंचे थे। बता दें कि केरल के पवित्र सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी का मामला बहुत बड़े सियासी बवाल की वजह बना हुआ है, जिसकी जांच हाई कोर्ट के आदेश पर एक पूर्व जज की अगुवाई वाली एसआईटी कर रही है। बीजेपी इस मामले से सोनिया गांधी का नाम उछलने के बाद कांग्रेस के इसमें शामिल होने का आरोप लगा रही है और इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी से करवाने की मांग कर रही है। केरल के अट्टिंगल से कांग्रेस सांसद और यूडीएफ के संयोजक अदूर प्रकाश ने एएनआई से कहा है, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजय ने कल खुलासा किया था कि उन्नीकृष्णनन पोट्टी के साथ मैं सोनिया गांधी के आवास पर गया था। उन्नीकृष्णनन पोट्टी मेरे लोकसभा क्षेत्र का है...2019 में मैं संसद सदस्य बना। उस समय उसने मुझसे संपर्क किया था और कहा था कि वह सबरीमाला में अन्नदानम करवा रहा है और यह कि मुझे आना है और कार्यक्रम का उद्घाटन करना है। मैं वहां गया था।

कांग्रेस एमपी ने आगे बताया, अन्नदानम के बाद, मुझे पक्के से नहीं पता कि क्या हुआ। मैं सबरीमाला से चला आया....जब मैं दिल्ली में था, वह (उन्नीकृष्णनन पोट्टी) वहां पर आया और मुझे सूचना दी कि उसका सोनिया जी के साथ अपॉइंटमेंट था। उसने सांसद के तौर पर मुझसे अपने साथ चलने को कहा...।' उनके मुताबिक क्षेत्र के सांसद के तौर पर किसी व्यक्ति के साथ वहां मेरे जाने में कुछ भी असामान्य या अनुचित नहीं था।

सुकमा-बीजापुर में मुठभेड़ : सुरक्षाबलों ने 14 नक्सलियों को मार गिराया

नक्सली कमांडर मंगडु भी ढेर

सुकमा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बस्तर रेंज में नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीजापुर और सुकमा जिलों में चलाए गए सघन तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। इन नक्सलियों के पास से भारी मात्रा में एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल जैसे अत्याधुनिक हथियार भी जब्त किए गए हैं।

दो जिलों में मुठभेड़

जानकारी के अनुसार, बीजापुर और सुकमा जिलों के दक्षिणी इलाकों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। अभियान के तहत दक्षिण बस्तर क्षेत्र में डीआरजी की विशेष टीमों को रवाना किया गया था। ऑपरेशन के दौरान बीजापुर जिले में सुबह लगभग 5 बजे से डीआरजी और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी रही। वहीं, सुकमा जिले में भी सुबह लगभग 8 बजे सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग की स्थिति बनी हुई है।

14 नक्सलियों के शव बरामद हथियार जब्त

लगातार जारी मुठभेड़ों के बीच, अब तक तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ स्थलों से कुल 14 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें बीजापुर जिले से 2 और सुकमा जिले से 12 माओवादी शामिल हैं। सुरक्षा बलों ने इन नक्सलियों के पास से एके-47, आईएनएसएएस और एसएलआर राइफल सहित कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं।

'जांच पूरी करने की समयसीमा अपवाद, नियम नहीं'

अदालत ने कहा-अनावश्यक देरी पर ही दखल देगा कोर्ट

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जांच प्रक्रिया को लेकर एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि जांच पूरी करने के लिए समयसीमा तय करना सामान्य नियम नहीं बल्कि एक अपवाद है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब जांच में अत्यधिक देरी से आरोपी के अधिकारों पर असर पड़ने लगे, तभी न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी होता है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश की समीक्षा करते हुए की। हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस को एक मामले में 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया था और साथ ही आरोपियों को किसी भी तरह की दमनात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया था। >14

भागवत बोले-भाजपा को आरएसएस कंट्रोल नहीं करता

संघ को पार्टी के नजरिए से देखना गलत, आरएसएस पैरा-मिलिट्री फोर्स नहीं

भोपाल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा या विश्व हिंदू परिषद के नजरिए से आरएसएस को समझना गलत है।

सभी स्वतंत्र रूप से काम करते हैं और संघ किसी (भाजपा) को कंट्रोल नहीं करता। संघ का उद्देश्य सत्ता, टिकट या चुनाव नहीं, बल्कि समाज की गुणवत्ता और चरित्र निर्माण है। भोपाल में आरएसएस के 100 साल पूरे होने पर आयोजित 'प्रमुख जन गोष्ठी' में बोलते हुए भागवत ने कहा कि हम वर्दी पहनते हैं, मार्च निकालते हैं और लाठी का अभ्यास करते हैं। ऐसे में अगर कोई सोचता है कि यह एक पैरा मिलिट्री फोर्स है तो यह एक गलती होगी। भागवत ने आगे कहा कि हमारे मत-पंथ, संप्रदाय, भाषा और जाति अलग हो सकती है, लेकिन हिंदू पहचान हम सबको जोड़ती है। हमारी संस्कृति एक है, धर्म एक है और हमारे पूर्वज भी समान हैं। गोष्ठी में मोहन भागवत ने राजनीति, स्वदेशी अर्थव्यवस्था, युवाओं की दिशा, पारिवारिक जीवन और पर्यावरण जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की।

टैरिफ और विदेशी निर्भरता पर स्पष्ट स्टैंड

अमेरिका के टैरिफ जैसे वैश्विक मुद्दों पर भागवत ने कहा कि भारत को स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि किसी विदेशी वस्तु की आवश्यकता पड़े भी, तो वह भारत की शर्तों पर हो। भारत टैरिफ से डरने वाला देश नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने की क्षमता रखता है। जेन-जी और युवाओं को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। चीन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की पीढ़ी को बचपन से राष्ट्रीय दृष्टि सिखाई जाती है, भारत को भी अपनी पीढ़ी को संस्कार और इतिहास से जोड़ना होगा। समाज में फैशन और उपभोक्तावाद की अंधी नकल बढ़ रही है। घर में विवेकानंद का चित्र होगा या किसी पॉप स्टार का, यह समाज की दिशा तय करता है।

टीएमसी को झटका-मौसम नूर की कांग्रेस में वापसी

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद मौसम नूर ने शनिवार को फिर से कांग्रेस का दामन थाम लिया। मौसम नूर का राज्यसभा कार्यकाल अप्रैल में समाप्त हो रहा है और उनके आगामी विधानसभा चुनाव में मालदा से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है।

46 वर्षीय मौसम नूर इससे पहले 2009 से 2019 तक कांग्रेस के टिकट पर मालदा से दो बार लोकसभा सांसद रह चुकी हैं। शनिवार को उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ली। इस मौके पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, एआईसीसी महासचिव गुलाम अहमद मीर और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार मौजूद रहे। सभी नेताओं ने मौसम नूर का पार्टी में स्वागत किया और इसे पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को मजबूती देने की दिशा में अहम कदम बताया।

ईडी ने अटैच की करोडों की संपत्ति

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले की परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं। मंत्री, विधायक, अफसर और दूसरे व्यक्तियों ने शिक्षकों की भर्ती में करोड़ों रुपये कमा लिए। ईडी ने अब प्राथमिक शिक्षकों के भर्ती घोटाले में विधायक और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, वस्त्र एवं सुधार प्रशासन प्रभारी मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा पर शिकंजा कसा है। चंद्रनाथ सिन्हा की 3.65 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 31.12.2025 को अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। योग्य एवं वास्तविक उम्मीदवारों को परे हटाकर अयोग्य और तय मापदंडों पर खरे न उतरने वाले युवाओं को सरकारी नौकरी दे दी गई। प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में निष्पक्षता का पालन नहीं किया गया। आपराधिक साजिश के जरिए करोड़ों रुपये की संपत्ति एकत्रित की गई। इसकी मदद से आरोपियों ने चल-अचल प्रॉपर्टी खरीद ली।

सीबीआई द्वारा भारतीय दंड संहिता, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने इस मामले की जांच शुरू की थी। इस मामले में प्राथमिक शिक्षकों की अवैध नियुक्ति, अयोग्य, गैर-सूचीबद्ध और निम्न श्रेणी के उम्मीदवारों को नियुक्ति का प्रस्ताव देना शामिल रहा। योग्य एवं वास्तविक उम्मीदवारों को निष्पक्षता का पालन किए बिना, आपराधिक साजिश रचकर और संबंधित नियमों का उल्लंघन करते हुए अयोग्य लोगों को नौकरी दी गई। सीबीआई ने कोलकाता उच्च न्यायालय के निर्देशों पर एफआईआर दर्ज की थी। इससे पहले, चंद्रनाथ सिन्हा के खिलाफ धन शोधन के अपराध के लिए कोलकाता स्थित विशेष न्यायालय (पीएमएलए) में 6 अगस्त, 2025 को छठी पूरक अभियोग शिकायत दर्ज की गई थी। चंद्रनाथ सिन्हा के आवासीय परिसर में 22 मार्च, 2024 को तलाशी ली गई थी, जिसमें 41 लाख रुपये नकद और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे। जांच में चंद्रनाथ सिन्हा के बैंक खातों में बड़ी मात्रा में नकदी जमा होने का भी पता चला।

ईरान में फंसे 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र

जरूरी कदम उठाए सरकार, एआईएमएसए की गुहार

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में लगातार फैल रहे हिंसक प्रदर्शनों को देखते हुए ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएमएसए) के फॉरन स्टूडेंट विंग ने शनिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से दखल देने की मांग की है।

एसोसिएशन का कहना है कि इस समय करीब 3,000 भारतीय मेडिकल छात्र मध्य-पूर्व के इस देश में हैं, जहां कई शहरों में अशांति फैलती जा रही है। इस चिट्ठी में ईरान में मौजूद भारतीय मेडिकल छात्रों और उनके परिवार वालों में सुरक्षा का भरोसा बहाल करने की अपील की गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर को लिखी चिट्ठी में ऑल इंडिया मेडिकल स्टूडेंट्स एसोसिएशन के जम्मू और कश्मीर यूनिट के वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद मोमिन खान ने ईरान में भारतीय छात्रों की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए कहा है कि वहां हालात तेजी से खराब होते जा रहे हैं।

बेटे को जंजीर से बांधकर काम पर जाते थे माता-पिता, किया गया रेस्क्यू; सामने आई वजह

नागपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में बेहद अमानवीय एवं हैरान कर देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां माता-पिता ही अपने 12 वर्ष के नाबालिग बच्चे को जंजीर में बांधकर रखा करते थे। जब भी वह अपने काम पर जाते तो बच्चे को जंजीर में बांध देते और चले जाते। काम से वापस आने के बाद ही उसे जंजीरों से मुक्त किया जाता था। लगभग तीन-चार महीने से बच्चे के माता-पिता इस तरीके की यातना उसे दे रहे थे। इस दौरान किसी व्यक्ति ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके इसकी सूचना दी। इसके बाद टीम ने अजनी पुलिस के साथ मिलकर बच्चे को मुक्त कराया।

भारतीय सेना की आर्टिलरी को मिलेगा नया दमखम

सेना ने नाइब लिमिटेड को दिया बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

पुणे, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने अपनी तोपखाना (आर्टिलरी) ताकत को और मजबूत करने के लिए पुणे की नाइब लिमिटेड कंपनी को करीब 292.69 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट प्रावधान के तहत दिया गया है, ताकि कम समय में आधुनिक हथियार सेना तक पहुंच सकें। इस समझौते के तहत नाइब लिमिटेड भारतीय सेना को यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम उपलब्ध कराएगी, जिससे सेना की मारक क्षमता और फायर पावर में बड़ा इजाफा होगा। कंपनी ने इस सौदे की जानकारी शेयर बाजार को भी दी है।

इमरजेंसी प्रोक्योरमेंट का मतलब है कि मौजूदा सुरक्षा जरूरतों को देखते हुए सिस्टम की सप्लाई तेजी से की जाएगी। सीमाओं पर बदलते हालात और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की जरूरत को देखते हुए सेना ऐसे आधुनिक रॉकेट सिस्टम पर ज्यादा ध्यान दे रही है। यह यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम एक खास प्लेटफॉर्म है, जिसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि एक ही लॉन्चर से अलग-अलग रेंज और कैलिबर के रॉकेट दागे जा सकते हैं।

नाइब लिमिटेड को इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत लॉन्चर, ग्राउंड इक्विपमेंट, एक्सेसरीज, प्रोजेक्टाइल्स और गोला-बारूद की सप्लाई करनी होगी। पूरी डिलीवरी 12 महीनों में चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। यह सिस्टम इजरायल की डिफेंस कंपनी एल्बिट सिस्टम्स के पल्स (प्रिसाइज एंड यूनिवर्सल लॉन्चिंग सिस्टम) पर आधारित है। सेना में इसे "सूर्या" नाम दिए जाने की भी चर्चा है। यह एक मल्टी-कैलिबर और मल्टी-रेंज सिस्टम है, जिससे 150 किलोमीटर से लेकर 300 किलोमीटर तक मार करने वाले रॉकेट दागे जा सकते हैं। इससे सेना को अलग-अलग दूरी के लिए अलग लॉन्चर रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह लॉन्चर 6×6 या 8×8 व्हीकल पर लगाया जा सकता है और पहाड़, रेगिस्तान व मैदानी इलाकों में आसानी से तैनात किया जा सकता है।

इसमें "शूट एंड स्कूट" की क्षमता भी है, यानी फायरिंग के तुरंत बाद यह अपनी जगह बदल सकता है, जिससे दुश्मन के जवाबी हमले से बचाव होता है। दरअसल यह पूरी खरीद भारतीय सेना की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है जिसके तहत उसकी रॉकेट फोर्स और डीप स्ट्राइक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। इससे पहले, सेना पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लांच सिस्टम के दो रेजीमेंट भी खड़े कर चुकी है। इसे सेना का गॉड ऑफ वार भी कहा जाता है यानी यह दुश्मन की ताकत को दूर से ही भारी नुकसान पहुंचाने में आम भूमिका निभाता है।

यह सौदा 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए भी अहम है। इससे देश में रक्षा उत्पादन बढ़ेगा, रोजगार के अवसर बनेंगे और भविष्य में ऐसे सिस्टम के निर्यात की संभावना भी खुलेगी। कुल मिलाकर यह सौदा भारतीय सेना की रणनीतिक और ऑपरेशनल ताकत को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगा।

त्रिलोकपुरी में युवक का पेड़ से लटका मिला शव

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। थाना मयूर विहार क्षेत्र के त्रिलोकपुरी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव पेड़ से लटका हुआ पाया गया। स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। आत्महत्या के पीछे का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आ पाया है। फिलहाल, पुलिस युवक की पहचान सुनिश्चित करने और उसके परिजनों से संपर्क साधने का प्रयास कर रही है। आत्महत्या के पीछे किसी भी प्रकार की पारिवारिक कलह, आर्थिक तंगी या अन्य कोई कारण हो सकता है, जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का और अधिक खुलासा हो सकेगा।

रानी वेलु नचियार की हिम्मत

लीडरशिप और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु की रानी वेलु नचियार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि उनका साहस, नेतृत्व और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी ने लिखा, तमिलनाडु की रानी वेलु नचियार को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।

उन्होंने कहा, उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को चुनौती देने वाली पहली भारतीय रानियों में से एक थीं। उनका साहस, नेतृत्व और बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने भी महान रानी को श्रद्धांजलि दी।

एक्स पोस्ट में कांग्रेस सांसद ने उन्हें भारत की शुरुआती स्वतंत्रता सेनानियों में से एक और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी के रूप में याद किया। टैगोर ने कहा, रानी वेलु नचियार की जयंती पर, हम भारत की शुरुआती स्वतंत्रता सेनानियों में से एक और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी को याद करते हैं। 1730 में जन्मी, शिवगंगा की रानी वेलु नचियार ने ईस्ट इंडिया कंपनी के सामने झुकने से इनकार कर दिया था - 1857 के विद्रोह से दशकों पहले और संगठित राष्ट्रीय प्रतिरोध से बहुत पहले। टैगोर ने आगे कहा कि निर्वासन का सामना करने के बाद, रानी वेलु नचियार ने मैसूर के राजा हैदर अली, जिन्हें 'दक्षिण भारत का नेपोलियन' कहा जाता था, से रणनीतिक गठबंधन और सैन्य समर्थन के ज़रिए अपनी ताकत फिर से बनाई, जिससे उनकी असाधारण कूटनीतिक और राजनीतिक दूरदर्शिता का पता चलता है।

उन्होंने कहा कि योजना, ट्रेनिंग और संगठित प्रतिरोध के साथ, रानी वेलु नचियार ने शिवगंगा को वापस हासिल किया और स्वतंत्र शासन स्थापित किया। उनका नेतृत्व इस बात की एक शक्तिशाली याद दिलाता है कि महिलाएं न केवल भारत के शुरुआती उपनिवेशवाद विरोधी संघर्षों में भागीदार थीं, बल्कि अग्रणी भी थीं। उनकी जयंती पर, हम रानी वेलु नचियार को सम्मान देते हैं - जो साहस, रणनीति और प्रतिरोध का प्रतीक हैं, जिनकी विरासत राष्ट्रीय पहचान की हकदार है।

पत्नी से बोला- चाय बना दो...जवाब सुनकर तैश में आए पति ने गला रेतकर मार डाला

नरसिंहपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में चाय न बनाना एक पत्नी को भारी पड़ गया। मना करने पर नाराज पति ने गला रेतकर पत्नी की हत्या कर दी। घटना बीते महीने दिसंबर की है। नरसिंहपुर नगर के बजरंग वार्ड में लता सोनी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। उनका शव उनके घर के ऊपर वाले कमरे में मिला था। घटना की सूचना पर पहुंची थाना कोतवाली पुलिस ने हत्या मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। वारदात के बाद से ही पति लापता हो गया था। घटना की जांच करने के लिए पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया था। जिसने शहर, रेलवे स्टेशन, नर्मदा घाटों और आसपास के इलाकों में लगातार सर्च अभियान चलाया और सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मृतका का पति मनोज सोनी शहर के आसपास देखा गया है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने नरसिंहपुरकरेली मार्ग स्थित सिद्ध बाबा मंदिर के पीछे खेत से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कांग्रेस सांसद बोली- विनाश की राह पर पार्टी टीवीके ने कहा- उनके कई नेता हमारे साथ

चेन्नई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की लोकसभा सांसद एस ज्योतिमणि ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कुछ नेताओं के स्वार्थ की वजह से उनकी पार्टी धीरे-धीरे विनाश के रास्ते पर बढ़ रही है और पार्टी के अंदरूनी झगड़े लोगों के लिए बहुत चिंता का कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) उस राह पर चल रही है, जो सीधे पार्टी नेता राहुल गांधी की निस्वार्थ, सिद्धांतवादी और बेखौफ राजनीति के विपरीत है। ज्योतिमणि ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हम उनके (राहुल गांधी) कठिन परिश्रम और अद्वितीय योगदान को धोखा नहीं दे सकते। हालांकि उन्होंने राज्य के किसी कांग्रेस नेता का नाम नहीं लिया। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष के सेल्वापेरुनथगई ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, उनके करीबियों ने कहा कि ये आरोप सही नहीं हैं। ज्योतिमणि ने आरोप लगाया, कोई भी राजनीतिक दल यह सोच भी नहीं सकता कि चुनाव नजदीक आते ही उसके सांसद मतदान केंद्र एजेंटों की सूची जमा करने में बाधा डालें। हालांकि, कांग्रेस पार्टी में यह हो रहा है। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव इस साल मार्च-अप्रैल में होना है।

ज्योतिमणि ने कहा कि तमिलनाडु कांग्रेस हर दिन खबरों में रहती है, लेकिन लोगों की समस्याओं के लिए नहीं बल्कि 'गलत कारणों' की वजह से। उन्होंने कहा कि राजनीतिक गतिविधियों और वैचारिक सिद्धांतों को कमजोर करने की कोशिशें चिंताजनक हैं। ज्योतिमणि ने कहा कि तमिलनाडु अब पहले कभी नहीं देखे गए भारी खतरे का सामना कर रहा है, जो सांप्रदायिक, विभाजनकारी और हिंसक ताकतों से पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक 'भीड़' किसी तरह सत्ता पर कब्जा करने का इंतजार कर रही है और सामाजिक न्याय, आत्म-सम्मान, जन-केंद्रित कल्याणकारी राजनीति और विकास जैसे आदर्शों को दबा रही है।

ऐसे आदर्शों को के कामराज और 'पेरियार' ईवी रामासामी नेताओं जैसे नेताओं ने पोषित किया। ऐसे माहौल में सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि आने वाले चुनाव को बड़ी सावधानी से संभालें। हालांकि, ज्योतिमणि ने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस पार्टी ने इस भारी जिम्मेदारी को सही मायने में समझा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को तमिलनाडु के लोगों को नहीं छोड़ना चाहिए, जो सामाजिक न्याय, आत्म-सम्मान और राज्य के अधिकारों के लिए दृढ़ हैं और सांप्रदायिक और विभाजनकारी योजनाओं के आगे नहीं झुकते। ज्योतिमणि के एक्स पोस्ट पर टीवीके के राष्ट्रीय प्रवक्ता फेलिक्स गेराल्ड ने कहा, सांसद ज्योतिमणि के ट्वीट में सच्चाई झलकती है। उन्होंने कांग्रेस में चल रही घटनाओं को उजागर किया है। अधिकांश कांग्रेसी और नेता 2026 के चुनाव में टीवीके के साथ गठबंधन करना चाहते हैं।

गायब स्वरूपों के मामले में पुलिस ने 15 जगह दी दबिश सतिंदर कोहली के चंडीगढ़ निवास की भी तलाशी

अमृतसर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 पावन स्वरूपों के गायब होने के मामले में जिला पुलिस ने शनिवार को जांच तेज करते हुए एक साथ 15 स्थानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

पुलिस के अनुसार, इन ठिकानों में अमृतसर शहर के आठ स्थान शामिल हैं, जबकि चंडीगढ़ में दो, गुरदासपुर, रोपड़, तरनतारन और अमृतसर देहाती क्षेत्र में एक-एक जगह पर तलाशी ली जा रही है। सर्च अभियान सुबह से ही भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चल रहा है। इस मामले में पहले से गिरफ्तार किए गए आरोपी, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के करीबी बताए जा रहे सतिंदर सिंह कोहली के चंडीगढ़ स्थित निवास पर भी पुलिस की टीम ने गहन तलाशी ली। इसके अलावा मामले से जुड़े 15 अन्य संदिग्धों के घरों पर भी एक साथ सर्च की जा रही है। पुलिस दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य अहम रिकॉर्ड खंगाल रही है, ताकि पावन स्वरूपों की आवाजाही और जिम्मेदार लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके।

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि इस संवेदनशील मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि सर्च ऑपरेशन के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आने वाले दिनों में पूछताछ और गिरफ्तारियों का दायरा बढ़ सकता है।

' जनता टीएमसी को सबक सिखाएगी'

बंगाल चुनाव को लेकर बीजेपी नेता का बड़ा बयान, अभिषेक बनर्जी पर साधा निशाना

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कई राज्यों के साथ ही इस साल पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं, जहां मुख्य मुकाबला बीजेपी और टीएमसी के बीच है। बीजेपी बंगाल में इस बार जीत को लेकर ताबड़तोड़ तैयारियां कर रही है। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी अपनी सत्ता बनाए रखने को लेकर जोर शोर से तैयारियों में जुटी है। इसी बीच पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य का बयान आया है, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधा है।

अभिषेक बनर्जी पर साधा निशाना

टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी की यात्रा को लेकर समिक भट्टाचार्य ने कहा कि वो चाहे जितनी यात्रा कर लें लेकिन इस बार बंगाल की जनता ने टीएमसी के विसर्जन की तैयारी कर ली है। पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष ने कहा कि इस बार बंगाल में बीजेपी और टीएमसी की लड़ाई नहीं है बल्कि इस बार जनता और टीएमसी के बीच लड़ाई है और इसमें जनता की ही जीत होगी।

मुस्लिम बाहुल्य सीटों को लेकर क्या बोले भट्टाचार्य

ममता सरकार पर निशाना साधते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम मुस्लिमों से पूछना चाहते हैं कि ममता बनर्जी ने आपको क्या दिया। ईद पर आकर ममता बनर्जी बीजेपी को गाली देंगी और बाबरी मस्जिद की नींव डालेगी लेकिन आपकी नौकरी के लिए क्या किया। बीजेपी नेता समिक भट्टाचार्य ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बंगाल में मुस्लिम मर रहे हैं और उन्हें मुस्लिम ही मार रहे हैं।

राज्य में मुसलमानों की हालत खराब है। आईपीएल में बीसीसीआई द्वारा केकेआर से बांग्लादेशी प्लेयर को रिलीज़ करने के मामले पर उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की हालत क्या है सबके सामने है। वहां हिंदुओं को मारा जा रहा है। इंदिरा गांधी का भी पुतला जला दिया, जिन्होंने बांग्लादेश बनाया। सत्यजीत रे का घर जला दिया गया। अब ऐसे में बांग्लादेशी लोगों को तो सोचना होगा। जब हालात ठीक नहीं होंगे तो विवाद तो होगा ही। बांग्लादेश पाकिस्तान के साथ हो गया है, वो भूल गए हैं कि अतीत में कितने बांग्लादेशियों को मारा गया।

महाराष्ट्र के पूर्व एमएलसी डॉ अशोक गजानन मोडक का निधन, सोवियत अध्ययन के थे विशेषज्ञ

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व सदस्य और जाने-माने शिक्षाविद् डॉ. अशोक गजानन मोडक का शुक्रवार (3 जनवरी) देर रात निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उन्होंने मुंबई के पवई स्थित एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की जानकारी उनके बेटे आशीष मोडक ने दी। डॉ। अशोक मोडक के परिवार में उनकी पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। उनके निधन से राजनीतिक, शैक्षणिक और सामाजिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। कई नेताओं, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जानकारी के अनुसार, डॉ। मोडक एक प्रख्यात शिक्षाविद् और सोवियत अध्ययन के विशेषज्ञ थे। उन्होंने अपने जीवन में शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने 40 से अधिक पुस्तकें लिखीं और 120 से ज्यादा शोध पत्र प्रकाशित किए, जो आज भी छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी माने जाते हैं।

राजनीतिक जीवन की बात करें तो डॉ। मोडक ने वर्ष 1994 से 2006 तक महाराष्ट्र विधान परिषद में कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। 12 वर्षों के कार्यकाल में वह अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित रहे। खासकर दूरदराज के आदिवासी इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने विधान परिषद निधि का प्रभावी उपयोग किया।

मतदाता सूची में गड़बड़ी, 4 सरकारी अधिकारी निलंबित, ईसी ने दिया एफआईआर का आदेश

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ऑफ इंडिया (ईएसआई) ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में अनियमितताओं के पुराने मामले में फिर से सख्त कार्रवाई की है। मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप में चार अधिकारियों और 1 कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर का आदेश चुनाव आयोग ने दिया है। पूर्वी मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना के जिलाधिकारियों को यह एफआईआर करने का निर्देश दिया गया है। मोयना और बारुईपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के 4 अधिकारियों और 1 कर्मचारी के खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया गया है। चुनाव आयोग का नया निर्देश, इस निर्देश को लेकर कुछ महीने पहले हंगामा हुआ था। जहां तत्कालीन मुख्य सचिव को दिल्ली के चुनाव आयोग में बुलाया गया था और निश्चित रूप से दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर पूर्व और पूर्वी मेदिनीपुर के मोयना के जो ईआरओ और एयरो थे और एक डेटा एंट्री ऑपरेटर थे। उनके खिलाफ सीधे एफआईआर करने का निर्देश राज्य को दिया गया था, लेकिन बाद में देखा गया कि मुख्य सचिव जब दिल्ली गए, दिल्ली से लौटने के बाद उन्हें निलंबित तो कर दिया गया, लेकिन उनके खिलाफ एफआईआर नहीं की गई और निश्चित रूप से सवाल उठ रहा था। उनके खिलाफ अब तक, किसी राज्य ने एफआईआर क्यों नहीं की।

ऐसे में अब चुनाव आयोग का नया निर्देश है कि जिला निर्वाचन अधिकारियों को ही एफआईआर करनी होगी। अब चुनाव आयोग ने याद दिलाया है कि वे किसी भी तरह से राज्य पर निर्भर नहीं करेंगे। राज्य के मुख्य सचिव पर निर्भर नहीं करेंगे कि उन्हें एफआईआर करनी है या नहीं, अब चुनाव आयोग ने अपनी शक्ति बताई है। एफआईआर करने के लिए क्यों कहा गया था? क्योंकि फर्जी मतदाता इस सूची में शामिल किए गए थे, ऐसी जानकारी चुनाव आयोग के पास थी और चुनाव आयोग ने निश्चित रूप से कहा है कि एआई के माध्यम से उन्हें पता चला था कि ईआरओ-एयरो और डेटा एंट्री ऑपरेटरों ने फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा है, ऐसा आरोप था।

उनके खिलाफ बाकायदा आरोप था, इसी वजह से उनके खिलाफ एफआईआर करने का निर्देश दिया गया था। निलंबित करने का निर्देश दिया गया था। लेकिन वे निलंबित तो हुए, बाद में देखा गया कि एफआईआर नहीं हुई। अब चुनाव आयोग ने सीधे जिला निर्वाचन अधिकारियों को शक्ति दी है कि वे इनके खिलाफ निश्चित रूप से एफआईआर करें।

मालकिन की हत्या कर खुद बन गया विक्टिम

मोहाली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व एडीशनल एडवोकेट जनरल (एएजी) केके गोयल की पत्नी अशोक गोयल की गला घोंटकर हत्या करने और घर में लूट की वारदात को अंजाम दिए जाने की वारदात का मास्टरमाइंड वारदात के समय घर में बंधक बनाया गया नौकर नीरज कुमार ही पाया गया है। पुलिस ने हत्या और लूट की वारदात में नीरज को गिरफ्तार कर उसे जिला अदालत में पेश किया है। अदालत ने नौ जनवरी तक के पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपित उसके बेहद करीबी हैं। दोनों की तलाश में पुलिस की विभिन्न टीमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व अन्य जगहों पर लगातार छापेमारी कर रही है। अशोक गोयल की हत्या के बाद घर से लूटे गए करीब 40 तोले सोने के आभूषण और करीब साढे 8 लाख रुपए की नकदी भी फरार आरोपितों के पास ही है। पुलिस ने नौकर से गहनता से पूछताछ के अलावा वारदात स्थल व अन्य जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र की पहली डीजीपी रश्मि शुक्ला हुईं सेवानिवृत्त, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस की पहली महिला डीजीपी रश्मि शुक्ला शनिवार को सेवानिवृत्त हुईं। अपने विदाई अवसर पर उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि यह पल उनके लिए अतीत की यादों में खोया हुआ है। महाराष्ट्र पुलिस ने उन्हें जीवन में बहुत कुछ दिया और सिखाया। सेवानिवृत्ति के मौके पर रश्मि शुक्ला ने कहा, मैं भारतीय पुलिस सेवा से रिटायर हो रही हूं और यह मेरे लिए बहुत भावुक क्षण है। महाराष्ट्र पुलिस ने मुझे बहुत कुछ दिया है और मैंने यहां बहुत कुछ सीखा है। एक टीम के रूप में हमने महाराष्ट्र पुलिस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। मुझे गहरा संतोष है और मैं महाराष्ट्र पुलिस के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अच्छे स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूं। रश्मि शुक्ला को उनके सम्मान में दादर स्थित नायगांव पुलिस ग्राउंड में आयोजित विदाई समारोह के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस मौके पर बड़ी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। यह समारोह उनके लंबे और उल्लेखनीय सेवा काल को समर्पित रहा। 1988 बैच की आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने महाराष्ट्र पुलिस की कमान संभालकर इतिहास रचा था। वह राज्य की पुलिस प्रमुख बनने वाली पहली महिला अधिकारी थीं। उनके कार्यकाल को कई अहम फैसलों और उपलब्धियों के लिए याद किया जाएगा, हालांकि यह दौर कुछ विवादों से भी जुड़ा रहा। महा विकास आघाड़ी सरकार के कार्यकाल के दौरान रश्मि शुक्ला के खिलाफ कथित फोन टैपिंग मामले को लेकर केस दर्ज किए गए थे। इन मामलों ने काफी राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल मचाई थी। बाद में ये सभी मामले वापस ले लिए गए।

इसके अलावा, विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्षी दलों ने उन पर पक्षपात के आरोप लगाए थे। इसके चलते चुनाव आयोग ने उनका तबादला करने का आदेश दिया था। हालांकि रश्मि शुक्ला को दोबारा उनके पद पर बहाल कर दिया गया। सेवा के अंतिम दिन मिले सम्मान और विदाई संदेश के साथ रश्मि शुक्ला ने महाराष्ट्र पुलिस के प्रति अपना आभार जताया। उनका कहना था कि उन्होंने हमेशा पूरी निष्ठा और टीम भावना के साथ काम किया। महाराष्ट्र पुलिस में उनका योगदान लंबे समय तक याद किया जाएगा।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 4 जनवरी, 2026

सुविचार

सकारात्मक सोच के साथ आप हर कठिनाई से बहार निकलने का रास्ता खोज सकते है!

ऑटो चालकों के प्रदर्शन से विधानसभा के पास तनाव

कई ऑटो चालक पुलिस हिरासत में

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को तेलंगाना विधानसभा के आसपास उस समय हल्का तनाव बन गया, जब पुलिस ने विधानसभा भवन के बाहर प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे कई ऑटो रिक्शा चालकों को हिरासत में ले लिया। ऑटो रिक्शा चालकों ने अपनी समस्याओं को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने और चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा कराने की मांग को लेकर "चलो सभा' का आह्वान किया था। प्रदर्शन के तहत वे विधानसभा के पास एकत्र होने की कोशिश कर रहे थे।

ऑटो चालकों का कहना है कि कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं के लिए शुरू की गई मुफ्त बस सेवा योजना के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है और उनकी आमदनी पर सीधा असर पड़ा है। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने कई ऑटो रिक्शा चालकों को हिरासत में लिया और उन्हें पुलिस वाहनों के जरिए अलग-अलग थानों में ले जाया गया। विरोध प्रदर्शन के बाद किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए विधानसभा के बाहर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

ऑटो चालकों की अवैध गिरफ्तारियों की केटीआर ने निंदा की

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव ने शनिवार को राज्यभर में बड़ी संख्या में ऑटो चालकों और यूनियन नेताओं की कथित अवैध गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की। रामाराव ने कांग्रेस सरकार की इस कार्रवाई को निंदनीय और दमनकारी बताया। उन्होंने कहा कि ये गिरफ्तारियां 2 जनवरी से शुरू हुईं, जब तेलंगाना ऑटो रिक्शा ड्राइवर्स संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने 3 जनवरी को विधानसभा घेराव का आह्वान किया था। इस आंदोलन का उद्देश्य ऑटो चालकों से किए गए चुनावी वादों को शीघ्र पूरा करने की मांग करना था। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बिना किसी ठोस कारण के राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में ऑटो चालकों और नेताओं को हिरासत में रख रही है, ताकि अपनी विफलताओं के खिलाफ उठ रही आवाज़ को दबाया जा सके। बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने ऑटो चालकों को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब जवाबदेही की मांग करने पर दमन और गिरफ्तारियों का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने सभी हिरासत में लिए गए यूनियन नेताओं और ऑटो चालकों को तुरंत और बिना शर्त रिहा करने की मांग की। साथ ही सरकार से विधानसभा में ऑटो चालकों को दिए गए लाभों के क्रियान्वयन पर स्पष्ट बयान देने का आग्रह किया।

'जय जयहे' गीत के जरिए तेलंगाना को एकजुट करने वाले आंदेश्री का सम्मान : भट्टी

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि 'जय जयहे तेलंगाना' गीत के माध्यम से राज्य के लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आंदेश्री की सेवाओं को सरकार ने मान्यता दी है और उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि आंदेश्री का मूल नाम आंडे एल्लैया था और वे तेलंगाना के सिद्धिपेट जिले के रेपार्टी गांव के निवासी थे। कम उम्र में अनाथ हो जाने के बाद उन्होंने पशुपालक के रूप में काम किया और अनेक कठिनाइयों का सामना किया। औपचारिक शिक्षा और संसाधनों के अभाव के बावजूद उन्होंने ग्रामीण तेलंगाना और वंचित वर्गों के जीवन को दर्शाने वाली लगभग 3,000 कविताएं लिखीं। तेलंगाना आंदोलन के दौरान अंडेसरी की रचनाओं ने जनता की आकांक्षाओं, संघर्षों और भावना को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। उनके द्वारा रचित 'जय जयहे तेलंगाना' गीत ने राज्य के लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। भट्टी ने कहा कि आंदेश्री की विरासत, जो गरिमा और सम्मान का प्रतीक है, तेलंगाना में सदैव जीवित रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आंदेश्री की क्रांतिकारी कविताओं और भावनात्मक गीतों ने मजदूरों, किसानों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को प्रभावित किया और तेलंगाना की संस्कृति की आवाज बने। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार आंदेश्री ने 'जय जयहे तेलंगाना' के माध्यम से समाज को प्रेरित किया, उसी तरह गद्दर ने 'पोडुस्थुन्ना पोद्दु मीदा' जैसे गीतों से जनमानस को झकझोरते हुए तेलंगाना राज्य के गठन में अहम योगदान दिया। गद्दर ने अलग राज्य के आंदोलन के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद गद्दार को जिस प्रकार सम्मानित किया गया, वह तेलंगाना की जनता भली-भांति जानती है। उन्होंने बताया कि पहले दिए जाने वाले नंदी पुरस्कारों का नाम बदलकर गद्दर पुरस्कार रखा गया। साथ ही संस्कृति विभाग के माध्यम से आंदोलन के दौरान योगदान देने वाले पशम यादवगिरी, जयराजू, गुड़ा अंजन्ना और गोराटी वेंकन्ना जैसे कलाकारों को भी सम्मानित किया गया। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि वर्तमान सरकार राज्य के कवियों और कलाकारों को पहचान देती है, उनका सम्मान करती है और उन्हें गौरव प्रदान करती है।

महिलाओं की शक्ति का प्रतीक हैं सावित्रीबाई फुले: मेयर

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की मेयर विजयलक्ष्मी गदवाल ने फिल्म नगर में भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सावित्रीबाई फुले और ज्योति बापूराव फुले के स्मारकों पर पुष्पांजलि अर्पित की। मेयर ने कहा कि सावित्रीबाई ने महिलाओं की शिक्षा के लिए अथक प्रयास किए, और वे महिलाओं की शक्ति का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा को हथियार बनाकर समानता के लिए उनका जीवन हम सभी के लिए मार्गदर्शक है।

जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात कर नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

विधानसभा घेराव का प्रयास करने वाले किसान गिरफ्तार

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद के किसानों ने विधानसभा घेराव का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस ने किसानों को गिरफ्तार कर ले गई। किसान। किसानों ने भाजपा विधायक पायल शंकर के नेतृत्व में विधानसभा घेराव का प्रयास किया। इस दौरान आदिलाबाद के कोरटा चनाका परियोजना को पूर्ण करने , आदिलाबाद के किसानों की जमीनों के लिए मुआवजा देने आदि की मांग किसान कर रहे थे। किसानों का कहना था कि वे तेलंगाना राज्य में किसान अनेक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। तेलंगाना में किसानों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। अब भी सरकार को किसानों की स्थिति समझते हुए उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करना चाहिए। विधानसभा का घेराव का प्रयास कर रहे किसानों को स्थानीय पुलिस थानों में ले जाया गया। समर्थन देने वाले विधायक पायल शंकर को पुलिस ने विधानसभा भेज दिया।

कचरा प्रबंधन नवाचार के लिए पूर्व छात्र डॉ. डी. वेंकट नायक सम्मानित

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी. आर. आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (ब्राऊ) ने अपने विशिष्ट पूर्व छात्र डॉ. डी. वेंकट नायक को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया।

डॉ. नायक, जो ब्राऊ से पर्यावरण विज्ञान में स्नातकोत्तर हैं, ने पीएचडी पूरी की है और 'स्वचालित कचरा पृथक्करण सुविधा वाला पहियों पर कचरा संग्रहण बिन' नामक अपने अभिनव मॉडल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त पेटेंट हासिल किया है। यह आविष्कार कचरे के संग्रह, स्वचालित पृथक्करण तथा ठोस कचरे को बायोगैस और निर्माण ईंटों में परिवर्तित करने में सहायक है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आती है। कुलपति प्रो. घंटा चक्रपाणि ने डॉ. नायक को बधाई देते हुए उनके नवाचार की सराहना की और जनहित में आगे और शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। शैक्षणिक निदेशक प्रो. पुष्पा चक्रपाणि और एडजंक्ट प्रोफेसर प्रो. एस. वी. राजशेखर रेड्डी ने भी उन्हें सम्मानित किया।

भाजपा ने मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया

राज्य निर्वाचन आयोग से जांच की मांग

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), तेलंगाना प्रदेश इकाई ने हाल ही में प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताओं और विसंगतियों का आरोप लगाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग को एक औपचारिक प्रतिवेदन सौंपा है। भाजपा नेताओं ने कहा कि इन त्रुटियों के कारण मतदाताओं को उनके वैध निर्वाचन क्षेत्रों से गलत तरीके से स्थानांतरित किया जा रहा है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रतिवेदन में आरोप लगाया गया है कि कई मामलों में एक वार्ड के मतदाता दूसरे वार्ड में दर्शाए गए हैं। इसी तरह, एक विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं को दूसरे विधानसभा क्षेत्र की नगरपालिकाओं में दिखाया गया है। यहां तक कि ग्राम पंचायत क्षेत्रों के मतदाताओं को, जो नगरपालिकाओं के अंतर्गत नहीं आते, पड़ोसी नगरपालिकाओं की मतदाता सूची में शामिल किया गया है। भाजपा ने उदाहरण देते हुए बताया कि मिर्यालगुडा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता देवरकोंडा नगरपालिका में दिख रहे हैं। तललगड्डा मिर्यालगुडा गांव, जो मिर्यालगुडा विधानसभा क्षेत्र में आता है, वहां के मतदाता भी देवरकोंडा नगरपालिका की सूची में दर्ज हैं। इसके अलावा, देवरकोंडा से 15-20 किलोमीटर दूर स्थित गोट्टिमुक्कला गांव के विभिन्न वार्डों के मतदाता तथा 5-10 किलोमीटर दूर स्थित थाटिकोल ग्राम पंचायत के मतदाता भी देवरकोंडा नगरपालिका में दर्शाए गए हैं। शेरपल्ली ग्राम पंचायत, जहां दिसंबर 2025 में ग्राम पंचायत चुनाव संपन्न हुए थे, वहां के मतदाता भी देवरकोंडा नगरपालिका में दर्ज पाए गए हैं। भाजपा नेताओं ने कहा कि इसी प्रकार की गंभीर विसंगतियां करीमनगर, निजामाबाद, आदिलाबाद सहित राज्य की कई अन्य नगरपालिकाओं में भी सामने आई हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि यह समस्या अलग-थलग नहीं बल्कि व्यवस्थित और व्यापक प्रतीत होती है। पूर्व मंत्री एवं भाजपा राज्य निर्वाचन आयोग मामलों की समिति के अध्यक्ष मर्री शशिधर रेड्डी ने कहा कि मतदाता सूची चुनाव आयोग के अधीन तैयार की जाती है और इस तरह की गड़बड़ियां अत्यंत गंभीर हैं। उन्होंने मांग की कि इस मामले की विस्तृत जांच कर यह पता लगाया जाए कि किन अधिकारियों की लापरवाही या साजिश से मतदाता सूची में हेरफेर हुआ है। प्रतिवेदन देने वालों में(मर्री पूर्व मंत्री, अध्यक्ष, बीजेपी राज्य चुनाव आयोग मामले समिति शशिधर रेड्डी, बीजेपी राज्य महासचिव , डॉ. एन. गौतम राव के साथ ही पार्टी के नेता डॉ. तुतुपल्ली रवि कुमार, के. एंथोनी रेड्डी, डॉ. एस. प्रकाश रेड्डी शामिल रहे।

वीबी-जी राम जी अधिनियम पर कांग्रेस के प्रस्ताव को लेकर भाजपा का हमला

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने शनिवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार द्वारा वीबी-जी राम जी अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पर गलत सूचना फैलाने और महात्मा गांधी के नाम का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। यहां मीडिया से बात करते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस का रोजगार योजनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है, जिनमें पहले गांधी जी के नाम का उल्लेख नहीं किया जाता था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने 2009 में चुनावी लाभ के लिए एनआरईजीए का नाम बदलकर मनरेगा (मनरेगा) किया। उन्होंने राहुल गांधी के वर्ष 2021 के उस बयान का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने मनरेगा की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया था, और इसे कांग्रेस के दोहरे मानदंडों का उदाहरण बताया।

राव ने कहा कि वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत गारंटीकृत रोजगार को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है, बेरोजगारी भत्ता और विलंबित मजदूरी मुआवजे को सुदृढ़ किया गया है तथा ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के माध्यम से विकेंद्रीकृत योजना को सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि कम से कम 50 प्रतिशत कार्य स्थानीय स्तर पर कराए जाएंगे, जिनमें जल संरक्षण, बुनियादी ढांचे का निर्माण, आजीविका सृजन, आपदा से निपटने की क्षमता तथा महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों के लिए विशेष प्रावधान शामिल हैं।

पारदर्शिता पर जोर देते हुए राव ने कहा कि अधिनियम में सामाजिक अंकेक्षण, बायोमेट्रिक उपस्थिति, जीआईएस आधारित सत्यापन और तकनीक आधारित निगरानी को अनिवार्य किया गया है, जिससे धोखाधड़ी रोकी जा सके। इस कानून को दूरदर्शी ग्रामीण सुधार बताते हुए राव ने कहा कि यह विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य के अनुरूप है। उन्होंने कांग्रेस से राजनीतिक नाटकों में उलझने के बजाय अपनी नीतिगत विफलताओं पर आत्ममंथन करने की अपील की।

कर्णन ने विकेंद्रीकृत जीएचएमसी के लिए नए प्रशासनिक दिशानिर्देश जारी किए

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के क्षेत्रफल में 650 वर्ग किमी से बढ़कर 2,053 वर्ग किमी हो जाने के साथ ही, एक अधिक उत्तरदायी, प्रभावी और नागरिक-केंद्रित प्रशासनिक तंत्र की आवश्यकता अनिवार्य हो गई है। इस विकास और विकेंद्रीकृत शासन को मजबूत करने के मद्देनजर, जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने जोनल कमिश्नरों को अधिक अधिकार सौंपे हैं, जिससे जोनल स्तर पर तेज़ निर्णय लेने और बेहतर सेवा वितरण की सुविधा मिल सके। जीएचएमसी अधिनियम, 1955 की धारा 119 के तहत अधिकारों का प्रयोग करते हुए, आयुक्त ने औपचारिक आदेश जारी किए हैं, जिनमें संपत्ति कर के आकलन, संशोधन, म्यूटेशन, छूट और संबंधित सेवाओं से संबंधित प्रशासनिक और राजस्व-संबंधी अधिकार विशेष रूप से जोनल कमिश्नरों और उप आयुक्तों को परिभाषित सीमाओं और शर्तों के अधीन सौंपे गए हैं। इस अधिकार हस्तांतरण का उद्देश्य प्रक्रियागत देरी को कम करना, नागरिकों के आवेदन का त्वरित निपटान सुनिश्चित करना और प्रशासन को लोगों के करीब लाना है, विशेष रूप से जीएचएमसी के विस्तारित क्षेत्रों में। इस कदम से जीएचएमसी की विकेंद्रीकृत प्रशासन, जवाबदेही और कुशल शहरी शासन के प्रति प्रतिबद्धता को बल मिलता है। ये आदेश तुरंत प्रभावी होंगे और एक वर्ष तक मान्य रहेंगे।

वरिष्ठ टाउन प्लानिंग अधिकारी जोनल निगरानी के लिए नियुक्त

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी क्षेत्र के विस्तार और 12 जोन में पुनर्गठन के मद्देनजर, जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने वरिष्ठ टाउन प्लानिंग अधिकारियों को संबंधित जोनों के पर्यवेक्षी अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया है। इस कदम का उद्देश्य क्षेत्रीय टाउन प्लानिंग अधिकारियों को प्रभावी मार्गदर्शन देना, मुद्दों के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करना और क्षेत्रीय स्तर पर पर्यवेक्षण को मजबूत करना है।

विधानसभा में स्पीकर की पक्षपातपूर्ण प्रवृत्ति उजागर : प्रशांत रेड्डी

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी ने शनिवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना विधानसभा में स्पीकर की ओर से स्पष्ट पक्षपात देखने को मिला, जिसे पूरी जनता ने देखा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का प्रश्नकाल के दौरान डेढ़ घंटे का भाषण 'अभूतपूर्व और विधानसभा नियमों के खिलाफ' था। प्रशांत रेड्डी ने बीआरएस विधायक टी. हरीश राव द्वारा मूसि नदी सफाई परियोजना पर खर्च किए जाने वाले हजारों करोड़ रुपये के सवाल पर मुख्यमंत्री के अप्रासंगिक और बेतुके टिप्पणियों की आलोचना की। उन्होंने विपक्षी सदस्यों के प्रति कथित अनादरपूर्ण टिप्पणियों की निंदा की और स्पीकर पर विपक्ष को जवाब देने की अनुमति न देने का आरोप लगाया। पूर्व मंत्री ने कहा कि बीआरएस विधायकों के माइक्रोफोन तक नहीं दिए गए और अगर उन्होंने मुख्यमंत्री की आलोचना की तो उन्हें चुप रहने की धमकी दी गई, जिसके चलते पार्टी को विधानसभा का बहिष्कार करना पड़ा। उन्होंने जनता से कहा कि अगर हमें बोलने की अनुमति नहीं है तो सदन में शामिल होने का क्या फायदा? अतीत के उदाहरणों को याद करते हुए प्रशांत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने पहले केसीआर के कार्यकाल में विधानसभा में पावरपॉइंट प्रस्तुतियों का विरोध किया था, लेकिन अब वही प्रथा अपना रहे हैं। उन्होंने बीआरएस को समान अवसर देने की मांग की और कहा कि पार्टी केवल तभी सत्र में भाग लेगी जब उन्हें प्रस्तुति की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि अब तक विधानसभा में इस स्तर की अपमानजनक परिस्थितियां कभी नहीं देखी गईं, यहां तक कि अविभाजित आंध्र प्रदेश के दौरान भी, जब तेलंगाना नेताओं ने सदन में जनता के मुद्दे उठाए थे।

नफरत भरे भाषण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : शब्बीर अली

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक मामलों के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार सांप्रदायिक सौहार्द की रक्षा के लिए नफरत फैलाने वाले भाषणों और विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर जमात-ए-इस्लामी हिंद (तेलंगाना) के अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन से मुलाकात के बाद शब्बीर अली ने कहा कि नफरत भरे भाषण पर अंकुश लगाने के लिए प्रस्तावित कानून मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दोनों नेताओं ने 'वंदे मातरम' और नास्तिकता जैसे मुद्दों को लेकर समाज को ध्रुवीकृत करने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की। शब्बीर अली ने ऐसे विवादों को वास्तविक जनसमस्याओं से ध्यान भटकाने वाला बताते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और उससे जुड़े मीडिया संस्थान सांप्रदायिक विमर्श को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने गीतकार जावेद अख्तर द्वारा व्यक्त नास्तिक विचारों पर उठे विवाद को भी खारिज करते हुए कहा कि अविश्वास का अस्तित्व इतिहास में हमेशा रहा है और इसे सनसनीखेज नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना सरकार समावेशी विकास और सामाजिक सद्भाव सुनिश्चित करने के लिए नागरिक समाज और गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर काम कर रही है।

कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर के विकास के लिए 35.19 करोड़ स्वीकृत: टीटीडी चेयरमैन

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड ने तेलंगाना के करीमनगर जिले में स्थित श्री अंजनेय स्वामी मंदिर, कोंडागट्टू के प्रमुख विकास कार्यों के लिए 35.19 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। यह जानकारी टीटीडी चेयरमैन बी. आर. नायडू ने दी। यह स्वीकृति आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के अनुरोध पर दी गई, जिसे मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के संज्ञान में लाया गया था। इसके बाद टीटीडी बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए धनराशि मंजूर की। विकास पैकेज में 96 कमरों वाले अतिथि गृह के निर्माण सहित अन्य बुनियादी ढांचा कार्य शामिल हैं। इससे पहले उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और टीटीडी चेयरमैन ने संयुक्त रूप से इस परियोजना का शिलान्यास किया था। पवन कल्याण ने इस सहयोग के लिए टीटीडी चेयरमैन और बोर्ड सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तेलंगाना के मंत्री अदलूरी लक्ष्मण भी उपस्थित थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Tejaswini Shelar. W/o, No. 15715948N, Hav, Vijay Shelar, R/o, Dist: Belgaum, Karnataka, changed my name from Tejaswini Shelar to Tejaswini Vijay Shelar vide Affidavit No 284109 dt 02.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 15715948N, Hav, Vijay Shelar,R/o, Dist: Belgaum, Karnataka changed my Daughter's name from Janhavi to Janhavi Vijay Shelar vide Affidavit No. 284108 dt 02.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana..

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माघ मेले के पहले दिन त्रिवेणी संगम पर लगा श्रद्धालुओं का तांता

पौष पूर्णिमा पहले दिन 18 लाख से ज्यादा श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं

प्रयागराज, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पौष पूर्णिमा और माघ मेला के पहले दिन प्रयागराज में भक्त आस्था की डुबकी लगा रहे हैं और 18 लाख की संख्या में अपने पितृों का पूजन करने के लिए पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए पहुंचे हैं।

आम जनमानस के साथ-साथ त्रिवेणी संगम में साधु-संत का जमावड़ा भी देखने को मिल रहा है। माघ मेले के अवसर पर प्रयागराज किन्नर अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंदगिरी भी पहुंची। माघ मेले में पहुंची किन्नर अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंदगिरी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, मैं भारत के सभी श्रद्धालुओं से कहना चाहती हूं कि इस बार हमें एक भव्य लघु कुंभ का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं की गई हैं। मैं मां गंगा से सभी के लिए प्रार्थना करूंगी कि सभी के कष्टों को वे हर लें। माघ मेले के अवसर पर मेला अधिकारी ऋषि राज ने भी बताया कि श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सारी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पौष पूर्णिमा के शुभ अवसर पर माघ मेला शुरू हो चुका है। सुबह 8 बजे तक लगभग 65 लाख श्रद्धालु पवित्र स्नान कर चुके थे। श्रद्धालु और कल्पवासी बड़ी संख्या में आ रहे हैं और विभिन्न घाटों पर स्नान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं के लिए चेंजिंग रूम और बाथरूम की व्यवस्था की गई है। प्रयागराज के डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था पर बात करते हुए बताया कि सुबह शुभ मुहूर्त होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान करने के लिए आ रहे हैं। श्रद्धालुओं का आना-जाना निरंतर जारी है और स्नान के बाद लोग सुरक्षित रूप से अपने-अपने गंतव्यों की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी हैं। घाटों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी और अधिकारी तैनात हैं। जल पुलिस, एनडीआरएफ और जीआरएफ की टीमें अपने-अपने ड्यूटी पॉइंट्स पर तैनात हैं और पूरी तत्परता से अपना कर्तव्य निभा रही हैं। माघ मेले में स्नान करने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है।

एक श्रद्धालु ने स्नान के बाद बातचीत में कहा, यह मेरी तीसरी यात्रा है। मैं पहले भी आ चुका हूं, और 144 वर्षों के बाद हुए कुंभ में भी मैं उपस्थित था। मैं आज भी आया हूं। यहां की व्यवस्था बहुत अच्छी है, और सब कुछ सुव्यवस्थित है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी प्रशासन ने सारी तैयारियां कर ली हैं। किसी की भी तबीयत खराब होती है तो जांच के लिए डॉक्टर उपलब्ध हैं।

बेटे ने गले में फंदा लगाकर की खुदकुशी मां को आया हार्ट अटैक

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पटना जिले के गर्दनीबाग इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है जो लोगों को झकझोर कर रख दिया। दमड़िया इलाके में अपने पुत्र की मौत को सहन नहीं कर सकी महिला और हार्ट अटैक से उसकी भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गर्दनीबाग थाना इलाके के दमड़िया में रात को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके फंदे से झूलता देख उसकी मां इस घटना को सहन नहीं कर सकी और वहीं रोते-बिलखते हार्ट अटैक से दम तोड़ दिया।

मासूम की सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या

दरिंदों ने छत से फेंका शव, मुठभेड़ के बाद हुए गिरफ्तार

बुलंदशहर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सिकंदराबाद औद्योगिक क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार शाम लापता हुई छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ उसी मकान में रहने वाले दो युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की और शव को छत से फेंक दिया था। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को देर रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

फिरोजाबाद जनपद निवासी श्रमिक की छह वर्षीय मासूम बेटी शुक्रवार शाम को खेलते हुए अचानक लापता हो गई थी। बताया गया कि बच्ची खेलते हुए मकान की ऊपरी मंजिल पर चली गई थी, जहां पहले से ही दो अन्य युवक मौजूद थे।

आरोपी नशे की हालत में थे और उन्होंने बच्ची को अकेला पाकर अपनी दरिंदगी का शिकार बनाया। विरोध करने और शोर मचाने पर बच्ची की हत्या कर दी गई और उसे तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया गया। वारदात के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की। देर रात पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की शिनाख्त राजू निवासी भगवानपुर थाना रहरा बाजार जनपद बलरामपुर और वीरू कश्यप निवासी गोला गोरखनाथ थाना कोतवाली लखीमपुर खीरी के रूप में हुई है। एसएसपी बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रारंभिक सूचना बच्ची के तीसरी मंजिल से गिरने की थी। हिरासत में लिए गए दोनों युवक नशे की हालत में मिले हैं। पूछताछ में सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या करना सामने आया है।

'ये सनातनियों की जीत'

'शाहरुख खान को समझ में आ गया है कि भारत में रहकर सनातनियों से पंगा लेना या सनातनियों के विरुद्ध चलना सही नहीं रहेगा'

मुस्तफिजुर के आईपीएल से बाहर होने पर बोले संगीत सोम

गाजियाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेश के खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के लिए कहा है। इस फैसले का स्वागत करते हुए भाजपा नेता संगीत सोम ने इसे भारत के सभी हिंदुओं की जीत और सनातनियों की जीत करार दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस निर्णय से बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को समझ आ गया होगा कि भारत में रहकर सनातनियों से पंगा लेना सही नहीं है।

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा, 'बीसीसीआई ने जो निर्णय लिया है उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। ये भारत के सभी हिन्दुओं की जीत है, सनातनियों की जीत है। शाहरुख खान को समझ में आ गया है कि भारत में रहकर सनातनियों से पंगा लेना या सनातनियों के विरुद्ध चलना सही नहीं रहेगा। उन्हें समझ आ गया है कि देश के सैकड़ों करोड़ लोग सनातनी हैं, उन्होंने ही उन्हें शाहरुख खान बनाया है।'

केकेआर को रिप्लेसमेंट की अनुमति

विवाद को बढ़ता देख बीसीसीआई ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, हाल ही में देश भर में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर, बीसीसीआई ने केकेआर फ्रेंचाइजी को निर्देश दिया है कि वे अपने एक खिलाड़ी, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान को टीम से रिलीज कर दें। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि यदि केकेआर किसी रिप्लेसमेंट की मांग करता है, तो बीसीसीआई उसे इसकी अनुमति देगा। आईपीएल 2026 के लिए दिसंबर में खिलाड़ियों की मिनी नीलामी हुई थी। इस दौरान केकेआर ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में खरीदा था। शाहरुख खान की स्वामित्व वाली केकेआर ने मुस्तफिजुर को लेने के लिए 9.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। मुस्तफिजुर का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

मुस्तफिजुर को लेने के लिए केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (केकेआर) के बीच होड़ देखने मिली थी और अंत में केकेआर मोटी कीमत पर इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को लेने में सफल रहा था। हालांकि, मुस्तफिजुर को खरीदने के बाद से ही केकेआर और शाहरुख पर निशाना साधा जाने लगा था। केकेआर ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में खरीदा था। जिसके बाद भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने ने फिल्म अभिनेता शाहरुख खान पर सीधा हमला बोला।

एसबीआई एटीएम में लोहे की पत्ती फंसा साढ़े तीन लाख निकाले

ढाई साल तक पुलिस ने नहीं की सुनवाई

गाजियाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लिंक रोड के महाराजपुर स्थित एसबीआई के एटीएम में बदमाशों ने अलग-अलग तारीखों में छह बार में लोहे की पत्ती लगाकर 3.54 लाख रुपये निकाल लिए। कस्टमर जब भी इस एटीएम में कार्ड का पिन डालते थे, तो उनके अकॉउंट से पैसे कट जाते थे, लेकिन पैसा मशीन से नहीं निकलता था। कई कस्टमर ने जब इसकी शिकायत की तो सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चेक किया गया तो कुछ बदमाशों का एटीएम में पत्ती लगाने और रुपये लेकर जाने का पता लगा। इसकी शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन ढाई साल तक पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। बाद में बैंक ने कोर्ट के माध्यम से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। चोरी का यह मामला फरवरी और मार्च 2023 का है।

बैंक प्रबंधक तुषार रिचर्ड्स ने बताया कि प्रबंधन ने अपने स्तर से जांच की। सीसीटीवी फुटेज में एक अनजान शख्स संदिग्ध दिखाई दिया। छानबीन में सामने आया कि आरोपी ने पांच फरवरी 2023, 26 फरवरी, 11 मार्च 2023, 12 मार्च, 18 और 19 मार्च 2023 को एटीएम में पत्ती लगाकर ग्राहकों के 3.54 लाख रुपये चोरी किए।

पूर्णिया में युवक की संदिग्ध मौत

पूर्णिया, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्णिया में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में मातम पसरा हुआ हैं। मृतक के परिजनों ने युवक की पत्नी पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद से ही पत्नी घर छोड़कर फरार है। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पूर्णिया जीएमसीएच भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। घटना जलालगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत रामवेली पंचायत के जहांगीरपुर वार्ड संख्या 10 की है।

अब सीएम नीतीश कुमार ने खुद जनता से पूछा–और क्या सुविधा चाहिए, मुझे बताइए

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए साल के तीसरे दिन जनता को संबोधित किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में जब से हमलोगों की सरकार बनी तब से न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर चलते हुए हमलोगों ने समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान एवं हर क्षेत्र के विकास के लिए काम किया है।

हमलोगों ने पूरे बिहार को अपना परिवार माना है और सबके मान और सम्मान का पूरा ख्याल रखा है। अब राज्य में समाज के हर वर्ग के लोग सम्मान के साथ आसानी से जीवन व्यतीत कर सकें इसे लेकर हमलोगों ने गंभीरता से कार्य प्रारंभ कर दिया है।

सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाना उद्देश्य

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों ने वर्ष 2025 से 2030 के लिए राज्य को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू किया है। सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय 'सबका सम्मान-जीवन आसान' का उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम करना तथा उनके जीवन को और भी आसान बनाना है।

सीएम नीतीश ने इन पांच सुविधाओं की बात कही

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले हमलोगों की कोशिश है कि राज्य के जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को जरूरत के समय उनके घर पर ही अत्यावश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

सीएम ने मांगा आम जनता से सुझाव

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधित उपरोक्त सभी सुविधाएं उन्हें घर पर ही मिल सकें, इसे लेकर हमलोगों ने स्वास्थ्य विभाग को तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। राज्य के वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को आसान बनाने हेतु और क्या-क्या सुविधाएं दी जा सकती हैं, इसे चिह्नित किया जाना भी आवश्यक है। इस संबंध में अगर आप कोई विशिष्ट सुझाव देना चाहते हैं तो अपने बहुमूल्य सुझाव दे सकते हैं।

लोगों को हथियार बांटे जाने पर भड़के चंद्रशखेर आजाद

सरकार को सुनाई खरी-खोटी

गाजियाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित नगीना संसदीय सीट से सांसद व आजाद समाज पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गाजियाबाद के एक मामले का जिक्र करते हुए प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई है. नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक वीडियो बयान जारी कर सरकार पर हमला बोला है। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा, आज ये देश में क्या हो रहा है, तलवारें बांटी जा रही हैं. एक संप्रदाय के खिलाफ जज्बाती नारे लगाकर, एक समाज को इकट्ठा कर एक संप्रदाय के खिलाफ हिंसा की कोशिश की जा रही है, लोगों को भड़काया जा रहा है, लेकिन बहरी गूंगी सरकार को नहीं दिख रहा है। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि, सरकार ने आंखे बंद कर ली है, मुंह सिल लिया है, कान पर कैप ढक लिए हैं, उन्हें (सरकार) को ये अन्याय, आतंकवादी घटनाएं नहीं दिख रही हैं. सरकार को ये जुल्म नहीं दिख रहा है, संप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाले गुंडे नहीं दिख रहे हैं. सांसद ने कहा कि, इनकी वजह से किसी राज्य, जिले में कोई बड़ी घटनाएं घट सकती हैं. ये अपराधी सरकार को आतंकवादी नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, गाजियाबाद में बीते सोमवार को हिंदू रक्षा दल के लोगों ने तलवारों के साथ शक्ति प्रदर्शन किया. कार्यकर्ता धारदार हथियारों की स्टॉल सजाकर बैठे थे.

पूर्व आईपीएस बोले-धनंजय सिंह का नाम लिया, तो फंसाया

देवरिया कोर्ट ने पुलिस को फटकारा

देवरिया, 3 जनवरी (एजेंसियां)। धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बंद पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की शनिवार को पेशी हुई। सीजेएम कोर्ट में उनकी जमानत पर करीब 30 मिनट तक बहस हुई। इस दौरान लखनऊ से आए जांच अधिकारी (आईओ) कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सके।

इस पर जज ने जांच अधिकारी को फटकार लगाई। कहा-अब तक की जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी आवश्यक थी। उनके खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया मजबूत हैं। इसलिए कोर्ट मामले की जांच की मॉनिटरिंग करेगा। जज ने जांच अधिकारी से गिरफ्तारी के आधार, साक्ष्यों की उपलब्धता और जांच की दिशा से जुड़े कई सवाल पूछे। जांच अफसर किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर जज ने जांच अधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। जेल में भूख हड़ताल के बीच पेशी पर लाए गए अमिताभ ठाकुर ने कहा-चुनिंदा कार्रवाई करते हुए सिर्फ मुझे निशाना बनाया गया है, जबकि वास्तविक और प्रभावशाली आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सीएम योगी ने दिवंगत भाजपा विधायक को दी श्रद्धांजलि

अंतिम यात्रा में उमड़े हजारों लोग

बरेली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली में दिवंगत विधायक प्रोफेसर डॉ श्याम बिहारी लाल के निधन के बाद दूसरे दिन शनिवार सुबह 11: 43 बजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शहर के शक्ति नगर कॉलोनी स्थित उनके आवास पर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि दी। उनके परिजनों को ढाढ़स बंधाया। बता दें कि फरीदपुर से भाजपा विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल शुक्रवार को सर्किट हाउस में हुई पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की मीटिंग में हिस्सा लेने गए थे। बैठक के बाद भोजन के दौरान उनकी अचानक तबीयत खराब हुई थी, फिर करीब घंटेभर बाद ही वह दुनिया को छोड़ गए थे। डॉक्टर ने विधायक की मौत की वजह हृदयाघात बताई है। उनके अचानक निधन से हर वर्ग में शौक है। शनिवार को उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए मुख्यमंत्री भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनकी पत्नी व बच्चों से मिलकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

विधायक के परिजनों से मिले सीएम योगी

वन राज्यमंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आए। उन्होंने दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि दी। उनके पूरे परिवार से मिले। मुख्यमंत्री ने विधायक की पत्नी, बेटियों और बेटे से जानकारी ली। सीएम योगी ने विधायक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। शोक संतृप्त परिजनों को सांत्वना दी। करीब 15 मिनट यहां रुकने के बाद मुख्यमंत्री रवाना हो गए।

दिवंगत विधायक के अंतिम दर्शन करने हजारों लोग पहुंचे। शक्ति नगर स्थित आवास से दोपहर करीब 12 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। फरीदपुर के स्टेशन रोड स्थित श्मशान भूमि पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनपद के तमाम सर्किलों के पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित पुलिस फोर्स व पीएसी फरीदपुर में विधायक के कार्यालय से लेकर शमशान भूमि तक तैनात है।

गली–गली पहुंच रहे तेंदुए, नसबंदी की है तैयारी

अकेले इस जिले में 444 संख्या; वन विभाग ने बनाई स्कीम

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बहराइच, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बिजनौर समेत प्रदेश के कई इलाकों में इंसानों व मवेशियों पर तेंदुओं के हमले बढ़ते जा रहे हैं। अकेले बिजनौर में वर्ष 2025 में सितंबर तक तेंदुओं ने 30 लोगों पर हमले किए। इनमें नौ की मौत हो गई। वन विभाग की रिपोर्ट में इन हमलों को प्रभावी तरीके से रोकने के लिए तेंदुओं की 75% आबादी की नसंबदी की जरूरत बताई गई है। बता दें कि महाराष्ट्र में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसकी मंजूरी दी जा चुकी है।

वन विभाग ने शासन और वन मंत्री के सामने पेश की रिपोर्ट में बताया कि अकेले बिजनौर में अगले पांच साल के भीतर तेंदुओं की संख्या तीन गुना से ज्यादा हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 12(बीबी) के तहत प्रदेश के मुख्य वन्यजीव वार्डन वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए किसी भी वन्यजीव की जनसंख्या सीमित करने के लिए अनुमति दे सकते हैं। अनुसूची-1 में शामिल जानवरों के लिए केंद्र की अनुमति अनिवार्य है।

75% तेंदुओं की नसबंदी ही उपाय

- 50% सालाना नसबंदी तो 5 साल में हो जाएंगे 990
- वन विभाग ने जनसंख्या के वैज्ञानिक प्रबंधन की बनाई कार्ययोजना
- केंद्र की अनुमति से मुख्य वन्यजीव वार्डन दे सकते हैं आदेश

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर बिजनौर में पांच साल में 50% तेंदुओं (हर साल 10%) की नसबंदी की जाती है तो भी इनकी संख्या इस अवधि में 444 से बढ़कर 990 होगी। विभाग ने 75% तेंदुओं की नसबंदी (प्रति वर्ष 15%) की सिफारिश की है ताकि पांच साल में इनकी संख्या 775 तक पहुंचकर स्थिर हो जाए। इससे मानव मृत्यु व पशुधन हानि में 80% तक कमी हो सकती है।

ये है समस्या की वजह

बिजनौर जिला राजाजी और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के पास है। बाघों की संख्या बढ़ने के कारण तेंदुए गैर वन क्षेत्रों यानी गन्ने के खेतों की ओर स्थानांतरित हो गए हैं। बिजनौर में 49% क्षेत्र में तेदुओं को छिपने और प्रजनन की आदर्श जगह मिलती है। खेतों के पास पालतू पशुओं की उपलब्धता ने तेंदुओं के लिए भोजन की समस्या खत्म कर दी है। इसकी जनसंख्या में तेज वृद्धि हुई है।

446 में 326 गांव प्रभावित

बिजनौर के कुल 446 गांव में 326 गांव प्रभावित हैं। इनमें 40 गांव अत्यंत संवेदनशील और 80 गांव संवेदनशील हैं। वहीं, स्टाफ की कमी प्रबंधन की चुनौतियां पैदा कर रही है। बिजनौर में वन कर्मियों की स्वीकृत संख्या 326 है, जबकि इस समय 163 कर्मी तैनात हैं।

एक बार में तीन शावकों को देती हैं जन्म

वन विभाग के अनुसार, बिजनौर में इस समय 444 तेंदुए हैं। इनमें 222 मादा हैं और 111 वयस्क हैं। मादा तेंदुए का प्रजनन चक्र 2 साल का है। एक बार में मादा आमतौर पर तीन शावकों को जन्म देती है। एक नर तेंदुए के पीछे 1.5 मादा का अनुपात है।

झोपड़ी में लिव इन पार्टनर के साथ सो रहा था 53 साल का शख्स

दरवाजा बंद कर लगा दी आग, दोनों की मौत

तिरुवन्नामलाई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले के चेंगम के पास एक छोटे से गांव पक्किरिपालयम में एक ऐसा मंजर दिखा, जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। कभी दो लोगों के जीवन की आखिरी उम्मीद रही एक झोपड़ी राख में तब्दील हो चुकी थी। उसी राख के बीच 53 वर्षीय किसान पी।

शक्तिवेल और उनकी 40 वर्षीय लिव-इन पार्टनर एस। अमृतम के जले हुए शव मिले। उनकी झोपड़ी को बाहर से बंद कर आग लगा दी गई थी, जिसमें जलकर दोनों की मौत हो गई थी। तड़के ग्रामीणों की नींद जली हुई चीज़ों की तीखी बदबू से खुली। जब लोग खेतों की ओर भागे तो देखा कि वहां मौजूद एक छोटी सी झोपड़ी पूरी तरह जल चुकी थी। सूचना मिलते ही चेंगम पुलिस मौके पर पहुंची। शव इस कदर जल चुके थे कि पहचान मुश्किल हो रही थी। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया, स्नीफर डॉग से जांच कराई गई और मौके पर ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। शक्तिवेल और अमृतम दोनों की जिंदगी पहले ही कई टूटनों से गुजर चुकी थी। शक्तिवेल तीन साल पहले अपनी पत्नी से अलग हो गए थे।

उनके दो बेटे और एक बेटी हैं, जो अब मां के साथ बेंगलुरु में रहते हैं। अमृतम भी अपने पति से अलग रह रही थीं और उनके भी तीन बच्चे हैं। बीते तीन साल से दोनों एक-दूसरे का सहारा बने हुए थे और गांव के बाहर खेत में बनी एक छोटी सी झोपड़ी में साथ रह रहे थे।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर सिर्फ संथानकूडू उर्स की अनुमति

कार्तिगई दीपम विवाद के बाद अदालत का फैसला

चेन्नई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदुशा दरगाह में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यहां केवल संथानकूडू उर्स पर्व आयोजित किया जा सकेगा और इसमें अधिकतम 50 लोगों की ही भागीदारी होगी। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार ने अदालत को बताया कि 6 जनवरी को होने वाले संथानकूडू उर्स के लिए ही अनुमति दी जाएगी, जैसा कि वर्ष 2023 में किया गया था। सरकार ने यह भी साफ किया कि कंधूरी महोत्सव की इजाजत नहीं दी जाएगी।

पशु बलि और मांसाहार पर सख्त रोक

कोर्ट के आदेश के अनुसार, आयोजन के दौरान पशु बलि, मांस या मांसाहारी भोजन ले जाने और पकाने की अनुमति नहीं होगी। मामले में आगे की सुनवाई के लिए अदालत ने 20 जनवरी की तारीख तय की है।

पिछले महीने हुआ था विरोध प्रदर्शन

गौरतलब है कि पिछले महीने संथानकूडू उत्सव के झंडारोहण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अदालत के आदेश के अनुसार तमिल माह कार्तिगई में पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाया जाए। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट द्वारा दीप स्तंभ पर दीप प्रज्ज्वलन के आदेश के बाद दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया था, जो झड़प में बदल गया। हालात बिगड़ने के मद्देनज़र राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इस आदेश को चुनौती दी थी। विवाद के बीच मदुरै में एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने आत्मदाह कर लिया था। वह कार्तिगई दीपम न जलाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहा था। इस घटना के बाद मामला और संवेदनशील हो गया।

राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने इस घटना की निंदा करते हुए डीएमके सरकार पर 'हिंदू विरोधी' रवैया अपनाने का आरोप लगाया। वहीं, डीएमके समेत इंडिया गठबंधन के दलों ने हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जीआर स्वामीनाथन के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किया है।

35 लाख के लोन से छुटकारा पाने के लिए पत्नी को फिनायल पिलाया

सतना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सतना में एक व्यक्ति ने 35 लाख रुपये के लोन से छुटकारा पाने के लिए अपनी पत्नी की हत्या करने की कोशिश की। आरोपी ने अपनी पत्नी को पानी में मिलाकर फिनालय पिला दिया। हालांकि, उसकी जान बच गई। इसके बाद पीड़ित पत्नी ने शिकायत की और पत्नी की शिकायत के आधार पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

आरोपी ने पत्नी को पानी में मिलाकर फिनायल पिला दिया और मारपीट कर बोला तेरे मरने के बाद 35 लाख का लोन माफ हो जाएगा। पीड़ित पूर्णिमा त्रिपाठी ने बताया कि उसके पति अनुराग त्रिपाठी की फमर् सर्जिकल सामग्री के व्यवसाय से जुड़ी थी। इसी फर्म के नाम पर एसबीआई बैंक से 35 लाख रुपए का लोन लिया। यह भी पूर्णिमा के नाम पर है। लोन की पैसे का उपयोग पति ने किया, जबकि कर्ज की जिम्मेदारी पत्नी के नाम पर रही।

'भ्रष्टाचार के आरोप लगाने से पहले करें आत्ममंथन' भाजपा ने अजित पवार पर किया पलटवार

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार और कर्ज के आरोप लगाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने से पहले अजित पवार को आत्ममंथन करना चाहिए। रविंद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा कि अगर भाजपा भी आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू करे, तो इससे अजित पवार के लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पवार यह स्पष्ट करें कि उनका निशाना किस पार्टी पर है- क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पार्टी की बात कर रहे हैं?

चुनावी माहौल में बयानबाजी तेज

चव्हाण ने कहा कि अजित पवार का बयान नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे इसके राजनीतिक मकसद पर सवाल उठते हैं। गौरतलब है कि पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम 2017 से 2022 तक भाजपा के शासन में रहा, इसके बाद वहां प्रशासक नियुक्त किया गया। अब 15 जनवरी को निगम चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कल्याण-डोंबिवली समेत कई जगहों पर भाजपा उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने को गठबंधन की मजबूती से जोड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ आने से विपक्ष लगभग मैदान से बाहर हो गया है।

अजित पवार का पलटवार और टिकट विवाद

इससे पहले अजित पवार ने नगर निकाय चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने का बचाव किया था। उन्होंने कहा कि जब तक कोई दोषी साबित न हो, उसे अपराधी नहीं कहा जा सकता। पवार ने खुद पर लगे 70 हजार करोड़ रुपये के सिंचाई घोटाले के आरोपों का भी हवाला दिया। हालांकि, एनसीपी द्वारा ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने को लेकर राजनीतिक विवाद और तेज हो गया है, जिन पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं और जो फिलहाल जेल में हैं।

डिजिटल अरेस्ट करके सेवानिवृत्त अफसर से 1.18 करोड़ रुपये की ठगी

शिमला, 3 जनवरी (एजेंसियां)। साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट करके सेवानिवृत्त अधिकारी से 1.18 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ित को वीडियो कॉल के जरिए खुद को सीबीआई अधिकारी बताने वाले शख्स ने गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी दी और तत्काल गिरफ्तारी का डर दिखाया। डर के जाल में फंसकर पीड़ित ने अपनी मेहनत की कमाई साइबर ठगों के खातों में ट्रांसफर कर दी। शिकायत के अनुसार ठगों ने फोन और ऑनलाइन माध्यम से पीड़ित से संपर्क किया। उन्होंने पीड़ित को कहा कि आपका नाम मनी लॉन्ड्रिंग, नशीले पदार्थों की तस्करी और बैंक खातों के दुरुपयोग जैसे मामलों में सामने आया है। यदि तुरंत सहयोग नहीं किया गया तो आपकी गिरफ्तारी के साथ-साथ बैंक खाते फ्रीज किए जाएंगे और सामाजिक बदनामी भी तय है। ठगों ने पीड़ित को यह कह डराया कि आपको डिजिटल सर्विलांस में रखा गया है। पीड़ित को सख्त हिदायत दी गई कि वह किसी भी परिजन, मित्र या सरकारी एजेंसी से संपर्क न करें।

काम कराने के बदले व्यापारियों से चंदा लेती थी कांग्रेस

निशिकांत दुबे ये कौन सा 'कागज' निकाल लाए

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने व्यापारियों से चंदा को लेकर कांग्रेस की पूर्व की सरकारों पर निशाना साधा है। बीजेपी नेता दुबे का आरोप है कि कांग्रेस पार्टी ने व्यापारियों से चंदे के लेनदेन में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर 1960 से 1969 तक काम करने के बदले चंदा लेने का भी आरोप लगाया। गोड्डा से बीजेपी सांसद ने कांग्रेस पर कैश यानि ब्लैक मनी का उपयोग बढ़ाने के लिए कानून में संशोधन कर चेक बंद करने का भी आरोप लगाया।

बीजेपी सांसद किस आधार पर कर रहे दावा

बीजेपी सांसद ने एक्स पर दो दस्तावेज भी पोस्ट किये। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, कांग्रेस पार्टी और चंदे का भ्रष्टाचार। जब संसद से यह पता चला कि 1960 से लेकर 1969 तक सभी व्यापारियों ने केवल कांग्रेस पार्टी को ही काम कराने के बदले चंदा दिया है। इसके बाद आनन-फानन में 1969 में कैश यानि ब्लैक मनी का उपयोग बढ़ाने के लिए कानून में संशोधन कर चेक बंद कर दिया। उन्होंने कहा कि फिर 16 साल बाद 1985 में दुबारा कानून में बदलाव कर चेक और ब्लैक की बल्लेबाजी चालू कर दी। इतिहास ही चुनार का किला है।

नेहरू, इंदिरा गांधी पर लगाए थे आरोप

यह पहली बार नहीं है जब बीजेपी सांसद ने कांग्रेस और गांधी परिवार पर निशाना साधा हो। इससे पहले 15 दिसंबर को निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि 1960 के दशक में उन्होंने अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) को हिमालय में नंदा देवी चोटी पर परमाणु शक्ति से चलने वाले निगरानी उपकरण लगाने की इजाजत दी थी। इसका मकसद कथित तौर पर चीन पर नजर रखना था।

बिना वोटिंग के हो गया खेला, महायुति के 68 उम्मीदवार बने पार्षद, मगर कैसे?

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 15 जनवरी को होने वाले निकाय चुनाव और बीएमसी चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं। लेकिन वोटिंग से पहले ही कुछ ऐसा हुआ, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई। दरअसल चुनाव से पहले ही महायुति आगे चल रही है। नोमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख के बाद अलग-अलग नगर निकायों में महायुति के 68 कैंडिडेट बिना चुनाव लड़े ही जीत गए।

बीजेपी को मिली 44 सीटें

68 सीटों पर महायुति गठबंधन को निर्विरोध जीत मिली है, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है। महायुति में शामिल बीजेपी को सबसे ज्यादा सीटें मिली हैं, पार्टी के हिस्से में 44 सीटें आईं। एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना ने 22 सीटें और अजित पवार की एनसीपी ने 2 सीटों पर जीत दर्ज की है। ठाणे की कल्याण-डोंबिवली नगर

निगम में सबसे ज्यादा निर्विरोध उम्मीदवार जीते। पुणे में वार्ड नंबर 35 से बीजेपी उम्मीदवार मंजूषा नागपुरे और श्रीकांत जगताप पार्षद चुने गए। केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने गठबंधन की इस शानदार जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने दावा किया कि पुणे का अगला मेयर बीजेपी का होगा।

उद्धव गुट ने लगाया आरोप

उद्धव गुट ने महायुति के निर्विरोध चुने गए पार्षदों पर सवाल उठाया है। उनका आरोप है कि महायुति के कैंडिडेट्स ने दूसरी पार्टी के उम्मीदवारों को डरा धमका कर नाम वापस लेने पर बेबस कर दिया। उद्धव गुट शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि महायुति लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि महायुति के उम्मीदवार जीतने के लिए ईडी सीबीआई की धमकी दे रहे हैं या नाम वापस लेने के लिए रिश्वत देने पर उतारू हो गए हैं, ऐसे में ये शर्मनाक बात है कि चुनाव आयोग चुप है।

उन्नाव की रेप पीड़िता के खिलाफ बलात्कार के लिए उकसाने के मामले में थाने शिकायत लेकर पहुंची महिला

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उन्नाव रेप केस के मामले में बड़ा ट्विस्ट आ गया है। दिल्ली की एक महिला एक्टिविस्ट बरखा त्रेहान खुद उन्नाव रेप पीड़िता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उन्नाव रेप पीड़िता ने उनके रेप के लिए उकसाने वाला बयान दिया है। उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है। महिला एक्टिविस्ट ने दिल्ली के हरि नगर पुलिस स्टेशन में उन्नाव रेप पीड़िता के खिलाफ शिकायत दी है।

उन्नाव रेप पीड़िता के खिलाफ शिकायत क्यों?

एक्टिविस्ट बरखा त्रेहान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट

किया, 'मैंने उन्नाव रेप मामले की पीड़िता के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, क्योंकि उसने सार्वजनिक रूप से मेरे यानी बरखा त्रेहन के खिलाफ स्टेटमेंट दिया था। उसने खुलेआम कहा था कि मुझ जैसी महिलाओं का बलात्कार होना ही चाहिए और दूसरों को मेरा बलात्कार करने के लिए उकसाया था। एक महिला होने के नाते, मैं चुप नहीं रहूंगी। कानून सबके लिए समान है।'

शिकायत दर्ज कराने थाने क्यों जाना पड़ा?

बरखा त्रेहान ने कहा, 'बलात्कार पीड़िता होने का दावा करते हुए इंसाफ की मांग करने वाली पीड़िता, मेरा रेप करने के लिए कैसे उकसा सकती है? मेरे अधिकार कहां हैं? मैंने आज सुबह राष्ट्रीय महिला आयोग को टैग किया, लेकिन किसी ने मुझे रिप्लाई नहीं दिया। आखिरकार मैं पुलिस स्टेशन गई और शिकायत दर्ज करवाई। उन्नाव बलात्कार पीड़िता से मिलने की अनुमति मैंने पुलिस से मांगी थी, लेकिन उन्होंने कहा कि वह आप पर अटैक कर देगी और हम कानून व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं। मैंने सिर्फ इतना कहा कि कुलदीप सेंगर 8 साल जेल में बिता चुके हैं और अब उन्हें बिना किसी पॉलिटिक्स के बेल दी जानी चाहिए।'

अगर उसने रेप का दर्द सहा होता तो ऐसा कहती- बरखा

एक्टिविस्ट बरखा त्रेहान ने आगे कहा, 'उन्नाव रेप पीड़िता लोगों को मेरे साथ बलात्कार करने के लिए उकसा रही है। अगर उसके साथ रेप हुआ होता और उसने दर्द सहा होता, तो क्या वह मेरे लिए ऐसा चाहती? इसी से पता चलता है कि ये फर्जी केस है।'

पछवादून में पहली बार रेस्क्यू हुआ भारत का सबसे खूबसूरत सांप, सर्पमित्र ने घर से पकड़ा

देहरादून, 3 जनवरी (एजेंसियां)। वन विभाग की टीम ने ग्राम कैंचीवाला स्थित एक आवासीय भवन से भारत की अत्यंत सुंदर प्रजाति की सूची में शामिल लाइकोडोन जारा सांप (ट्विन-स्पॉटेड वुल्फ स्नेक) को रेस्क्यू किया है। पछवादून में इस प्रजाति का सांप पहली बार रेस्क्यू किया गया है। सांप को वन क्षेत्राधिकारी की देखरेख में उसके प्राकृतिक आवासीय क्षेत्र में छोड़ा जाएगा। कालसी वन प्रभाग की चौहड़पुर रेंज में शनिवार की सुबह कैंचीवाला निवासी प्रमोद कुमार ने अपने घर में सांप दिखाई देने की सूचना दी थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए विभाग के सर्पमित्र आदिल मिर्जा ने सांप को रेस्क्यू किया। बताया कि रेस्क्यू किया गया सांप टविन-स्पाटेड वुल्फ प्रजाति का है। इस प्रजाति के सांप का रेस्क्यू पछवादून में पहली बार किया गया है। बताते चलें कि लाइकोडोन जारा नामक प्रजाति के सांप को टविन-स्पाटेड वुल्फ स्नेक के रूप में जाना जाता है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से दिल्ली समेत यूपी-बिहार में बढ़ी ठिठुरन

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के आगाज के साथ देश में तापमान तेजी से नीचे गिरने लगा है। कई राज्यों में सर्दियों का सितम देखने को मिल रहा है। राजस्थान में पारा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, तो वहीं पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में गलन और ठिठुरन बढ़ने लगी है। भारतीय मौसम विभाग ने कई राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, बिहार, ओडिशा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने की चेतावनी जारी की है।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी

जम्मू कश्मीर में पहाड़ों ने बर्फ की मोटी चादर ओढ़ ली है। मौसम विभाग ने केदारनाथ, बंद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब समेत कई जिलों में बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। इसका असर निचले इलाकों में देखने को मिल

सकता है, जहां ठंड अचानक से बढ़ने की संभावना है।

दिल्ली में शीतलहर का अलर्ट

राजधानी दिल्ली में भी कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने राजधानी समेत आसपास के जिलों में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। इस दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने के आसार हैं।

राजस्थान में लुढ़का तापमान

राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, सीकर, हनुमानगढ़ समेत 10 जिलों में कोहरे का अलर्ट जारी हुआ है। वहीं, मध्य प्रदेश में अगले 3 दिन तक घना कोहरा छाए रहने की उम्मीद है। इसके अलावा भोपाल और इंदौर में हल्की बौछार भी देखने को मिल सकती है।

यूपी-बिहार में बढ़ेगी ठंड

मौसम विभाग ने यूपी और बिहार में भी 9 जनवरी तक के लिए शीतलहर और कोहरे की चेतावनी जारी की है। इस बीच धूप न निकलने और आसमान में घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं क कारण दोनों राज्यों में गलन और ठिठुरन बढ़ सकती है।

भ्रष्टाचार के मामले में सिविल सप्लाई कारपोरेशन के कर्मी को पांच साल कैद

शिमला, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर स्थित विशेष न्यायाधीश किन्नौर सत्र न्यायालय ने भ्रष्टाचार के मामले में स्टेट सप्लाई कारपोरेशन के कर्मचारी को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी ने तालुका केरोसिन डिपो काजा में पेट्रोल उत्पादों को क्रेडिट पर बेचने में गड़बड़ी की थी। अदालत ने मामले के सह आरोपी को संदेह का लाभ देकर बरी किया है। भ्रष्टाचार का यह मामला साल 2008-09 में सामने आया। मामले के अनुसार 2008 में तालुका केरोसिन डिपो काजा के फिजिकल वेरिफिकेशन के दौरान स्टॉक में अंतर पाया गया। कारपोरेशन के निर्देशों के विपरीत सरकारी विभागों को बड़ी मात्रा में पेट्रोल, डीजल और केरोसिन क्रेडिट आधार पर बेचा गया था। फिजिकल वेरिफिकेशन की यह रिपोर्ट कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक को सौंपी। उन्होंने तालुका केरोसिन काजा के स्टॉक और बिक्री रिकॉर्ड की विस्तृत जांच के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। समिति की रिपोर्ट में कुल 44,22,033.74 रुपये का गबन बताया गया। आरोपी कर्मचारी भगत राम और ताशी तंदुप से बाद में कुल 3,16,438 रुपये रिकवर किए गए।

इंस्टाग्राम से दोस्ती और सगाई, झगड़े के बाद महिला ने दुपट्टे से घोंट दिया गला

अहमदाबाद/वडोदरा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के वडोदरा में प्यार, सगाई और फिर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद मृतक युवक से सगाई करने वाली 23 साल की महिला को अरेस्ट किया है। पुलिस के अनुसार महिला ने हत्या को उस वक्त पर अंजाम दिया। जब वह सो रहा था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस हत्याकांड में कोई तीसरा शख्स भी शामिल है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि कपल के आपसी रिश्ते में कड़वाहट आ गई थी। पुलिस के अनुसार वडोदरा से सटे छोटा उदेपुर के रहने वाले सचिन राठवा की रेखा राठवा से मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। सोशल मीडिया से संपर्क में आने के बाद दोनों के बीच एक रिश्ता बन गया था। इसके बाद दोनों मिलने लगे थे। दोनों के बीच प्यार बढ़ने पर उन्होंने पिछले साल सगाई कर ली थी। रेखा रेलवे में हेल्पर का काम करती थी। इसलिए उसे वडोदरा में रेलवे कॉलोनी में घर मिला हुआ था।

सचिन ड्राइवर था। तो वह रेखा के साथ रहने लगा था। मकरपुरा पुलिस इंस्पेक्टर एएम गोहिल के अनुसार रेखा ने हमें बताया कि सचिन अक्सर उस पर शक करता था और उसे लगता था कि उसका किसी और के साथ अफेयर चल रहा है। इससे अक्सर झगड़े और कहासुनी होती थी। पुलिस की पूछताछ में रेखा ने एक घटना का जिक्र किया है। उसने पुलिस को बतया है कि वह कुछ दिन पहले सचिन के छोटा उदेपुर गई थी। इस दौरान जब एक दूसरे आदमी से की, तो इसको लेकर 29 दिसंबर को दोनों के बीच तीखी लड़ाई हुई। गोहिल के अनुसार इसके बाद सचिन ने अपने पिता को फोन किया और बताया कि वह रिश्ता खत्म करना चाहता है और रेखा से अपनी सगाई तोड़ना चाहता है। सचिन ने झगड़े के बाद यह कहकर सो गया कि वह बीमार है। रेखा ने कथित तौर पर सोते समय दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। कुछ देर बाद बाहर आई और शोर मचाया। इसमें कहा कि सचिन उठ नहीं रहा है। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रेखा ने सचिन की हत्या को अंजाम देने के बाद गुमराह करने की पूरी कोशिश की। उसने शुरू में दावा किया कि उसे नहीं पता कि सचिन की मौत कैसे हुई?

गणपति बप्पा मोरया : संत मोरया गोसावी

अतुल कुमार

भगवान गणेश के साथ या उनकी पूजा मे साधकों द्वारा " गणपति बप्पा मोर्या " कहना आम हो गया है .यह एक शक्तिशाली " मंत्र " या जयकारा है .जो अनन्य भक्ति और सम्मान व्यक्त करने के लिये कहा ,गाया और भक्ति व्यक्त करने के लिये कहा जाता है . कम ज्ञात तथ्य है कि गणपति भगवान " बप्पा" अर्थात (पिता) के रूप में माने गये . इसमें " मोरया " नाम उनके समर्पित भक्त का है .जिनकी अटूट भक्ति को देख भगवान गणेश इतने प्रसन्न हुए कि अपने नाम के साथ मोरया को रखा . विद्वानों के अनुसार यह एक छोटा शक्तिशाली वाक्यांश बना . भक्तों द्वारा जिसे जप के रूप में अपनाया गया .यह संत मोरया गोसावी से जुडा है जिन्होंने गणेश भक्ति को लोकप्रिय बनाया . ग़णेश पूजन या चतुर्थी पर इसे बडे उत्साह से बोला जाता है .क्योंकि इसमें सकारात्मकता (पासिटिविटी) की शक्ति भरी है . विनायक शुभ और लाभ के प्रतीक हैं तो विघ्नेश विघ्नों के हर्ता है , प्रथम पूज्य हैं .किसी भी शुभ कार्य में सबसे पहले उनकी पूजा का विधान है .

" गणपति बप्पा मोरया " को सुख समृद्धि लाने वाला मंत्र भी माना गया इसका एक अर्थ विजयी भवः के रूप में भी है .मूल रूप से यह गणेश भक्त मोरया गोसावी से जुडा है जो 14 वी शताब्दी के महान संत और गणेश भगवान के परम भक्त थे .जो पुणे के चिंचवड से थे जिनके नाम पर यह मंत्र भक्तों के बीच प्रसिद्ध हुआ . भक्तों के अनुसार गणपति बप्पा मोरया का जप करने से बाधाएं दूर होती हैं . जिस प्रकार भगवान राम के साथ उनकी अनन्य भक्ति के होते बजरंग बली का नाम जुडा है उसी प्रकार गणेश जी के साथ मोरया गोसावी का नाम जुडा है . बताया जाता है कि गणेश जी के आदेश पर अपना पूरा जीवन गणेश भक्ति में समर्पित कर दिया .उन्हीं के आदेश पर चिंचवड में बस उनकी आराधना की और वहीं बस गये . उनकी अटूट भक्ति से भगवान गणेश प्रसन्न हुए .

शास्त्रानुसार संत मोरया गोसावी ने अपनी भक्ति ,तपस्या , और भगवान गणेश के प्रति अगाध आस्था से " मोरया " की परंपरा को स्थापित किया जो भक्ति परंपरा का अभिन्न हिस्सा बनी . भक्ति परंपरा को आगे बढाया खासकर महाराष्ट्र में गणेश भक्ति को नयी दिशा प्रदान की .जिससे आध्यात्मिकता का प्रसार हुआ . वह गणेश भक्ति में इतने तल्लीन रहते कि सदैव उन्हीं का ध्यान और गुण गान करते जिससे लोग उनको " गणपति मोरया " कहने लगे . बताया जाता है कि गणेश के आदेश पर उन्होंने विवाह किया और सांसारिक जीवन निभाया. महाराष्ट्र में पावना नदी के निकट उनको गणेश जी की मूर्ति मिली जिसको स्थापित कर उसका नाम मंगल मूर्ति रखा तभी से मंगल मूर्ति मोरया कहा जाने लगा . जिसे आज भी बद्स्तूर कहा जाता है .

शास्त्रानुसार मोरया गोसावी को भगवान गणेश का अंश माना जाता है भक्ति में उनके दर्शन करने 95 कि मी पैदल चिंचवड जाते .यह सिलसिला चलता रहा . एक बार भगवान ने उनके सपने में आ कर कहा कि 117 साल की उम्र में इतनी दूर जाने में परेशानी होगी ऐसे में मैं ही तुम्हारे पास आ जाता हूं कल सुबह तुम जब स्नान करके कुंड से निकलोगे ,तो मैं खुद तुम्हारे पास आ जाउंगा .अगले दिन सुबह जब मोरया कुंड से निकले तो उनके पास गणेश की ठीक वैसी ही छोटी – मूर्ति मिली जैसी उन्होंने सपने में देखी थी . जिसे उन्होंने स्थापित किया .

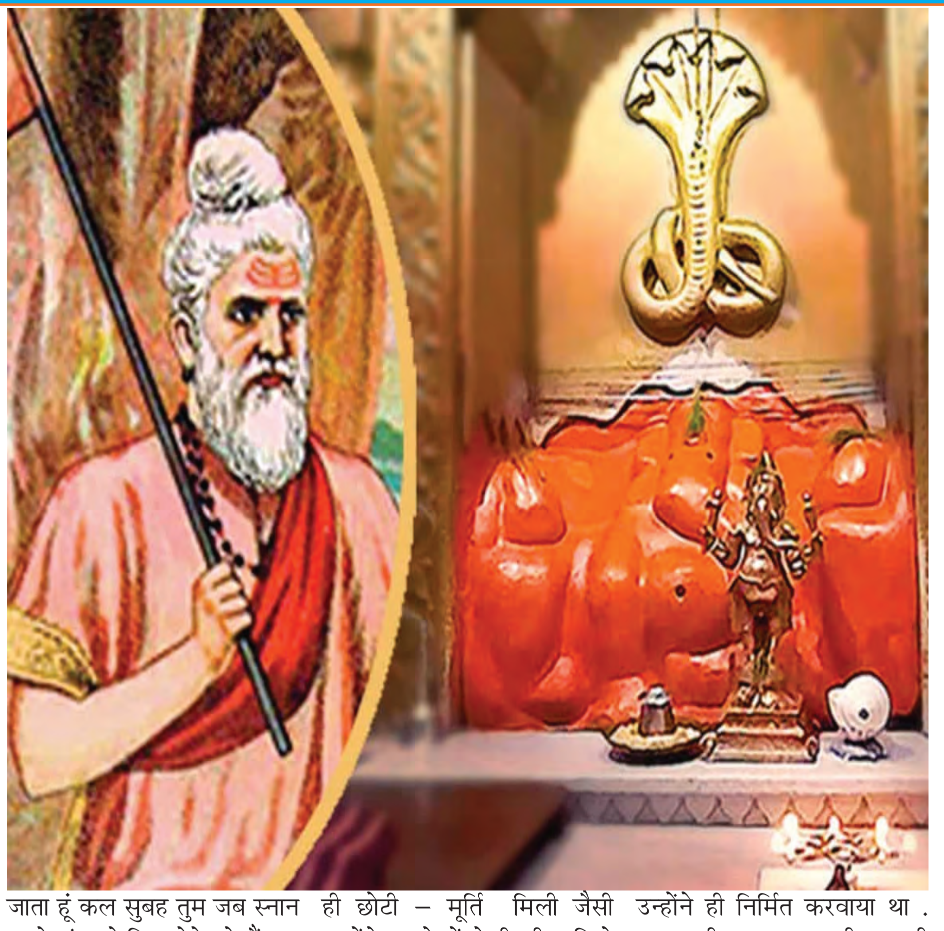

थेऊर के चितामणि मंदिर की स्थापना उसके वर्तमान स्वरूप को उन्होंने ही निर्मित करवाया था . उनका जीवन काल 14 वी शताब्दी में माना गया .इस प्रसंग के बाद भक्तो मे धारणा बनी कि मोरया से बडा गणेश भक्त कोई और नहीं हो सकता .किंवदंती है कि भगवान गणेश ने आशीर्वाद दिया था कि उनका परिवार सात पीढियों तक प्रभु कृपा और संरक्षण में रहेगा . एक कथा के अनुसार भगवान गणेश ने मोरया गोसावी को वचन दिया कि वे उनके पुत्र के रूप में जन्म लेंगे . जब उनका पुत्र चिंतामणि पैदा हुआ तो उसने जन्म के समय सामान्य बच्चों की तरह रोने के बजाये " खेचरी मुद्रा " (एक योगिक क्रिया) को प्रदर्शित किया .और उसके ह्रदय पर सिंदूरी रंग का निशान था जो उसके ईश्वरीय स्वरूप का प्रमाण था .इससे मोरया गोसावी को विश्वास हुआ कि उनका पुत्र स्वयं भगवान गणेश का अवतार है .मोरया गोसावी ने चिंचवड में एक भोजन वितरण केंद्र की स्थापना भी की जिसमें सभी जातियों के लोग एक साथ भोजन करते थे यह उस समय की बात है जब जाति प्रथा कठोर थी यह क्रांतिकारी कदम था जो राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बना .मोरया गोसावी का जन्म कर्नाटक के बीदर ज़िले में हुआ . गणेश की परम भक्ति के कारण वह चिंचवड में आ बसे . मोरया शब्द केवल एक नाम नहीं बल्कि आस्था और भक्ति का पर्याय बन गया है ,जो गणेश भक्तों की भावनात्मक अभिव्यक्ति बन गया है जिससे उनकी स्तुति में अधिक अपनापन और श्रद्धा जुड जाती है .जो उत्साह का द्योतक है . यह मंत्र आज पूरी दुनिया में बसे गणेश भक्तों की आस्था की पहचान बन गया है .

संतों के नाम वचन भक्ति और समाज में ऊर्जा ,उत्साह और उमंग की शक्ति प्रदान करते हैं . संत मोरया गोसावी ने अपनी गणेश भक्ति से यही सिद्ध किया .संतों से मिली सुबुद्धि मन को नम्र बनाती है और परमार्थ की ओर अग्रसर करती है . संत मोरया गोसावी की समर्पित भक्ति ने यही सिद्ध किया . मराठी में गणेश चतुर्थी के दौरान विसर्जन के समय कहा जाता है कि " गणपति बप्पा मोरया पुढ्यचा वर्षी लवकर

या " अर्थात " गणेश जी , अगले साल जल्दी आइये . जिसे गणपति विसर्जन के दौरान श्रद्धापूर्वक कहा जाता है . बताया जाता है कि अंतिम समय मे संत मोरया गोसावी गणेश जी की मूर्ति में ही समा गये लेकिन गणेश भक्ति में अनंत काल के लिये अपनी आस्थावान भक्ति को छोड गये .

काव्य कुंज

दूरी

डॉ टी महादेव राव

नहीं नाप सकते
सभी दूरियां मील के पत्थरों से
कहां-कहां का टिकट मांगोगे
जब मंजिल का पता नहीं है
हंसते दो होठों के बीच
देखते दो आंखों के मध्य
जान पहचान के चार बातों के दरमियान
लेन-देन करते शरीरों के बीच
कौन सी दूरी किस रंग में है
तुम्हें भी नहीं मालूम
मैं भी नहीं जानता
अंतरिक्ष को करीब ला सकने की आसानी से
आत्माओं को दूर कर लिए हैं
समुद्र है या मरुस्थल
घना जंगल या हिमालय
दूरी का रूप जाने बिनाअपने आप को किस अस्त्र सा
बनाकर दूरी को ध्वंस करोगे
हाथ मिलाए कंधे मिलाकर
नींद मिलाई सपने मिलाकर
दूरियों की हिफाजत से पहरेदारी में
जाति धर्म रंग सीमाएं ये मात्र दूरियां नहीं हैं
तुम्हें भी मालूम मुझे भी मालूम
चमड़े की थैली में खून भरने जितना सरल नहीं
दिलों के बीच की दूरी को मिटाना
भौतिक हो या आत्मिक या आध्यात्मिक
दूरी की बात कहीं पर
तुम्हारा मुझे और मेरा तुम्हें
देखना सच्चाई तो नहीं है
इतने पास में भी हमारी अपरिचित अनजानी दूरी कोई है
नए महाद्वीप नहीं
अब दूरियों की खोज होनी चाहिए
आओ मैं तुम्हें अपने कांधे पर बिठाकर
मैं तुम्हारे कांधे पर बैठकर चलो चलते हैं।

हमसफ़र

संजीव ठाकुर, रायपुर

तनहाइयाँ को हमसफ़र बना लिया,
टूटे वादों का हरा शजर बना लिया।
टूटे पत्तों से ज़िंदगी सज गई,
पतझरों को भी समर बना लिया।
लाख मिन्नत पर भी नहीं माने वो,
रंग से कैनवास पर मंज़र बना लिया।
तेरी ख़ुशबू ने जब किया मदहोश
इश्क़ ने ख़ुद को सिकंदर बना लिया।
वादा करके भी लौटे नहीं वो कभी,
उनकी यादों को हमसफर बना लिया।
सर पे रक्खा था जिनको दिल से मगर,
चाहतों को हमारी ठोकर बना दिया।
किस्से थे कितने बेरुख़ी के भी संजीव
हमने तनहाई को हमसफ़र बना लिया।

मंगलमय नव वर्ष -2026

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

मंगलमय नव वर्ष में
सुख-शांति का झरना बहे
सपने हों सभी साकार
यश-कीर्ति फैले चारों दिशा में
तक़दीर आप पर हो निसार
चुनौतियों पर हावी रहें
नई उमंग, नए विचार
सफलता के विराट आसमान पर
सूरज बन बिखेरें प्रकाश
मोहब्बत ही मोहब्बत हो
हर दिल-ए-दुनिया में
नफ़रतों का नहीं हो नामोनिशान
फूले-फले और महके
वतन के ख़्वाबों की बगिया
नूतन वर्ष हो इतना ख़ुशहाल।

क्या बदला जाए

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

सूरज की रोशनी को या
छिटकती चांदनी को
या की हवा के झोंको को
जो संवरी लटों को बिखेरती हैं।
क्या बदला जाए नदियों के
रुख को या पर्वतों की ऊंचाइयों को
बदलना है मशीन के परदे से चिपकी आदतों को
बदलना है आलसी स्वभाव को
अकेले बैठकर आभासी खेल से चिपके रहने को
बदलना है उन आदतों को जो हमें बीमार करती हैं।
छोड़ना है उन आदतों को जो
आत्मनिर्भर नहीं परनिर्भर बनाती हैं
बदलना है कृत्रिमता से भरी मुस्कुराहट को
बदलना है आईने पर पड़े झूठ के मुखौटे को
बदलना है बेवजह ओढे गए तनाव को,
छोड़ना है उन झूठे रिश्तों को जो सतही है
बरसाती मौसम की तरह ।
जुड़ना है सत्य से, फिल्टर वाली चीजों से बचना है
कृत्रिम को छोड़ प्राकृतिक से नाता जोड़ना है।
कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बदले अपनी बुद्धि को आजमाना है
मशीनों के साथ रहकर मशीन बन गई भावनाओं को छोड़
सजीवता से नाता जोड़ना है ।
अकेलेपन को छोड़ सामूहिकता को गले लगाना है
फिर से वापस इस जहाँ में आना है
जहां प्यार है अपनापन है स्नेह है
अपनों से जुड़ने का भाव है त्याग है समर्पण है
यही जहां सर्वोत्तम है यही जहां सर्वोत्तम है।।

अग्र हिंदी बनाओ

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

हिंदी भारत की जान
हिंदी भारत की शान,
हिंदी मस्तक की बिंदी
मस्तक पे सजाओ !
अग्र हिंदी बनाओ !!
संस्कृत भाषा की बेटी,
हिंदी है प्रेम की पेटी,
हिंदी तो दिल वालों की,
दिल से दिल मिलाओ !
अग्र हिंदी बनाओ !!
हाथ जोड़ करें प्रणाम
हिंदी जोड़ने का करें काम,
प्रांत भाषाओं में रम कर
हिंदी इंजन लगाओ !
अग्र हिंदी बनाओ !!
विश्व में हिंदी सजा
अंग्रेजी को पास बैठा,
भारत की हिंदी को
मान सम्मान दिलाओ,
अग्र हिंदी बनाओ।
शांति समाधान हिंदी,
अटल का पैगाम हिंदी,
हिंदी है वतन हमारा,
हिंदी को अपनाओ !
अग्र हिंदी बनाओ !!

ये दुनियां

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

ये दुनियां बड़ी निराली है
दिखने में ही बस प्यारी है,
जब सच से पाला पड़ता है
तब दिखे रूप विक्राली है
ये दुनियां बड़ी ----------- ।
ये भूल -भूल्लैया का है महल
चहुं ओर दिखे बड़े चहल -पहल,
पर ,पड़े जरूरत जब इसकी
तब दिखता अंदर खाली है
ये दुनिया बड़ी ------------ ।
इसके हैं हजारों रंग रूप
हरपल दिखता एक नव स्वरूप,
पर, जब करीब जाकर देखा
तब समझा झूठ की आली है
ये दुनियां बड़ी----------- ।
इस दुनियां के कुछ अजब रूल
जो देते एक -दूजे को शूल,
हंसके जो गले से मिलते हैं
उनकी भी रूह दिखी काली है
ये दुनियां बड़ी------------ ।
ये झूठ का एक पुलिंदा है
जो करता काला धंधा है,
सीधे -सच्चे मानव को भी
कर देता बिल्कुल अंधा है
ये दुनियां बड़ी--------- ।
ये बड़ी ही गहरी खाई है
जो मानव को भरमाई है,
ओढ़े बैठी है वसन झूठ
करती चालाकी गाढ़ी है
ये दुनियां बड़ी---------- ।

दस्तक

डॉ डी डी देसाई

आज फिर दरवाजे पर
दस्तक हुई है...
देखो...कौन है... ?
दुनिया हो.. तो वहीं से रफा दफा करना ।
कहना ...तुम लालची हो...
लालच तेरे व्यवहार से झलक रहा है ।
तुम स्वार्थी हो...
हमारी कदर तुमसे संभव नहीं ।
अहंकार से ओतप्रोत कमीज तुम्हारी,
सफेदपोश बनने की कगार पर तुम,
मैं मेहनतकश...मजबूर.. बेबस ।
तुम्हारे दिखावटी चेहरे...
हमसे गिने न जाएंगे ।
तुम्हारे चोचले हमसे सहे न जाएंगे ।
आज फिर दरवाजे पर..
दस्तक हुई है... ।
देखो कौन है... ?
वो है तो अंदर बुला लेना ।
कहना...उनका ही इंतजार था ।
वो दुनिया के होकर भी..
दुनिया जैसे नहीं हैं ।
वो जिंदगी में इस कदर आए...
कि...हमारी जिंदगी बन गए हैं ।
इंसानियत की मूरत...
सच्चाई की सूरत बन गए हैं ।
उनकी हँसी...पहाड़ियों के झरनों सी,
उनकी ख़ुशी.. आसमान की ऊंचाई सी,
वो.....बूँद से चातक के प्रेम सी,
भक्ति में लीन मीरा के प्रीत सी,
कृष्ण से राधा के मीत सी है ।
उनका साथ ही हमारे सपने हैं ।
असल में वो ही हमारे अपने हैं ।

समय की धारा

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

रुकती नहीं जिन्दगी
चाहे कितने तूफान आए।
सहरा हो या सागर
आदमी बढ़ता ही जाए।
रेगिस्तान हो या मरुस्थल।
जीवन चलता है बिन जल।
जलती धूप में चलता जाता,
ये कुदरत का है देखो छल।
सागर में जिंदगी जहाज पर।
घर में जिंदगी राज पर।
ऊंट रेगिस्तान की सवारी है।
जलती बलती चले साज पर।
जीवन कब रुका है जो रुकेगा।
मंजिल पे पहुंच कर ही थमेगा।
देखलो भीड़ हर जगह पर है।
कायनात को कौन भला टोकेगा।
जल थल मरुस्थल और वायु।
इसमें गुजरे जिंदगी की आयु।
मोटर जहाज वायुयान , पैदल,
शरीर चले जब स्वस्थ रहे स्नायु।
बेहद प्रबल है प्रकृति की माया।
कोई न इससे बच पाया।
सांस है जब तक की हाय हाय।
मौत से कब कौन बच पाया।
सबको सब मालूम है फिर भी,
खजाने जमा करते रहते हैं।
बुढ़ापे को भूलकर सभी,
जवानी में पाप करते रहते हैं।
क्या पाप क्या पुण्य है।
मनुष्य सदा से निर्बल है।
चली आंधी,सब उड़ गया,
आया तूफान सब बह गया।
घमंड फिर भी करता है आदमी।
मौत से भी नहीं डरता है आदमी।
ज़रा सा धन मिला तो रिश्ते भूला,
पति,बीवी मिली तो मां बाप भूला।

हौसला अब भी साथ खड़ा

कमलेश झा
भागलपुर, बिहार

वर्ष पुराना बीत गया, पर हौसला अब भी साथ खड़ा ,
जो टूटा, वह अनुभव बना, जो छूटा, वही भविष्य का राह।
घर था, पर सुकून कम था, परिवार में भी खामोशी थी,
माँ की चिंता, पिता का मौन, आँखों में अनकही कहानी थी।
समाज ने पूछा—"सब ठीक है?"
हमने भी मुस्कान बिखेरी,
भीतर जो आग सुलग रही थी,
उसी ने आगे राह मोड़ ली।
आशा–निराशा के द्वंद्व में,
कई बार मन हार गया,
पर मेहनत की तपती भट्टी ने,
हर डर को जलाकर राख किया।
रिश्ते डगमगाए, सपने टूटे,
रातें प्रश्न बनकर आईं,
पर लगन ने थामा भोर का हाथ,आँखों में फिर रोशनी छाई।
रिश्ते भी गणित सीख गए, भावनाएँ बोझ कही गईं,
जहाँ जरूरत थी कंधों की, वहाँ सलाहें पोटली भर दे दी गईं।
हम गिरे, पर रुकना न सीखा, हर ठोकर सीढ़ी बनती गई,
पसीने से लिखी कहानी ने, हार की परिभाषा बदल दी।
आशा ने दीप जलाए कई, निराशा आँधी बन आई,
सुबह ने वादे बाँधे हमसे, शाम कुछ सपने लेकर आई।
वर्ष पुराना बीत गया, कुछ ख्वाब मिट्टी हो गए,
कुछ सपने जिम्मेदारियों में, चुपचाप ही टूट कर सो गए।
हम टूटे—पर बिखरे नहीं, गिरे—पर ठहरना न सीखा,
मेहनत की धूल लपेट हमने, भाग्य का लेख फिर से लिखा।
पसीने से सींचे सपनों ने, आँखों में रंग भर डाला,
लगन बनी तलवार हमारी, धैर्य ने कवच बन संभाला।
कंधों पर अनुभव का बोझ लिए,मन कई बार थक-सा गया,
पर हर ठोकर ने यही सिखाया रुकना नहीं, चलना ही गया।
जो खोया, उसने गहराई दी, जो पाया, उसने भ्रम तोड़ा,
हर आँसू ने दृष्टि धोई, हर दर्द ने भीतर कुछ जोड़ा।
वर्ष पुराना बीत गया, पर छोड़ गया प्रश्न कई,
क्या जी भरकर जी पाए हम, या बस चलते रहे यों हीं सभी?
वर्ष पुराना बीत गया, पर जज़्बा अब भी जवान खड़ा,
क्योंकि जीत उसी को मिलती है,जो हर हार से कुछ सीख लिया।
अब नया सवेरा पुकार रहा, हथेलियों में श्रम का मान,
समय, समाज, हालात सभी सेहम गढ़ेंगे अपनी पहचान।
वर्ष पुराना बीत गया, पर यह अंत नहीं—आरंभ है,
जहाँ आस्था, मेहनत और लगन
मिलकर हीं विजय का उद्घोष है।

नववर्ष

दर्शन सिंह
हैदराबाद

हर्ष से उल्लासित हो नववर्ष
ज्योति से आलोकित हो नववर्ष
कांति से आह्लादित हो नववर्ष
अभ्युदय से विभूषित हो नववर्ष
आशा व विश्वास को सिंचित करे नववर्ष
उत्कर्ष से आमोदित करे नववर्ष
वैभव से सुगंधित करे नववर्ष
ऊषा से अनुग्रहित करे नववर्ष
विषाद को आह्लाद में परिवर्तित करे नववर्ष
अवसान को उन्नयन में परिवर्तित करे नववर्ष
तमोस्त को अरुणोदय में परिवर्तित करे नववर्ष
धरा को विस्मयताओं से विस्मित करे नववर्ष
आत्मवत सर्वभूतेषु को पुलकित करे नववर्ष
जियो व जीने दो को पल्लवित करे नववर्ष
सर्वेभवन्तु सुखिनः को पुष्पित करे नववर्ष
वसुधैव कुटुंबकम् को सुवासित करे नववर्ष ।।

उम्मीद: एक तलाश नव वर्ष में

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

तराशते तराशते उम्मीदों की इमारत को,
उम्मीदें खुद ही एक तलाश बन गई हैं,
क्योंकि उम्मीदों की
दीवार का एक एक पत्थर,
एक अंतहीन काफिला सा है,
राहगीर को खुद मंजिल का अंदाज नहीं,
लेकिन बीच राह में मुंह मोड़ लेना तो,
कामयाबी का सबब नहीं।
जिंदगी जब खुद अपनी ही है,तो
उम्मीद का लेखा-जोखा रखना, किसी दूसरे का जिम्मा नहीं।
समूचा ब्रम्हांड आशा और विश्वास की,
धूरी पर ही तो परिक्रमा कर रहा है,
आशा की उस विशालकाय दिव्य ज्योति के,
हम सब नन्हें से प्रतिबिम्ब हैं, नन्हें दीपक हैं,
और नव वर्ष में उस ज्योति की प्रखरता के लिए,
हम सबको विश्वास का दीप बन जलना है।
उम्मीद की लौ बनकर जीवन यात्रा पथ पर,
अनवरत चलना है, उत्तरोत्तर गतिशील होना है।।
उम्मीद तो एक सबसे बड़ी आस्था है,
जीवट और जीजिविषा की चेष्टा है,
ह्दय में स्पंदन का संचार करने वाली,
एक प्रेरणा, एक आकांक्षा, एक प्रतिष्ठा है।।

अधूरा ख्वाब

संजय एम. तराणेकर, इंदौर

एक अधूरा ख्वाब रह गया,
मुझे साथ तेरा चाहिए था !
उसे भी कोई और ले गया।
मैं उन भावनाओं में बहके,
अकेले सब कुछ सह गया।
मेरी ही जिंदगी के यादगार,
लम्हों को वो छिन ले गया।
अब सीने में 'तस्वीर' है तेरी,
वो शरीर कोई और ले गया।
यूं बहते रहेंगे यादों के मंजर,
ये ख्याल कोई ओर ले गया।
सुकून से जी लो यह जिंदगी,
मेरे कानों में कोई कह गया।
बस, तेरा हाथ-साथ पाने का,
एक 'अधूरा ख्वाब' रह गया।

सूने आँगनों की गवाही

प्रियंका सौरभ

आँगन सूने हैं,
दीवारें गिनती हैं
उन पगचिह्नों को
जो कभी पड़े ही नहीं।
जिन बेटियों को
जन्म से पहले
हमने चुपचाप विदा कर दिया,
आज उनकी अनुपस्थिति
दरवाज़ों पर खड़ी है।
करोड़ों की दौलत
इस सन्नाटे को
भर नहीं पाती,
और नाम, वंश, प्रतिष्ठा
सब मौन हो जाते हैं।
यह कोई दंड नहीं—
यह हमारी ही
निर्दय चुप्पी की धीमी-धीमी फसल है।
यदि अब भी जीवन को
सम्मान से नहीं देखा, तो यह सन्नाटा
पीढ़ियों तक हमारे साथ चलेगा

प्रभाव

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

सोच का प्रभाव मन पर,
मन का प्रभाव तन पर,
मन और तन का प्रभाव जीवन पर
अभाव का प्रभाव,
बदलता जीवन का स्वभाव
हथेली में छाले, पांव के घाव,
महसूस कराते, जीवन के प्रभाव
कहीं नाराज़गियों का बहाव,
कहीं भावनाओं में दुर्भाव
कहीं अपनों में ही खिंचाव,
कहीं पीठ पर बुराई के घाव
जैसे भाव, वैसे प्रभाव
वाणी में हो शीतलता,
ह्दय में लगे कोमलता
निस्वार्थ प्रेम और सेवा भाव,
कर्मठ और सहनशील स्वभाव,
कर्मठ और सहनशील स्वभाव ।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

प्रगतिः 85 लाख करोड़ के सुस्त प्रोजेक्ट ने भरा फर्राटा

जम्मू- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक का 40 प्रतिशत हिस्सा पूरा होने में 20 साल से ज्यादा लग गए। बाकी का 60 प्रतिशत काम 11 साल से भी कम समय में पूरा कर लिया गया। इसे 'प्रगति' की रफ्तार कह सकते हैं। यही नहीं, देश में ऐसी हजारों परियोजनाएं हैं, जिनकी कुल लागत 85 लाख करोड़ रुपये है, जो अपनी सुस्त रफ्तार की वजह से कुख्यात थे। लेकिन, अब ये प्रोजेक्ट बहुत ही तेजी से पूरे हुए हैं और जल्द पूरे होने की कतार में हैं। यह संभव हुआ है 'PRAGATI'(प्रगति) की वजह से जिसका मतलब है, प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इंप्लिमेंटेशन। यह प्रयोग गुजरात में पहले से ही सफल रहा है, जो SWAGAT (स्वागत) के नाम से जाना जाता है।

जम्मू- उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक की जो हमने ऊपर बात की वह 42,760 करोड़ रुपये की परियोजना थी। यह प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग के लिए बहुत बड़ी चुनौती रही है। क्योंकि, इसमें हिमालय काटकर 38 सुरंगे बनी हैं और 943 पुलों का निर्माण हुआ है। अगर 'प्रगति' के तहत इसके काम में रफ्तार नहीं लाई जाती तो यह पहले की गति में 2038 तक पूरा होने वाला था। इसी तरह से अगर 'प्रगति' पहल के तहत सुस्त प्रोजेक्ट की सुस्ती की वजह की पड़ताल नहीं की गई होती और उसका समाधान नहीं ढूंढ़ा गया होता, तो नवी मुंबई एयरपोर्ट 2049 से पहले चालू नहीं हो पाता।

इस तरह की रेलवे लाइनें और एयरपोर्ट उन 3,300 से ज्यादा प्रोजेक्ट में शामिल हैं, जो 85 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं और इन्हें जल्द पूरा करने के लिए इन्हें 'प्रगति' के दायरे में लाया गया। कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन ने कहा है कि 'प्रगति' के तहत 50 बैठकें हुईं और यहां इन परियोजनाओं से जुड़े 7,735 मुद्दे सामने लाए गए और उनमें से 7,156 का समाधान कर दिया गया।

कैबिनेट सचिव के अनुसार जिन 7,156 मुद्दों का समाधान निकाला गया, उनमें 35 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण, 20 प्रतिशत जंगल, वन्यजीव और पर्यावरण, 18 प्रतिशत इस्तेमाल के अधिकार या रास्ते के अधिकार से जुड़े मुद्दे थे, और बाकी कानून-व्यवस्था, निर्माण, बिजली से जुड़ी मंजूरी और वित्तीय मसले थे, जिन्हें सुलझाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इनमें से 382 प्रोजेक्ट्स का रिव्यू किया और उठाए गए 3,187 मुद्दों में से 2,958 का हल निकाला गया। इस प्लेटफॉर्म पर 61 प्रमुख सरकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। इनमें वन नेशन-वन राशन कार्ड, पीएम जन आरोग्य योजना, पीएम आवास योजना, पीएम स्वनिधि और स्वच्छ भारत मिशन जैसी बड़ी योजनाएं शामिल हैं।

प्रगति जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि इस पहल की शुरुआत ज्यादा सक्रिय होकर प्रोजेक्ट को समय पर लागू करने के लिए की गई है। इसे पीएम मोदी के सरकार में आने के एक साल पूरे होने से भी पहले 25 मार्च, 2015 को लॉन्च किया गया था। इस पहल की चर्चा देश में ही नहीं, विदेशों में भी होती है और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इससे जुड़े प्रोजेक्ट में इसकी वजह से आई रफ्तार पर एक पूरी स्टडी भी की है।

गुजरात में भी सफल हुआ 'स्वागत'

दरअसल, जब नरेंद्र मोदी इस दशक की शुरुआत में गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे, तो उन्होंने कुछ समय बाद ही साल 2003 में 'स्वागत नाम का प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था। इस प्रोजेक्ट के नाम से भी साफ है कि टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किस तरह से शिकायतों के निवारण के लिए किया जाना शुरू किया गया। गुजरात में भी इसे जल्द ही सफलता मिलनी शुरू हो गई थी।

वेनेजुएला के सबसे बड़े खजाने पर नजर या ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई

अमेरिका ने क्यों बोला हमला?

अमेरिकी सेना ने आखिरकार वेनेजुएला पर हमला बोल दिया है। राजधानी काराकस में शनिवार सुबह तड़के तेज धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। काराकस में मौजूद पत्रकारों ने धमाकों की पुष्टि की है। पहला धमाका स्थानीय समयानुसार लगभग 1:50 बजे हुआ। शहर के कई इलाकों में बिजली गायब हो गई है। धमाकों के बाद वेनेजुएला की राजधानी में कम ऊंचाई पर उड़ते हुए विमानों की आवाजें सुनाई दी हैं। वहीं, वेनेजुएला के सूत्रों ने स्काई न्यूज अरबिया को बताया कि हवाई हमलों में देश के रक्षा मंत्री के घर और राजधानी काराकस में एक बंदरगाह को निशाना बनाया गया।

मादुरो के खिलाफ क्यों हैं ट्रंप?

ऐसे में आइए समझते हैं कि अमेरिका के वेनेजुएला पर सीधा हमला करने के पीछे की वजह क्या है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले कुछ समय से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर दबाव बनाए हुए हैं। अमेरिकी युद्धपोतों को इस दक्षिण अमेरिकी देश के पास तैनात किया गया है, जिसे ट्रंप ने वेनेजुएला के खिलाफ सबसे बड़ी सैन्य तैनाती कहा है। इसके पहले 29 दिसम्बर को ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला की ड्रग्स वाली नावों के लिए एक डॉकिंग एरिया पर हमला किया था, लेकिन उन्होंने हमले की जगह नहीं बताई थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार चेतावनी देते रहे हैं कि अमेरिका वेनेजुएला में कथित ड्रग तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है और जमीन पर जल्द ही हमले शुरू होंगे। अक्टूबर में ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने सीआईए को वेनेजुएला के अंदर काम करने की इजाजत दी है, ताकि इस दक्षिण अमेरिकी देश से आने वाले अवैध प्रवासियों और ड्रग्स की बाढ़ पर रोक लगाई जा सके।

कितना तेल है वेनेजुएला के पास, ट्रंप की क्यों नजर गड़ी हुई है? सत्ता बदली तो क्या तेल का खेल बदलेगा

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर ट्रंप लगातार हमलावर रहे हैं। उन्होंने अमेरिका में वेनेजुएला के लाखों प्रवासियों के आने के लिए मादुरो को जिम्मेदार ठहराया है। अनुमान है कि 2013 से देश के आर्थिक संकट और दमन के कारण लगभग 80 लाख लोग वेनेजुएला छोड़कर भाग गए हैं। ट्रंप ने मादुरो पर अपनी जेलों को खाली करने और कैदियों को अमेरिका में प्रवासी बनने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है। हालांकि, इसका कोई सबूत नहीं दिया है।

मादुरो पर गैंग चलाने का आरोप

ट्रंप ने वेनेजुएला के दो अपराधी समूहों- ट्रेन डे अरागुआ और कार्टेल डे लॉस सोल्स- को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कार्टेल डे लॉस सोल्स का नेतृत्व खुद मादुरो करते हैं। यही नहीं, ट्रंप ने मादुरो को पकड़ने वाली जानकारी के लिए इनाम भी दोगुना कर दिया है। मादुरो ने कार्टेल लीडर होने से साफ इनकार किया है और आरोप लगाया है कि अमेरिका उन्हें हटाने और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडाल पर कब्जा करने के लिए ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई को बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

आखिर चाहते क्या हैं मोहम्मद यूनुस ?

घनश्याम बादल

दीपू चंद्र दास और खोखनचंद्र दास के बाद एक और हिंदू सुरक्षा कर्मचारी अमृत मंडल की बांग्लादेश में हत्या कर दी गई है । अभी तक वहां अल्पसंख्यक हिंदू केवल तात्कालिक ख़तरा महसूस कर रहे थे लेकिन अब एक भय का माहौल उनके बीच पसरता दिखाई दे रहा है । छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश किस मुहाने पर खड़ा दिखाई दे रहा है वह एक बहुत बड़ा और खतरनाक संकेत है।

जिस तरह 2024 में अगस्त में युवाछात्र की आंदोलन के चलते हुए स्थितियां इतनी बिगड़ी की वहां की सरकार को इस्तीफा देना पड़ा और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद को भारत में शरण लेनी पड़ी वह कुछ-कुछ बाद में नेपाल में हुए जैन जी आंदोलन का ही एक पूर्वांक यानी प्रीक्वेल दिखाई पड़ता है। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद वहां की सत्ता प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं ग्रामीण बैंक के संस्थापक तथा शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस इस उम्मीद के साथ अल्पकाल के लिए सौंपी गई थी कि वे वहां पर न केवल शांति स्थापित करेंगे अपितु अव्यस्था की ओर बढ़ रहे बांग्लादेश को फिर से पटरी पर लाकर वहां लोकतंत्र की परिपाटी को मजबूत करेंगे लेकिन हाल फिलहाल तो ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। यदि बांग्लादेश के इतिहास पर नज़र डाली जाए तो पता चलेगा कि वहां लोकतंत्र कभी भी लंबे समय तक एवं मजबूती से नहीं टिका है । 1971 में आजाद होने के बाद शेख मुजीबुर्रहमान ने पहले वहां के राष्ट्रपति एवं बाद प्रधानमंत्री के पद संभाले तब लगा था कि पाकिस्तानी अत्याचारों से मुक्ति के बाद बांग्लादेश अब लोकतंत्र की स्वस्थ शासन में फले फूलेगा लेकिन केवल 4 साल बाद ही 1975 में एक सैनिक षड्यंत्र के तहत शेख मुजीबुर्रहमान की सपरिवार हत्या कर दी गई केवल उनकी दो बेटियां जिनमें एक शेख हसीना है इसलिए बच गई कि वे वहां नहीं थी । उसके बाद एक अल्पकालीन सरकार खोंडकर मुश्ताक के नेतृत्व में बनी उसका पतन भी एक सैन्यतख्ता पलट में मेजर जनरल जियाउर्रहमान के नेतृत्व में हुआ और 1981 में चटगांव दौरे के दौरान मार डाले गए ।

मार्च में इंडियन आर्मी करेगी बड़ा ऑपरेशन'

जैश-लश्कर-हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकियों को मैसेज, कश्मीर में 'हाइब्रिड टेरर मॉडल' एक्टिव

'हमारे लिए हालात मुश्किल होते जा रहे हैं। हम जानते हैं कि किसी भी इम्तिहान का मुश्किल हिस्सा आखिर में होता है। अल्लाह की मर्जी से हम इसे जीतकर, और मजबूत होकर निकलेंगे। ये सिर्फ आपकी लड़ाई है। जो भी करना है, खुद करना है। जल्द ही हम कब्जे से निपटने के लिए पूरा एक प्लान बताएंगे।'

ये मैसेज कश्मीर में एक्टिव आतंकियों के लिए है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन कश्मीरियों को अपने साथ जोड़ने के लिए प्रोपेगैंडा चला रहे हैं। हाल ही में कुछ मैगजीन और डॉक्यूमेंट मिले हैं, जिनसे नौजवानों को संगठन से जोड़ने और हमले की तैयारी का खुलासा हुआ है। ये मैगजीन दिसंबर में आतंकी नेटवर्क के जरिए पब्लिश की गई थी।

ये मैगजीन या एक-दो पेज के स्टेटमेंट वाले पेज का पीडीएफ बनाकर अलग-अलग ग्रुप तक पहुंचाया जा रहा है। ये कंटेंट उर्दू और अंग्रेजी में है। सुरक्षा एजेंसियों के सोर्स बताते हैं कि इसका मकसद पढ़े-लिखे नौजवानों को टारगेट करना है। मैगजीन के जरिए आतंकियों को आर्मी के ऑपरेशन और आगे की तैयारी की जानकारी दी जा रही है। इसमें 33 साल से फरार आतंकी जहांगीर का इंटरव्यू भी है।

आतंकी संगठन मैसेज देने के लिए ZUV नाम से एक लेटर भेज रहे हैं। ZUV का मतलब है- मेरी जिंदगी, मेरी रूह की मौजूदगी से है। एक महीने के भीतर ही इस नेटवर्क की तरफ से कई बार स्टेटमेंट बनाकर आतंकी ग्रुपों में भेजे गए हैं। इनमें से एक स्टेटमेंट 9 पेज का है। इसके आखिरी पेज पर भारतीय सेना की तैयारी का जिक्र है। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट का जिक्र करते हुए अलर्ट किया गया है। इस स्टेटमेंट में लिखा है, 'नवंबर की घटना ने इंडिया को और भड़का दिया है। वे कश्मीर पर अपनी मशीनरी से पकड़ मजबूत कर रहे हैं। हमारे लिए हालात मुश्किल होते जा रहे हैं। जल्द ही हम कब्जे से निपटने के लिए पूरा प्लान बताएंगे। हम अपने लोगों से आने वाले इवेंट्स के लिए मेंटली और फिजिकली तैयारी शुरू करने के लिए कहेंगे।'

'खासकर नौजवानों से कहेंगे कि वे इस सर्दी का समझदारी से इस्तेमाल करें। ये बताना जरूरी है कि इंडियन आर्मी और कश्मीर पुलिस को ऑर्डर दिए गए हैं कि जैसे ही रास्ता बर्फ से साफ होना शुरू हो, वो ऊपर के इलाकों में ऑपरेशन शुरू कर दें। मार्च 2026 से इसकी शुरुआत हो सकती है।

14 दिसंबर को जारी ZUV के लेटर में नौजवानों को नेटवर्क में भर्ती करने की बात कही गई है। इसमें लिखा है कि हथियारों के साथ विरोध करने वालों को खत्म करने के लिए इंडियन आर्मी को ऑर्डर मिला है। आर्मी कश्मीर के ऊपरी इलाकों में बड़ा ऑपरेशन शुरू कर सकती है। इसलिए हम भी सेना की एक्टिविटी पर नजर बनाए हुए हैं। आगे लिखा है कि हम सभी भाइयों को बदलते हालात के बारे में अलर्ट कर रहे हैं। चाहे वे किसी भी ऑर्गनाइजेशन से जुड़े हों। सभी आर्मी का प्लान रोकने के लिए काउंटर स्ट्रैटजी बनाने में आगे आएं। इसके अलावा कश्मीरी युवाओं से सोशल मीडिया पर कुछ भी संदिग्ध एक्टिविटी पोस्ट नहीं करने की गुजारिश की गई है। डॉक्यूमेंट के पेज नंबर-8 पर दिल्ली ब्लास्ट और फिर नौगाम में हुए धमाके का जिक्र है। इसमें लिखा है कि हाल में पुलिस की हिंसा में इजाफा हुआ है। दिल्ली और नौगाम धमाकों के बाद पुलिस काफी निराश है। हम जानते हैं कि भारतीय एजेंसियों को महीनों तक इसकी भनक तक नहीं लगी कि उनकी नाक के नीचे क्या होने वाला है। पुलिस केमिकल्स (विस्फोटक) को भी ठीक से नहीं संभाल पाई। इसलिए छापेमारी कर रही है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बन रहे रतले पावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले तीन लोगों का लिंक आतंकी जहांगीर सरूरी से मिला था। इनमें एक जहांगीर का सगा भाई, दूसरा चचेरा भाई और तीसरा भतीजा है। मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर सरूरी को हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर बताया जाता है। वह 1992 से एक्टिव है। जहांगीर को जम्मू में सबसे लंबे वक्त तक जिंदा रहने वाले आतंकवादियों में से एक माना जाता है। उस पर डोडा-किश्तवाड़ में कई हत्याओं में शामिल होने का केस है।

जहांगीर सरूरी का प्रोपेगैंडा इंटरव्यू द रिवोल्यूशन रिसर्जेंस मैगजीन में पब्लिश हुआ है। 29 पेज की मैगजीन में 24 नंबर पेज पर ओवैस बिलाल ने ये इंटरव्यू किया है। ये बातचीत कहां हुई, इसका जिक्र नहीं है। जहांगीर के बारे में लिखा है कि वह पिछले 33 साल से जम्मू के किश्तवाड़ और डोडा में आजादी की लड़ाई लड़ रहा है। उसे पहाड़ों का बेटा बताया गया है। इंटरव्यू में लिखा है कि 1992 में मुजाहिदीन में शामिल होने के बाद उसने कई ऑपरेशन किए।

1992 से अब तक के सफर के बारे में जहांगीर ने जवाब दिया, 'मैं मुजाहिदीन में शामिल हुआ, तब आगे का रास्ता कुर्बानी का था। अल्लाह ने हमें कई मोर्चों पर जीत दिलाई। इंडियन आर्मी और उनकी खुफिया एजेंसियों ने हमें रोकने के लिए हर कोशिश की, लेकिन हम कभी पीछे नहीं हटे।

10 मिनट में डिलीवरी का प्रेशर, दिहाडी सिर्फ 700 रुपए

रोज 15-16 घंटे काम, स्विगी-जोमैटो-ब्लिंकिट के डिलीवरी पार्टनर का दर्द

'ये मेरा आज का 28वां ऑर्डर है। लिफ्ट से कस्टमर को ऑर्डर देने जा रहा हूं। देखो भाई, यहां के 15 रुपए मिले। मेरे 15 घंटे होने वाले है और अब तक 762 रुपए की कमाई हुई है। ब्लिंकिट बहुत कम पैसे दे रहा है। मैं घर जा रहा हूं, अब काम नहीं करना है।'

ब्लिंकिट के डिलीवरी पार्टनर हिमांशु थपलियाल ने 29 सितंबर को ये वीडियो बनाया और इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। वीडियो वायरल हो गया और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने हिमांशु का जिक्र संसद में किया। हिमांशु ने ब्लिंकिट का काम छोड़ दिया, लेकिन उनके जैसे गिग वर्कर्स की परेशानियां अब भी बची हुई हैं। कम कमाई और 10 मिनट में डिलीवरी के प्रेशर से परेशान गिग वर्कर्स 31 दिसंबर को हड़ताल पर रहे। इससे पहले गिग वर्कर्स 25 दिसंबर को क्रिसमस पर हड़ताल पर चले गए थे। हिमांशु उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के रहने वाले हैं, लेकिन बचपन से परिवार के साथ दिल्ली में रह रहे हैं। किदवई नगर के एक कमरे के मकान में हिमांशु मम्मी-पापा के साथ रहते हैं। इंस्टाग्राम पर उनके वीडियो को 75 लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। 19 साल के हिमांशु बताते हैं, 'मैंने ब्लिंकिट में 5-6 महीने काम किया। मेरा वीडियो बनाने के पीछे मकसद था कि लोगों को सच्चाई पता चले कि कंपनी कैसे लोगों को पागल बनाती है। 5 किमी तक के ऑर्डर के लिए ब्लिंकिट से पहले 80 रुपए तक मिलते थे, फिर इसे घटाकर 50 रुपए कर दिया। मैं डिलीवरी के लिए इलेक्ट्रिक व्हीकल किराए पर लेता था। इसके लिए 200 से 250 रुपए रोज देना होता है। इसी से आप कमाई का अंदाजा लगा लीजिए।'

हिमांशु आगे कहते हैं, 'मुझे नहीं पता था कि मेरा वीडियो वायरल हो जाएगा। मैं बस चाह रहा था कि लोगों तक ये वीडियो पहुंचे। कंपनी कहती है कि एक हफ्ते में आपकी इतनी या उतनी कमाई हो जाएगी, लेकिन ये नहीं बताती है कि आपको कितने घंटे काम करना होगा। कितने समय तक लॉग-इन रहना पड़ेगा। अगर आप लॉग-इन नहीं रहेंगे, तो इंसेंटिव नहीं मिलेगा।'

हिमांशु के पिता अरविंद थपलियाल भी पहले गिग वर्कर थे। तीन साल पहले तक वे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के लिए काम करते थे। अरविंद कहते हैं, 'कभी-कभी ऐसा भी होता था कि पूरे दिन काम करने के बाद 200-250 रुपए की कमाई होती थी। इस काम से कोई फायदा नहीं होता।' हमने फूड डिलीवरी और क्विक सर्विस का काम कर रहे कुछ और वर्कर्स से मुलाकात की। वे पहचान जाहिर नहीं करना चाहते, इसलिए उनके नाम बदल दिए हैं।

56 साल के सुरेंद्र ढाई साल से जोमैटो के लिए काम कर रहे हैं। हम उनसे दिल्ली के लक्ष्मीनगर में मिले। सुरेंद्र कहते हैं, 'चाहे ट्रैफिक जाम हो या लोकेशन की दिक्कत हो, लेकिन डिलीवरी लेट होने पर आपकी रेटिंग कम कर दी जाती है। कभी-कभी तो आईडी भी बंद कर देते हैं। 2 किलोमीटर तक की डिलीवरी के लिए मिनिमम 20 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा दूरी और समय के हिसाब से हर किलोमीटर के पैसे मिलते हैं। इसके अलावा कोई सुविधा नहीं मिलती।' सुरेंद्र बताते हैं कि हम लोगों को सिर्फ एक लाख तक दुर्घटना बीमा मिलता है। पिछले साल मेरा एक्सीडेंट हो गया था। कंपनी ने एक लाख रुपए का खर्च उठाया। बाकी के 75 हजार रुपए मुझे खुद देने पड़े। इसके लिए कर्ज लिया था। आज तक ब्याज चुका रहा हूं।'

क्या होना चाहिएः सुरेंद्र कहते हैं कि डिलीवरी के लिए रेट फिक्स होना चाहिए। इंश्योरेंस दिया जाए। अगर रिटायर हो रहे हों, तो पेंशन देना चाहिए।

शाहदरा की रहने वाली नेहा (बदला हुआ नाम) डेढ़ साल से स्विगी में काम कर रही हैं। नेहा बताती हैं, 'एक ऑर्डर पर सिर्फ 15 रुपए मिल रहे हैं। 15-16 घंटे काम करने के बाद 700-800 रुपए तक कमाई होती है। एक्सीडेंट हो गया तो कोई पूछने वाला नहीं होता। एक बार डिलीवरी के दौरान एक्सीडेंट हो गया, तो कंपनी की तरफ से कहा गया था कि आप ही गाड़ी तेज चला रहे होगे।'

कस्टमर से होने वाली समस्याओं पर नेहा कहती हैं, 'कस्टमर अगर बिल्डिंग में ऊपर के फ्लोर पर रह रहे हैं, तो सामान लेने नीचे नहीं आते। आटे का पैकेट हो या कुछ और सामान, हमें ही ऊपर बुलाते हैं। हम नहीं जाते हैं तो कंपनी से शिकायत कर देते हैं। फिर दो-दो दिन तक हमारी आईडी बंद रहती है। कस्टमर कुछ भी लिखकर डाल देते हैं और हमारी रेटिंग डाउन कर दी जाती है।'

क्या होना चाहिएः नेहा कहती हैं, 'हम जैसे वर्कर्स को सैलरी के आधार पर रखना चाहिए। कंपनियां मेहनत बहुत करवा रही हैं, लेकिन उस हिसाब से पैसे नहीं दे रहीं। छुट्टी लेने का मतलब है उस दिन की कमाई बंद। सरकार को इसके लिए कोई नियम लाना चाहिए।'

डिलीवरी पार्टनर अमित (बदला हुआ नाम) कहते हैं, 'मैं सुबह 10 बजे आईडी ऑन करता हूं। रात के 11 बजे तक काम करते हैं। अगर आपको 1 हजार रुपए कमाना है, तो कम से कम 14-15 घंटे काम करना पड़ेगा। शुरुआत में कंपनियां ठीक पैसे देती थीं, आज घर चला पाना भी बहुत बड़ी बात है।' अमित आगे कहते हैं, '10 मिनट में डिलीवरी का सिस्टम खत्म करना चाहिए। अगर टाइम से डिलीवरी नहीं हुई, तो रेटिंग कम कर दी जाती है। फिर हमें ऑर्डर कम दिए जाते हैं। सड़क पर गिर गए या गाड़ी खराब हो गई, तब भी कंपनी को कोई मतलब नहीं है। मैं रोज 12-13 घंटे काम करता हूं, तब 1 हजार रुपए का काम होता है। इसमें भी 200 रुपए पेट्रोल पर खर्च हो जाते हैं।'

गिग इकोनॉमी में कंपनियां संस्थान-कर्मचारी वाले मॉडल को छोड़कर टास्क के आधार पर काम देती हैं। कंपनियां उन्हें वर्कर न मानकर पार्टनर बनाती हैं। अगर कोई पार्टनर उनके तय किए गए नियमों से काम करता है, तो उसे इंसेंटिव दिया जाता है। अगर शिकायत आती है तो उनकी आईडी ब्लॉक कर दी जाती है।

नीति आयोग ने 2022 में एक रिपोर्ट में बताया था कि भारत में करीब 77 लाख गिग वर्कर्स हैं। इनमें एप बेस्ड कैब ड्राइवर से लेकर डिलीवरी एजेंट तक शामिल हैं। आयोग का अनुमान है कि 2030 तक इन वर्कर्स की संख्या 2.5 करोड़ तक पहुंच सकती है।

समुद्र का जल कैसे हो गया खारा किसने छीन ली पानी की मिठास?

सनातन धर्म शास्त्र और पुराण कथाओं से भरे पड़े हैं। शास्त्रों और पुराणों में कई ऐसी कथाएं मिलती हैं जो बहुत दिलचस्प हैं और हैरान करती हैं। ऐसी ही हैरान कर देने वाली कथा शिव पुराण में मिलती है। ये कथा समुद्र के पानी को लेकर है। शिव पुराण की कथा में बताया गया है कि एक बार समुद्र के पानी के मीठे पन को छीन लिया गया।

हालांकि, मन में सवाल आता है कि आखिर वो कौन सी वजह थी, जो ऐसा किया गया। बताया जाता है एक श्राप इसकी वजह थी। ऐसे में आइए जानते हैं कि ये श्राप समुद्र को किसने दिया था?

पौराणिक कथा के अनुसार...

पौराणिक कथा के अनुसार, हिमालय की पुत्री माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के रूप में पाने के लिए कठिन तप शुरू किया। ये कठिन तप माता समुद्र तट पर कर रहीं थीं। उनकी इस साधना तेज बहुत प्रबल था। इस वजह से तीनों लोकों में हलचल मच गई। वहीं माता के तपस्वी स्वरूप को देख समुद्र देव (वरुण देव) उन पर मुग्ध हो गए। इसके बाद वो देवी पार्वती के सामने प्रकट हुए और उनके समक्ष विवाह का प्रस्ताव रख दिया।

इसके बाद माता पार्वती ने अत्यंत शांत और गरिमापूर्ण ढंग से समुद्र देव के विवाह के प्रस्ताव को स्वीकार करने से मना कर दिया। उन्होंने समुद्र देव से कहा कि उनका हृदय और जीवन सिर्फ महादेव के लिए समर्पित है। वो उनसे विवाह का संकल्प ले चुकी हैं। माता के मुख से महादेव की प्रशंसा सुनकर समुद्र देव के अहंकार को ठेस पहुंची। इसके बाद वो क्रोध में आ गए और भगवान शंकर की बुराई करनी शुरू कर दी।

समुद्र देव ने किया महादेव का अपमान

उन्होंने भगवान शिव का अपमान करते हुए कहा कि वो सिर्फ भस्मधारी वैरागी हैं। फिर समुद्र ने अपनी प्रशंसा करते हुए कहा कि वो सर्वगुण संपन्न हैं। विशाल हैं। समस्त संसार की प्यास बुझाते हैं। उन्होंने माता पार्वती से कहा कि वो एक आदिवासी को छोड़ दें और समुद्र की रानी बनें। माता पार्वती अपने होने वाले पति का अपमान सहन न कर सकीं। वो समुद्र से क्रोधित हो उठीं।

मां पार्वती ने दिया श्राप

माता ने गरगते हुए कहा कि जिसे मीठे जल और उपयोगिता पर तुमको इतना अहंकार है, उसका आज ही नाश हो जाएगा। तुम्हारा जल मनुष्यों के लिए व्यर्थ हो जाएगा। समुद्र देव को श्राप देते हुए माता पार्वती ने कहा कि तुम्हारा जल आज से खारा हो जाएगा। कोई मनुष्य अपनी प्यास बुझाने के लिए तुम्हारे जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करेगा। कहा जाता है कि माता पार्वती के श्राप की वजह से ही समुद्र का जल खारा हो गया।

राहु-केतु के बुरे प्रभावों को दूर करता है लाजवर्त रत्न

ज्योतिष शास्त्र में राहु-केतु को मयावी ग्रह माना जाता है। इन दोनों ग्रहों की खराब स्थिति आपके जीवन में परेशानियां पैदा कर सकती है। हालांकि, एक ऐसा रत्न है जो के साथ ही शनि के बुरे प्रभावों को भी दूर कर सकता है। इस रत्न का नाम है लाजवर्त और इसे पहनने से आपको जीवन में बेहतरीन बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कौन पहन सकता है लाजवर्त रत्न?

लाजवर्त रत्न पहनने से पहले आपको यह मालूम होना चाहिए कि ये आपके लिए शुभ है या नहीं। अगर आपकी राशि मकर और कुंभ है तो आप इसे धारण करके शुभ परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। वहीं तुला राशि के जातकों के लिए भी यह रत्न शुभ साबित होता है। अगर आपकी कुंडली में शनि, राहु-केतु की स्थिति शुभ है तो आप यह रत्न धारण करके लाभ प्राप्त कर सकते हैं। राहु-केतु की महादशा में भी ये रत्न पहनना शुभ होता है। हालांकि इसे धारण करने से पहले आपको किसी योग्य ज्योतिषाचार्य से सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

लाजवर्त पहनने से मिलते हैं ये फायदे

लाजवर्त रत्न को पहनने से आपको मानसिक शांति की प्राप्ति होती है साथ ही आपकी सेहत में भी अच्छे बदलाव देखने को मिलते है। लाजवर्त पहनने से गले, हड्डियों और पेट से जुड़ी परेशानियों से आपको मुक्ति मिलती है। इस रत्न के प्रभाव से राहु-केतु के साथ ही शनि के बुरे प्रभाव भी दूर होने लगते हैं। आपको जीवन में सकारात्मकता आती है और करियर के क्षेत्र में आप उन्नति प्राप्त करते हैं। साथ ही आपका आर्थिक पक्ष भी सुधरता है। इसके साथ ही रचनात्मक कार्यों में आपको सफलता मिलती है। यह रत्न राहु-केतु के बुरे प्रभाव को दूर करता है इसलिए आपके जीवन में आने वाली अड़चनें भी दूर होती हैं।

लाजवर्त पहनने के नियम

लाजवर्त रत्न शनिवार को सूर्यास्त के बाद धारण करना शुभ माना जाता है। आप लोहे, स्टील या पंचधातु की अंगूठी में लाजवर्त को गढ़ाकर धारण कर सकते हैं। इस रत्न को धारण करते समय शनि और राहु-केतु के मंत्रों का जप करना शुभ माना जाता है। इस रत्न को मध्यमा उंगली पर धारण आपको करना चाहिए। इसके साथ ही आप गले में भी लाजवर्त रत्न को धारण कर सकते हैं।

भगवान जी को रोज लगाते हैं भोग, क्या आप जानते हैं नैवेद्य लगाने का कारण और महत्व?

आपने बचपन से देखा होगा हमारे घर में खाना बनने के बाद सबसे पहले उसका भोग घर के मंदिर में विराजे देवी-देवताओं को लगाया जाता है। सदियों से यह परंपरा चली आ रही कि रोजाना हिंदू परिवारों में सबके भोजन ग्रहण करने से पहले भगवान जी को भोग अर्पित किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा क्यों किया जाता है? भोग लगाने से कैसे मिलती है अन्न दोष से मुक्ति?

सनातन धर्म हर क्रिया के पीछे एक गहरा संदेश छिपा होता है। देवी-देवताओं को भोग अर्पित करना भी इन्हीं में से एक है, जो एक गहरा आध्यात्मिक अर्थ रखता है। यह केवल रिवाज या परंपरा नहीं, बल्कि यह भक्त के कृतज्ञ भाव, अहंकार त्याग और आंतरिक शांति का प्रतीक है। भगवान को भोग देने का वास्तविक उद्देश्य भोजन को साधारण से प्रसाद में बदलना और अन्न दोष से मुक्ति पाना है।

भोग का अर्थः समर्पण और कृतज्ञता

भगवान को भोग लगाना केवल भोजन अर्पित करने की क्रिया या धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करने का माध्यम है। यह मन, आत्मा और भोजन को शुद्ध करने का उपाय भी है। भगवान भोजन के भौतिक अंश को नहीं, बल्कि भक्त के 'भाव' को ग्रहण करते हैं। यह प्रक्रिया मन में सेवा भाव और अहंकार का अंत करती है।

भोजन से 'प्रसाद' बनने की प्रक्रिया

जब भोजन भगवान को अर्पित किया जाता है, तो वह साधारण भोजन नहीं रह जाता। मंत्रों और भगवान की दृष्टि से वह 'महाप्रसाद' बन जाता है। भगवद्गीता में भी उल्लेख है कि भक्त का प्रेम और भक्ति भाव भगवान को प्रिय होता है, चाहे वह पत्र, पुष्प, जल या भोजन ही क्यों न हो। इस तरह से ईश्वर को भोग लगाने से भक्त की सात्विकता बढ़ती है और अन्न दोष से मुक्ति मिलती है, जिससे ग्रहण किया गया अन्न व्यक्ति और उसके पूरे परिवार के लिए लाभकारी और पवित्र बन जाता है।

अन्न दोष क्या होता है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं है, बल्कि उसका सीधा असर मन और जीवन पर भी पड़ता है। जब भोजन किसी प्रकार की अशुद्धता या नकारात्मकता से जुड़ा होता है, तो उसे अन्न दोष कहा जाता है।

अन्न दोष के कारण कैसे बनते हैं?

अगर भोजन ऐसे धन से तैयार किया गया हो, जो अनुचित तरीकों से अर्जित किया गया हो, तो उसमें नकारात्मक ऊर्जा मानी जाती है।

इसके अलावा, यदि भोजन अस्वच्छ वातावरण में या बिना शुद्धता के बनाया जाए, तो भी दोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, भोजन बनाने वाले व्यक्ति के मन में क्रोध, तनाव या ईर्ष्या जैसे भाव हों, तो उसका असर भोजन पर पड़ता है।

भोग लगाने से कैसे मिलती है अन्न दोष से मुक्ति?

जब भोजन को श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान को अर्पित किया जाता है, तो माना जाता है कि उसकी नेगेटिविटी खतम हो जाती है। भोग के बाद वही भोजन प्रसाद बन जाता है, जो शरीर और मन दोनों को शुद्ध करता है।

माघ मेले में जा रहे हैं तो करें पांच तरह का दान, सभी संकट हो जाएंगे दूर

प्रयागराज में 3 जनवरी 2026 से 15 फरवरी तक माघ मेले का आयोजन होगा। इस मेले का महत्व भी कुंभ मेले की तरह ही होता है। यदि आप मेले में जा रहे हैं तो यहां पर दान जरूर करें। दान करने से जहां ग्रह और नक्षत्रों के दोष दूर होते हैं वहीं यह पुण्य का कार्य भी है। इसलिए आप दान जरूर करें।

1. तिल दानः माघ के महीने में जब सूर्य मकर राशि में होता है, तब करोड़ों श्रद्धालु तीर्थराज प्रयाग में तिल का दान करते हैं। प्रयाग में तिलदान की बड़ी महिमा कही गई है। तीर्थराज प्रयाग में तिल के साथ दक्षिणा दी जाती है। बहुत से श्रद्धालु तिल के लड्डुओं में सिक्के रखकर उसे तैयार करते हैं। ये लड्डू तीर्थ पुरोहितों को दान में दिए जाते हैं। यह एक तरह का गुप्त दान है।

2. गुप्त दानः प्रयाग में गुप्त दान की बड़ी महिमा है। प्रकट रूप से जो दान किया जाता है, उसकी तुलना में गुप्त दान से दस गुना ज्यादा फल मिलता है। यथाशक्ति आप जो भी दान देना चाहे वह किसी ब्राह्मण के माध्यम से दान कर दें किसी मंदिर, मठ या आश्रम में।

3. वस्त्र दानः वस्त्र में आप किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद को धोती, कुर्ता, टोपी, अंगोछा, बनियान, ओढ़नी, पगड़ी दान कर सकते हैं।

4. बिस्तर दानः बिस्तर दान में पलंग (चारपाई), दरी, मसनद, मसहरी, रजाई, गद्दा, तकिया, कम्बल दान कर सकते हैं।

5. आमान्न दानः इसमें अन्न (चावल, दाल), घी, गुड़, नमक, चीनी और कच्ची सब्जियां जैसी चीज़ें शामिल होती हैं, जो ब्राह्मणों के भोजन में इस्तेमाल होती हैं। इसको एक थाली में सजाकर उसका दान थाली सहित करें।

पांडवों से बड़ी थी कौरवों की सेना फिर भी क्यों थर्रा उठा था दुर्योधन?

द्वापर युग के अंत में महाभारत का युद्ध हुआ था। ये युद्ध पांडवों और कौरवों के बीच लड़ा गया था। महाभारत का युद्ध आज 5000 साल बाद भी सबसे बड़ा और भयानक युद्ध माना जाता है। महाभारत का युद्ध धर्म और अधर्म के बीच का युद्ध था, जिसमें अंत में विजय धर्म यानी पांडवों की हुई थी। महाभारत का युद्ध दुर्योधन के अहंकार का परिणाम था। वो पांडवों को उनका हिस्सा नहीं देना चाहता था।

दुर्योधन हमेशा से पांडवों से युद्ध ही चाहता था। क्योंकि उसे भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य, अपने मित्र कर्ण, कृपाचार्य और अश्वत्थामा की ताकत का घमंड था। उसे लगता था कि संसार की कोई भी सेना इन महारथियों का सामना करने के लिए आगे नहीं आएगी। फिर कुरु क्षेत्र में पांडवों और कौरवों की सेना आमने-सामने आई। कौरवों की सेना पांडवों से बड़ी थी, लेकिन दुर्योधन फिर भी डर गया था।

कौरवों के पास 11 तो पांडवों के पास थी 7 अक्षौहिणी सेना

महाभारत युद्ध में कौरवों के पास 11 अक्षौहिणी सेना थी, जबकि पांडवों के पास 7 अक्षौहिणी सेना थी। जाहिर है कौरवों की सेना पांडवों से काफी बड़ी थी। ऊपर से भीष्म पितामह, गुरु द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे महारथी योद्धा कौरवों के पक्ष में युद्ध लड़ रहे थे। पांडवों की ओर भी महारथियों की कमी थी और सबसे बड़ी बात की भगवान श्रीकृष्ण स्वयं इस युद्ध में अर्जुन के सारथी थे। धर्म पांडवों की ओर था।

दुर्योधन के डर के बहुत से थे कारण

पांडवों से बड़ी सेना होने के बावजूद दुर्योधन इसलिए डर गया था, क्योंकि उसको अर्जुन के पराक्रम के भय था।

साथ ही वो ये भी जानता था कि भीष्म पितामह और गुरु द्रोणाचार्य जैसे महाराथी जो उसकी ओर से युद्ध लड़ रहे हैं, वो विजय के लिए नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए लड़ रहे हैं। दुर्योधन को ये भी ज्ञात था कि पांडवों के साथ श्रीकृष्ण हैं और उनकी व अर्जुन की जोड़ी के आगे कोई भी विशाल सेना टिक नहीं सकती।

महाभारत के युद्ध में अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु की मृत्यु के बाद अर्जुन का क्रोध बहुत प्रचंड हो चुका था। अर्जुन के क्रोध को देखकर भी दुर्योधन डर गया था।

हमें जो कर्म याद ही नहीं हैं, उनका दंड क्यों मिलता है?

प्रेमानंद महाराज के प्रवचन के दौरान एक भक्त ने उनसे पूछ लिया कि भगवान के द्वारा दंड दिया जाता है, लेकिन भगवान हमें उन कर्मों का दंड क्यों देते हैं जो हमें याद ही नहीं हैं?

प्रेमानंद महाराज वृंदावन के प्रसिद्ध संत और अध्यात्मिक गुरु हैं। वो रोजाना अपने केली कुंज आश्रम में एकांतिक प्रवचन करते हैं, जिसमें आम से लेकर खास व्यक्ति भी पहुंचता है। प्रेमानंद महाराज भक्तों को ईश्वर और भक्ति के मार्ग पर चलने की सीख और सलाह देते हैं। भक्त उनके पास अपने जीवन से जुड़ी किसी दुविधा को प्रश्न के रूप में लेकर आते हैं। फिर प्रेमानंद महाराज उसका उत्तर देकर उनकी दुविधा दूर करते हैं।

ऐसे ही प्रेमानंद महाराज के प्रवचन के दौरान एक भक्त ने उनसे पूछ लिया कि भगवान के द्वारा दंड दिया जाता है, लेकिन भगवान हमें उन कर्मों का दंड क्यों देते हैं जो हमें याद ही नहीं हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रेमानंद महाराज ने कहा कि याद नहीं रहे तो क्या आपको कर्मों का दंड नहीं मिलेगा। आपकी याद तो बहुत कमजोर है। नौ महीने मां के गर्भ में रहे क्या आपको याद है?

मनुष्य की याद बहुत कमजोर होती है- प्रेमानंद महाराज

उन्होंने आगे कहा कि आप इसी जन्म में तो माह के गर्भ में रहे। नौ माह तो छोड़िए क्या आपको नौ सेकेंड भी याद है? मनुष्य की याद बहुत कमजोर होती है। जैसे आप पूर्व जन्म थे, वैसे ही इस जन्म में भी आप ही हो। सिर्फ शरीर बदल गया है, लेकिन आपने पूर्व जन्म में जो भी कर्म किए हैं, उनका दंड तो आपको भोगना ही पड़ेगा। प्रेमानंद महाराज ने एक उदाहरण देते हुए इस बात को समझाया।

प्रेमानंद महाराज ने कहा कि किसी कत्ल का 10 साल मुकदमा चलता है, भले गुनाह करने वाला भूल जाता है कि उसने गुनाह किया है, लेकिन सजा तो उसे अदालत से मिलती ही है। इसी तरह आत्मा तो पुरातन है भले ही वो शरीर बदल ले, लेकिन उसे उसके पूर्व जन्मों के कर्मों का दंड तो भोगना ही पड़ता है। भगवतिक कानून दंड देने के लिए अवस्था नहीं देखता।

इन कामों से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं

हमारी स्मृति बहुत छोटी है। हम अपनी स्मृति के अनुसार भगवान से न्याय की मांग कैसे कर सकते हैं? हमने जो जो किया जन्म जन्मांतर में हमें उसका शुभ-अशुभ फल भोगना ही पड़ता है। हालांकि, भगवान का भजन, तीर्थ यात्रा, तपस्या, दान और भगवान का नाम जपने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं, लेकिन प्रारब्ध भोगना पड़ता है।

वार्षिक राशिफल 2026

ज्योतिषी पं महेशचंद्र शर्मा

मकर राशिफल 2026” का यह विशेष लेख मकर राशि वालों के लिए लेकर आया है जो पूर्ण रूप से वैदिक ज्योतिष पर आधारित है। इस राशिफल के माध्यम से मकर राशि वाले नए साल यानी कि वर्ष 2026 में अपने करियर, व्यापार, प्रेम, विवाह सहित स्वास्थ्य आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जान सकेंगे। साथ ही, इस साल में होने वाले ग्रहों के गोचर के आधार पर आपको कुछ सरल एवं अचूक उपाय भी प्रदान करेंगे। तो चलिए आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि मकर राशि 2026 के लिए पं महेशचन्द्र शर्मा भविष्यवाणी कर रहा है।

परिवार

मकर राशिफल 2026 के अनुसार, मकर राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। बता दें कि दूसरे भाव में राहु ग्रह की स्थिति की वजह से परिजनों के बीच आपसी सामंजस्य में कमी रह सकती है क्योंकि सदस्य एक-दूसरे पर संदेह कर सकते हैं या किसी बात का बतंगड़ बन सकता हैं। बेहतर होगा कि एक-दूसरे के प्रति वफादार रहें और एक दूसरे के बारे में सकारात्मक सोचें। साथ ही, बातों को सुलझाने की कोशिश करें क्योंकि ऐसा करने के बाद ही आपका पारिवारिक जीवन संतुलित रहेगा, अन्यथा यह वर्ष पारिवारिक मामलों में सकारात्मक परिणाम देने में पीछे रह सकता है। बात करें गृहस्थ जीवन की, तो वर्ष 2026 में किसी नकारात्मक ग्रह का प्रभाव चतुर्थ भाव पर लंबे समय तक नहीं होगा। मकर राशिफल 2026 कहता है कि चतुर्थ भाव का स्वामी मंगल आपको औसत परिणाम प्रदान करेगा, लेकिन किसी बड़े ग्रह का नकारात्मक प्रभाव चौथे भाव पर न होने के कारण आप गृहस्थ जीवन का आनंद ले सकेंगे। साथ ही, प्रयास करके आप इच्छित वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकेंगे। जमीन-जायदाद से संबंधित समस्याएं शांत होने से घर-परिवार का माहौल अच्छा बना रहेगा और आप आनंदित रह सकेंगे।

स्वास्थ्य

मकर राशिफल 2026 कहता है कि मकर राशि के जातकों का स्वास्थ्य वर्ष 2026 में अनुकूल रहेगा। इस वर्ष आपके लग्न या राशि के स्वामी शनि देव पूरे वर्ष तीसरे भाव में रहने वाले हैं। बता दें कि तीसरे भाव में शनि की मौजूदगी को शुभमाना जाता है और ऐसे में, यह स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छी कही जाएगी। बता दें कि बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक आपके छठे भाव में रहेंगे जो कि एक कमज़ोर बिंदु है। ऐसे में, अगर आपको पेट या कमर से जुड़ी समस्या पहले से रही है, तो आपको सतर्क रहना होगा। हालांकि, 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुर देव आपके सप्तम भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इसके फलस्वरूप, यह स्वास्थ्य संबंधी मामलों में आपकी सहायता करेंगे और कोई बड़ी समस्या आएगी भी तो वह धीरे-धीरे दूर हो जाएगी। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह की स्थिति पुनः कमज़ोर हो जाएगी। दूसरी तरफ, 05 दिसंबर के बाद राहु देव आपके पहले भाव में प्रवेश कर जाएंगे, इसलिए इस दौरान आपको स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना होगा। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 के अधिकांश महीने स्वास्थ्य के लिए नकारात्मक नहीं कहे जाएंगे, बल्कि जून से अक्टूबर तक की अवधि आपके लिए शानदार रहेगी। इससे पहले का समय औसत रहेगा और दो महीने थोड़े कमज़ोर रह सकती हैं। ऐसे में, मुख, पेट, कमर या जननांगों से जुड़े रोगों की शिकायत रह सकती है, इसलिए आपको सेहत को लेकर सावधान रहना होगा।

प्रेम

मकर राशिफल 2026 के अनुसार, मकर राशि के जातकों के प्रेम जीवन के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा। लेकिन, प्रेम सच्चा होना चाहिए क्योंकि प्रेम में दिखावा होने पर शनि देव की तीसरी दृष्टि रिश्ते को कमज़ोर कर सकती है या फिर रिश्ता टूट भी सकता है। बता दें कि शनि देव सच्ची और अच्छी चीजों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, इसलिए प्रेम सच्चा होने पर आपको चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

हालांकि, जो लोग टाइम पास कर रहे हैं, शनि देव उनकी चिंताएं बढ़ा सकते हैं। पंचम भाव के स्वामी शुक्र देव साल के अधिकांश समय आपको अनुकूल परिणाम देंगे जो कि प्रेम के कारक ग्रह हैं। ऐसे में, आपको दोनों तरफ से प्रेम जीवन में शुभ फल प्राप्त होंगे। वहीं, बृहस्पति देव भले ही इस पूरे वर्ष ज्यादा मज़बूत स्थिति में नहीं होंगे। लेकिन, 02 जून से 31 अक्टूबर के बीच यह प्रेम संबंधों को मधुर बनाए रखेंगे। ऐसे में, अधिकांश ग्रह प्रेम के समर्थन में होंगे या फिर औसत परिणाम प्रदान करेंगे, लेकिन कोई ग्रह विरोध नहीं करेगा। शनि देव के आशीर्वाद से आपका प्रेम जीवन मधुर बना रहेगा। इसके परिणामस्वरूप, आप अपने जीवन का आनंद ले सकेंगे। जिनका प्रेम में सच्चाई का अभाव होगा, उनके बीच बहस या मतभेद हो सकते हैं या फिर एक-दूसरे के प्रति समर्पण न होने की स्थिति में रिश्ता कमज़ोर हो सकता है। मकर राशिफल 2026 कहता है कि सच्चे प्रेम करने वाले इस वर्ष प्रेम संबंधों का आनंद उठा सकेंगे।

कार्यक्षेत्र

मकर राशिफल 2026 के अनुसार, नौकरी की दृष्टि से मकर राशि वालों के लिए वर्ष 2026 काफ़ी हद तक अनुकूल रह सकता है। तीसरे भाव में स्थित शनि मेहनती लोगों को शुभ फल प्रदान करेंगे और कर्मफल दाता शनि पूरे वर्ष ही इस स्थिति में रहने वाले हैं। ऐसे में, धैर्य और मेहनत के साथ काम करने वालों और अनुभवी लोगों की बात मानने वालों को नौकरी में सकारात्मक परिणामों की प्राप्ति होगी। हालांकि, बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक आपके छठे भाव में रहेंगे और इसे ज्यादा अच्छा तो नहीं कहा जाएगा। लेकिन फिर भी मैनेजमेंट सेक्टर, शिक्षा और फाइनेंस से जुड़े हुए लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

वहीं, कोर्ट-कचहरी और वकालत से संबंधित जातकों के लिए अवधि शुभ रहेगी। इसके बाद, 02 जून से 31 अक्टूबर तक का समय काफ़ी अच्छा रहेगा और इस दौरान आपके पदोन्नति के भी योग बनेंगे। अगर आपका प्रमोशन नहीं हो पाता है, तो इस समय किए गए कार्यों से आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। मकर राशिफल 2026 के अनुसार, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव कमज़ोर स्थिति में होंगे और उस समय शनि देव आपका सहयोग करेंगे। ऐसे में, आपके लिए नौकरी में किसी भी तरह का जोख़िम लेना ठीक नहीं रहेगा। बता दें कि बुध ग्रह आपको मिले-जुले परिणाम दे सकते हैं जबकि शुक्र देव आपके पक्ष में नतीजे देंगे। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए हम कह सकते हैं कि वर्ष 2026 आपकी नौकरी के लिए औसत से बेहतर या काफ़ी हद तक अनुकूल रहेगा और आप मेहनत करके उन्नति प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

धन

मकर राशिफल 2026 के अनुसार, मकर राशि के जातकों के आर्थिक जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा।

हालांकि, आपके लिए समय कभी-कभी कमज़ोर भी रह सकता है। आय की दृष्टि से इस साल को अच्छा कहा जाएगा। वहीं आपके लाभ भाव के स्वामी मिलेजुले फल प्रदान कर सकते हैं, परंतु गुरु ग्रह की स्थिति आपके लिए काफ़ी हद तक शुभ रहेगी जो कि एक अनुकूल बिंदु है। लेकिन, संभव है कि इस साल आप ज्यादा बचत न कर पाएं। विशेषकर साल की शुरुआत से लेकर 05 दिसंबर तक राहु आपके दूसरे भाव में रहेंगे और इसे बचत की दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है।

इसके फलस्वरूप, आपके सामने बेकार के खर्चे आ सकते हैं और ऐसे में, आपको किसी भी तरह का जोखिम उठाने से बचने की सलाह दी जाती है। अगर आपको किसी नए विषय की जानकारी नहीं है, तो ऐसे क्षेत्र में निवेश करने से आपको बचना होगा, अन्यथा आपकी जमा पूंजी भी खर्च हो सकती है। मकर राशिफल 2026 कहता है कि आय के लिए वर्ष 2026 ठीक-ठाक रहेगा, लेकिन बचत के लिए कमज़ोर कहा जाएगा।

उपाय

माता या माता तुल्य स्त्री की सेवा करें और उनके साथ संबंध मज़बूत बनाए रखें। प्रत्येक गुरुवार मंदिर में चने की दाल चढ़ाएं। नियमित रूप से गणेश जी की पूजा करें।

वर्ष 2026 में अपने जीवन के महत्वपूर्ण आयामों जैसे करियर, व्यापार, प्रेम जीवन, स्वास्थ्य सहित वैवाहिक जीवन आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही, इस वर्ष होने वाले ग्रहों के गोचर के आधार पर आपको कुछ सरल उपाय भी प्रदान किए जाएंगे। तो चलिए अब हम आगे बढ़ते हैं और जानते हैं कि कुंभ राशि के जातकों के लिए 2026 मे पं महेशचन्द्र शर्मा क्या भविष्यवाणी कर रहा है।

परिवार

कुंभ राशिफल 2026 भविष्यवाणी करता है कि कुंभ राशि वालों का पारिवारिक जीवन वर्ष 2026 में कुछ कमज़ोर रह सकता है, क्योंकि इस पूरे वर्ष आपके दूसरे भाव में शनि देव उपस्थित रहेंगे। ऐसे में, यह आपके परिवार में रिश्तों को बिगाड़ने का काम कर सकते हैं। बेहतर होगा कि परिवारजन जिद से बचें और एक-दूसरे का ख्याल रखें। आपके दूसरे भाव में शनि देव की मौजूदगी इस बात की तरफ संकेत करती है कि अगर आप पूरे मन से एक-दूसरे का ख्याल रखेंगे, तो पारिवारिक जीवन में कोई समस्या नहीं आएगी। इसके विपरीत, दिखावा करने या बात का बतंगड़ बनाने की स्थिति में पारिवारिक जीवन समस्याओं से भर सकता है। गृहस्थ जीवन की बात करें, तो कुंभ राशिफल 2026 कहता है कि वर्ष 2026 में आपका गृहस्थ जीवन काफ़ी हद तक बेहतर रहेगा। सामान्य शब्दों में, यह वर्ष गृहस्थ जीवन के लिए पारिवारिक जीवन की अपेक्षा ज्यादा अनुकूल रहेगा। लेकिन, यहां पर भी आपको एक-दूसरे का ख्याल रखना होगा क्योंकि शनि देव की तीसरी दृष्टि चौथे भाव पर होगी, जो पूरे वर्ष रहेगी। ऐसे में, आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी क्योंकि यह अवधि आपके लिए थोड़ी नाजुक रह सकती है। वहीं, चतुर्थ भाव के स्वामी शुक्र की स्थिति वर्ष 2026 में ज्यादातर समय आपके लिए अच्छी रहेगी। ऐसे में, यह गृहस्थ जीवन में कोई समस्या नहीं आने देंगे, लेकिन छोटी-मोटी समस्याएं बनी रह सकती हैं। संभव है कि बृहस्पति देव का सहयोग मिलने से आपकी बौद्धिक क्षमता मजबूत होगी। साथ ही, आप गृहस्थ जीवन की समस्याओं को भी सुलझाने में सक्षम होंगे।कुल मिलाकर, आपके पारिवारिक जीवन और गृहस्थ जीवन दोनों में समस्याएं रह सकती हैं, लेकिन गृहस्थ जीवन की समस्याओं को आप आसानी से सुलझाने में सक्षम होंगे।

स्वास्थ्य

कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, कुंभ राशि वालों का स्वास्थ्य वर्ष 2026 में थोड़ा कमज़ोर रह सकता है। आपके लग्न या राशि के स्वामी ग्रह शनि देव दूसरे भाव में विराजमान होंगे। आपके राशि स्वामी होने के बावजूद चंद्र कुंडली के अनुसार, शनि ग्रह की यह साढ़ेसाती की स्थिति मानी जाती है। ऐसे में, यह जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ स्वास्थ्य को भी कमज़ोर कर सकते हैं। बता दें कि दूसरे भाव में शनि महाराज की उपस्थिति आपके खानपान को अनियंत्रित कर सकती है। सरल शब्दों में कहें तो, आप तला-भुना या सूखी वस्तुओं का सेवन कर सकते हैं। इसके फलस्वरूप, आपका स्वास्थ्य कभी-कभी नाजुक रह सकता है। वहीं, राहु देव इस वर्ष 05 दिसंबर तक आपके लग्न भाव में ही रहने वाले हैं और इसे भी आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी स्थिति नहीं कहा जाएगा। ऐसे में, राहु देव भी आपके खानपान की आदतों को ख़राब कर सकते हैं। बात करें बृहस्पति देव की, तो गुरु ग्रह साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आपके पंचम भाव में उपस्थित होंगे और इस भाव में बैठकर अपनी नवम दृष्टि से आपके पहले भाव को देखेंगे। यह आपके जीवन में उत्पन्न इन नकारात्मकताओं को शांत करने की कोशिश करेंगे। बता दें कि 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर 2026 तक की अवधि में गुरु ग्रह दुर्बल अवस्था में होने के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में आपकी सहायता नहीं कर पाएंगे। इसके बाद, 31 अक्टूबर के बाद गुरु देव आपको बेहतर परिणाम देना चाहेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में शनि, राहु और केतु की स्थिति आपके कमज़ोर स्वास्थ्य की तरफ संकेत कर रही है। दूसरी तरफ, कुंभ राशिफल 2026 कहता है कि गुरु महाराज की स्थिति इस साल या तो आपके पक्ष में रहेगी या फिर आपके लिए तटस्थ रहेगी। वहीं, वर्ष 2026 में आपके स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले अशुभ ग्रहों की संख्या शुभ ग्रहों की तुलना में ज्यादा रहेगी इसलिए इस साल आपको स्वास्थ्य को लेकर बेहद जागरूक रहना होगा। साथ ही, आपको अपना खानपान और दिनचर्या भी उत्तम रखनी होगी, तब ही आप स्वस्थ जीवन का

आनंद ले सकेंगे क्योंकि लापरवाही बरतना आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है।

प्रेम

कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, कुंभ राशि के जातकों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में अनुकूल रहेगा। आपके पंचम भाव के स्वामी बुध का गोचर पूरे वर्ष आपको औसत या औसत से बेहतर परिणाम देगा। वहीं, शुक्र की स्थिति आपको शुभफल प्रदान करेगा जबकि राहु की स्थिति आपके और साथी के बीच संदेह पैदा कर सकती है। ऐसे में, आपका रिश्ता कमज़ोर पड़ सकता है। बता दें कि प्रेम जीवन में बृहस्पति देव आपका सहयोग करेंगे क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में रहेंगे।

इसके परिणामस्वरूप, यह आपके प्रेम जीवन को प्रेमपूर्ण बनाना चाहेंगे। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव का सहयोग आपको नहीं मिल पाएगा। ऐसे में, आपको रिश्ते को लेकर सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी। इसके बाद, 31 अक्टूबर से बृहस्पति देव आपके सप्तम भाव में प्रवेश कर जाएंगे जो विवाह की इच्छा रखने वाले जातकों की सहायता करेंगे। कुल मिलाकर, इस वर्ष प्रेम जीवन आपका सामान्य रहेगा, परंतु थोड़ी बहुत सावधानी बरतनी होगी। कुंभराशिफल 2026 के अनुसार, इन जातकों को रिश्ते में आपसी संदेह से बचना होगा और एक-दूसरे के प्रति पूरी तरह से वफादार रहना होगा। अगर आप ऐसा करेंगे, तो आपको प्रेम जीवन में कोई परेशानी नहीं आएगी।

कार्यक्षेत्र

कुंभ राशिफल 2026 कहता है कि कुंभ राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रहेगा। हालांकि, आपकी नौकरी सुरक्षित रहेगी, इसलिए मेहनत और समर्पण से काम करने वाले जातकों को अच्छे परिणाम भी मिल सकते हैं। लेकिन, आपके प्रथम भाव पर राहु-केतु का प्रभाव रहेगा और ऐसे में, आपको ऑफिस पॉलिटिक्स में पड़ने से बचना होगा, अन्यथा आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए कार्यक्षेत्र के मामलों में पड़ने से बचना होगा।

साथ ही, आपको अन्य लाभ भी मिल सकेंगे। बता दें कि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में रहेंगे जो नौकरी में आपको अपने लक्ष्य पूरे करने में सहायता करेंगे जिसके चलते आप अच्छी उपलब्धियां हासिल कर सकेंगे। मन लगाकर काम करने की स्थिति में शुभफल प्राप्त होंगे। हालांकि, आपके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि राहु-केतु का प्रभाव आपका ध्यान भटका सकते हैं।

कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, 02 जून 2026 से 31 अक्टूबर 2026 की अवधि में गुरु ग्रह आपके छठे भाव में उच्च अवस्था में विराजमान होंगे। ऐसे में, यह आपकी नौकरी को सुरक्षित रखने के साथ-साथ आपके नए संपर्क भी बनवाएंगे जो भविष्य में आपके लिए फलदायी साबित होंगे। गुरु देव आपको 31 अक्टूबर से लेकर साल के अंत तक अच्छे परिणाम देने का काम करेंगे। कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, राहु-केतु का प्रभाव आप पर 05 दिसंबर 2026 तक रहेगा। लेकिन सप्तम भाव में बैठे बृहस्पति देव आपको पदोन्नति दिलाने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। कुल मिलाकर,आपकी नौकरी सुरक्षित रहेंगे, परंतु राहु-केतु और दूसरे भाव पर शनि के प्रभाव को देखते हुए नौकरी में किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। आप अपने कार्य पूरी गंभीरता से करें क्योंकि तब ही आप औसत से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

धन

कुंभ राशिफल 2026 के अनुसार, कुंभ राशि के जातकों का आर्थिक जीवन वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। बता दें कि आपके लाभ भाव के स्वामी गुरु ग्रह साल के ज्यादातर समय आपके पक्ष में रहेंगे क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह आपके पंचम भाव में बैठकर लाभ भाव को देखेंगे। ऐसे में, यह आपको अच्छा लाभ करवाना चाहेंगे। सरल शब्दों में, अगर आपका व्यापार और नौकरी सही तरह से आगे बढ़ेगा, तो आपको अच्छा लाभ मिलता रहेगा और कोई बड़ी समस्या भी नहीं आएगी। लेकिन, दूसरे भाव में उपस्थित शनि देव आपको धन की बचत करने में समस्याएं दे सकते हैं या फिर जमा किए हुए धन को खर्च करवा सकते हैं। बता दें कि बृहस्पति देव 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में आपका सहयोग करेंगे। हालांकि, छठे भाव में गुरु देव के गोचर को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, इनकी नवम दृष्टि आपके धन भाव पर होगी जो बेकार के खर्चों को रोकने का काम करेगी। हालांकि, फिर भी आपको आय में वृद्धि के प्रयास करते रहना होगा। इसके पश्चात, 31 अक्टूबर 2026 के बाद गुरु देव आपके लाभ भाव को दोबारा देखेंगे और इसके फलस्वरूप, आपको पर्याप्त मात्रा में लाभ दिलाना चाहेंगे।

कुल मिलाकर, लाभ की दृष्टि से साल 2026 अनुकूल और बचत के नज़रिये से कमज़ोर रह सकता है। ऐसे में, यह वर्ष आर्थिक जीवन के लिए मिलाजुला कहा जाएगा। कुंभराशिफल 2026 कहता है कि यदि आप बचत करना पसंद करते हैं और बेकार के खर्चों से बचते हैं, तो आपको कोई परेशानी नहीं आएगी। इन जातकों को बचत किए हुए पैसों को बर्बाद करने से बचने की सलाह दी जाती है। साथ ही, इस साल कोई नया निवेश भी न करें।

उपाय

गले में चांदी धारण करें।

माथे पर नियमित रूप से दूध का तिलक लगाएं।

साधु संत और गुरुजनों की सेवा करें।

मीन राशिफल 2026” का यह लेख मीन राशि के जातकों के लिए विशेष मायने रखता है क्योंकि इस राशिफल के माध्यम से आप वर्ष 2026 में जीवन के भिन्न-भिन्न आयामों जैसे करियर, व्यापार, प्रेम जीवन, वैवाहिक जीवन, वित्त आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। बता दें कि मीन राशिफल 2026 पूर्ण रूप से वैदिक ज्योतिष पर आधारित है और यहां हम आपको ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण करके कुछ सरल एवं अचूक उपाय भी प्रदान करेंगे।

परिवार

मीन राशिफल 2026 के अनुसार, मीन राशि वालों के पारिवारिक जीवन के लिए वर्ष 2026 सामान्य तौर पर अनुकूल रहेगा। बता दें कि इस साल आपके घर-परिवार का माहौल जैसा रहता है, वैसा ही रहेगा। आपके सामने कठिन परिस्थितियां आती-जाती रहेंगी, लेकिन इसके बावजूद भी परिवार का माहौल वैसा ही रहेगा, जैसा रहता होगा। आपके दूसरे भाव के स्वामी मंगल देव आपको औसत परिणाम दे सकते हैं इसलिए किसी समस्या के संकेत नहीं है, परंतु पारिवारिक जीवन में आपकी कोई ख़ास सहायता भी नहीं करेंगे। वहीं, 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह की शुभ स्थिति की वजह से आप घर-परिवार में संतुलन बनाकर चल सकेंगे। ऐसे में, पारिवारिक माहौल बेहतर होगा। 31 अक्टूबर के बाद बृहस्पति देव की नवम दृष्टि दूसरे भाव पर पड़ने के कारण घर-परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे जो रिश्तों को मज़बूत बनाने का काम करेगा। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में जनवरी से लेकर 02 जून तक परिवार का माहौल औसत रहेगा और उसके बाद माहौल में सुधार नज़र आ सकता है। मीन राशिफल 2026 के अनुसार, गृहस्थ जीवन के लिए वर्ष 2026 मिलाजुला रह सकता है। हालांकि, साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक बृहस्पति देव की चतुर्थ भाव में उपस्थिति आपको छोटी-मोटी परेशानियां दे सकती हैं, लेकिन इन्हें

गुरु ग्रह दूर भी करवा देंगे। इस प्रकार, साल के शुरुआती महीने औसत और इसके बाद आपको सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

स्वास्थ्य

मीन राशिफल 2026 के अनुसार, मीन राशि वालों का स्वास्थ्य वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। लेकिन, कभी-कभी आपको मिलने वाले परिणाम थोड़े कमज़ोर रह सकते हैं। बता दें कि शनि देव आपके प्रथम भाव में विराजमान होंगे और चंद्र कुंडली के अनुसार, शनि ग्रह की यह स्थिति साढ़ेसाती मानी जाती है। हालांकि, लग्न भाव को प्राथमिकता देने वालों की दृष्टि से भी शनि ग्रह की यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं मानी जाएगी। ऐसे में, शनि महाराज आपके भीतर वायु तत्व को असंतुलित कर सकते हैं। सरल शब्दों में कहें तो, त्रिदोषों में से ₹वात दोष आपको परेशान कर सकता है। इसके फलस्वरूप, आपको पेट से जुड़े रोग, कब्ज और गैस जैसे रोगों की शिकायत रह सकती है। साथ ही, आप पर सुस्ती और थकान भी हावी हो सकती हैं। इस वर्ष मीन राशि वालों को कभी-कभी सूर्य और मंगल जैसे ग्रहों के अशुभ प्रभाव की वजह से चोट इत्यादि का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, आपके राशि स्वामी बृहस्पति देव नकारात्मक स्थितियों से आपको बचाने का काम कर सकते हैं क्योंकि साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक गुरु ग्रह आपके चतुर्थ भाव में रहेंगे। ऐसे में, भले ही यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में आपकी सहायता न कर पाएं। हालांकि, इसके बाद यानी कि 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु देव की स्थिति स्वास्थ्य के लिए अच्छी कही जाएगी और ऐसे में, आप मज़बूत सेहत का आनंद ले सकेंगे। इस दौरान पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं दूर होंगी, लेकिन आपको अपने खानपान का ध्यान रखना होगा। हालांकि, 31 अक्टूबर के बाद गुरु देव की अशुभ स्थिति स्वास्थ्य के संबंध में आपकी सहायता नहीं कर पाएगी। इसके परिणामस्वरूप, आपको अपनी सेहत का विशेष रूप से ध्यान रखना होगा। मीन राशिफल 2026 कहता है कि वर्ष 2026 में पांच महीने आपकी सेहत के लिए अनुकूल और बाकी के 7 महीने मिले-जुले रह सकते हैं। ख़ासतौर पर वर्ष के अंतिम दो महीने सेहत के लिए नाजुक रहने की आशंका है। ऐसे में, जिन लोगों को पेट या सीने से संबंधित कोई परेशानी पहले से रही है या फिर अनिद्रा, बेचैनी,

कमर या पैरों के निचले हिस्से से जुड़ी कोई शिकायत है,उन लोगों को अपना विशेष रूप से ध्यान रखना होगा और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बरतने से बचना होगा।

प्रेम

मीन राशिफल 2026 के अनुसार, मीन राशि के जातकों का प्रेम जीवन वर्ष 2026 में अच्छा रहेगा। इस साल आपके पंचम भाव पर लंबे समय तक कोई नकारात्मक प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, 05 दिसंबर 2026 के बाद राहु-केतु का प्रभाव आपके प्रेम जीवन में कुछ समस्याएं पैदा कर सकता है, लेकिन इनका सामना आपको 26 दिनों तक करना पड़ेगा। बेता दें कि जनवरी से लेकर अधिकांश समय तक पंचम भाव पर किसी ग्रह का अशुभ प्रभाव न होने के कारण आप अपने प्रेम जीवन का आनंद ले सकेंगे। ऐसे में, आपको इस अवधि का लाभ मिलेगा। विशेष रूप से 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर तक आपका प्रेम जीवन प्रेम पूर्ण रहेगा। यदि आप सिंगल हैं, तो इस अवधि में आपकी मुलाकात किसी ख़ास से हो सकती है और यह इंसान आपसे सच्चा प्रेम करने वाला हो सकता है, क्योंकि इस दौरान आपके प्रथम भाव के स्वामी आपके पंचम भाव में विराजमान होंगे। ऐसे में, यह आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से करवा सकते हैं जो आपसे सच्चा प्रेम करता होगा। साथ ही, इस समय प्रेम को विवाह में बदलने के आपके प्रयास भी सफल हो सकते हैं। जिन जातकों की कुंडली में प्रेम विवाह के योग होंगे, तो यह अवधि उनकी अच्छी सहायता करेगी। बता दें कि 31 अक्टूबर के बाद की अवधि थोड़ी कमज़ोर रह सकती है और गुरु ग्रह की कृपा भी आप पर नहीं होगी इसलिए इस दौरान रिश्तों में उत्साह भी कम रह सकता है। हालांकि, इस अवधि में कोई बड़ी समस्या नहीं आएगी। मीन राशिफल 2026 बता रहा है। कि आपको वर्ष 2026 प्रेम जीवन के संबंध में काफ़ी हद तक अनुकूल परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है।

कार्यक्षेत्र

मीन राशिफल 2026 के अनुसार, मीन राशि के जातकों की नौकरी के लिए वर्ष 2026 औसत से बेहतर रहेगा क्योंकि इस साल ज्यादातर समय आपके छठे भाव में केतु देव विराजमान रहेंगे जो इस भाव में शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। ऐसे में, अगर आप कार्यों को मेहनत के साथ समय पर पूरा करेंगे और अपने नैतिक कर्तव्यों के साथ-साथ कार्यालय के नियमों का भी पालन करेंगे, तो आप वरिष्ठों की नज़रों में अपनी जगह बना सकेंगे।

हालांकि, आपके लिए यह सब कुछ आसान नहीं रहेगा और आपको कड़ी मेहनत भी करनी पड़ेगी। लेकिन, अगर आप मेहनत से घबराएंगे नहीं, तो आपको निश्चित रूप से सफलता की प्राप्ति होगी। वैसे तो इस वर्ष गुरु ग्रह नौकरी के संबंध में आपकी सहायता करेंगे, लेकिन साल की शुरुआत से लेकर 02 जून तक बृहस्पति, नौकरी से संबंधित मामममों में शायद बड़ी मदद न कर पाएं। मीन राशिफल 2026 कहता है कि 02 जून से 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु देव आपके पंचम भाव में बैठकर नौकरी में आपकी स्थिति को मज़बूत करेंगे। साथ ही, आपकी आय को भी बढ़ाने का काम करेंगे। वहीं, 31 अक्टूबर के बाद गुरु ग्रह आपके छठे भाव में प्रवेश कर जाएंगे और सही तरीके से काम करने पर आपको शुभफल प्रदान करेंगे। बता दें कि छठे भाव में बृहस्पति देव की उपस्थिति को अच्छा नहीं माना जाता है, परंतु केतु की संगति में होने की वजह से आप ईमानदारी से कार्य करके सफलता प्राप्त कर सकेंगे। कुल मिलाकर, यह वर्ष नौकरी के संबंध में कुछ नए रास्ते अपनाना आपके लिए फलदायी साबित होगा। वहीं, सूर्य का गोचर भी कभी-कभी आपकी सहायता कर सकता है।

धन

मीन राशिफल 2026 बता रहा है कि मीन राशि वालों का आर्थिक जीवन वर्ष 2026 में मिलाजुला रहेगा। इस साल आपके लाभ भाव के स्वामी शनि की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं कही जाएगी क्योंकि प्रथम भाव में शनि ग्रह की मौजूदगी को शुभ नहीं माना जाता है। लेकिन, लाभ भाव के स्वामी का प्रथम भाव में जाना बेहद शुभ होता है इसलिए इनकी स्थिति अनुकूल मानी जाएगी। वहीं बात करें धन भाव के स्वामी मंगल की, तो इस वर्ष यह आपको आर्थिक मामलों में औसत या औसत से थोड़े बेहतर परिणाम दे सकते हैं। दूसरी तरफ. धन के कारक ग्रह बृहस्पति देव साल की शुरुआत से लेकर 02 जून 2026 तक आर्थिक जीवन में आपकी कोई विशेष सहायता नहीं कर पाएंगे। हालांकि, 02 जून से लेकर 31 अक्टूबर की अवधि में गुरु ग्रह आपको अच्छी-ख़ासी आमदनी करवा सकते हैं। ऐसे में, आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार देखने को मिलेगा।

इसके पश्चात, 31 अक्टूबर 31 अक्टूबर 2026 के बाद बृहस्पति महाराज आपके छठे भाव में चले जाएंगे और वहां से आपके धन भाव को देखेंगे। वैसे गुरु ग्रह की उपस्थिति को छठे भाव में अच्छा नहीं माना जाता है, परंतु इनकी दृष्टि धन भाव पर होने से आप मेहनत के बल पर आय में वृद्धि कर सकेंगे। मीन राशिफल 2026 कहता है कि इस साल के अधिकांश समय गुरु देव आर्थिक जीवन में आपके पक्ष में रहेंगे। कुल मिलाकर, वर्ष 2026 में आपका आर्थिक जीवन औसत या औसत से बेहतर रहेगा।

उपाय

बरगद की जड़ों पर मीठा दूध चढ़ाएं। बड़े बुजुर्गों और गुरुजनों की सेवा करें। अनिद्रा की स्थिति में तकिये के नीचे सौंफ़ और खांड रखकर सोएं।

श्री पंचगुली ज्योतिष केंद्र
9247132654

अब तो नया साल भी आ गया, बढ़ी हुई सैलरी कब से आएगी?

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नया साल 2026 का आगाज हो चुका है।कैलेंडर बदलने के साथ ही देश के करीब 1।19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की उम्मीदें भी परवान चढ़ने लगी हैं।हर किसी की जुबान पर आज बस एक ही सवाल है- आखिर आठवां वेतन आयोग से बैंक खाते में बढ़ी हुई सैलरी का मैसेज कब आएगा? महंगाई के इस दौर में हर कर्मचारी और पेंशनर यही आस लगाए बैठा है कि फिटमेंट फैक्टर में बदलाव हो और उनकी आमदनी में सम्मानजनक बढ़ोतरी हो।हालांकि, नियमों और हकीकत के बीच जो अंतर है, उसे समझना हर कर्मचारी के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि सैलरी बढ़ने का गणित उतना सीधा नहीं है, जितना दिखाई देता है।

कागजी तारीख और हकीकत में अंतर

सैलरी बढ़ने की तारीख को लेकर चल रही कशमकश के बीच ऑल इंडिया एनपीएस इम्पलॉई फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मंजीत पटेल ने स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की है।उनके मुताबिक, अगर हम सिर्फ नियमों की बात करें, तो आठवां वेतन आयोग 1 जनवरी 2026 से ड्यू यानी देय माना जाता है।कायदे से नई सैलरी का लाभ इसी तारीख से मिलना चाहिए।लेकिन सरकारी कामकाज की प्रक्रिया और वेतन आयोग की रिपोर्ट तैयार करने में लगने वाला समय एक अलग ही कहानी बयां कर रहा है।डॉ।पटेल बताते हैं कि सरकार खुद यह स्वीकार कर चुकी है कि किसी भी वेतन आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने में कम से कम 18 महीने का वक्त लगता है। रिपोर्ट सौंपने के बाद भी काम खत्म नहीं होता; इसके बाद सिफारिशों पर मंथन होता है और कैबिनेट की मंजूरी मिलने में तकरीबन 6 महीने का समय और लग जाता है।अगर इस पूरे गणित को जोड़ें, तो लगभग दो साल का समय इस प्रक्रिया में निकल जाता है।इस हिसाब से देखें तो कर्मचारियों के हाथ में बढ़ा हुआ पैसा 1 जनवरी 2028 के आसपास आता दिखाई दे रहा है।

चुनावों का टाइमिंग बदल सकता है खेल

भले ही गणित 2028 की तरफ इशारा कर रहा हो, लेकिन राजनीति में टाइमिंग सब कुछ होती है।कर्मचारी संगठनों को उम्मीद है कि सरकार इतनी देरी नहीं करेगी।डॉ।पटेल का विश्लेषण कहता है कि सरकार 2027 के मध्य, यानी 1 जुलाई 2027 से बढ़ी हुई सैलरी देने का ऐलान कर सकती है।इसके पीछे सबसे बड़ा तर्क उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव है।माना जा रहा है कि 2027 के शुरुआती महीनों (संभावित मार्च) में यूपी में चुनाव होने हैं।ऐसे में सरकार कर्मचारियों की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहेगी।कर्मचारी संगठनों का मानना है कि यूपी चुनाव के समीकरणों को देखते हुए सरकार प्रक्रिया में तेजी ला सकती है और 2028 का इंतजार करने के बजाय 2027 में ही खुशखबरी दे सकती है।

रिपोर्ट आने में 18 महीने लगेंगे

अगर हम पिछले एक साल के घटनाक्रम पर नजर डालें, तो देरी की वजहें साफ दिखाई देती हैं।सरकार ने 15 जनवरी 2025 को वेतन आयोग के गठन की घोषणा तो कर दी थी, लेकिन उसके बाद फाइलें करीब 10 महीने तक ठंडे बस्ते में रहीं।28 अक्टूबर को जाकर आधिकारिक गजट नोटिफिकेशन जारी हुआ, जिसमें स्पष्ट लिखा था कि आयोग को रिपोर्ट देने के लिए 18 महीने मिलेंगे।जब हम अक्टूबर से 18 महीने जोड़ते हैं, तो सुई सीधे जुलाई 2027 पर जाकर रुकती है।यह टाइमलाइन एक दिलचस्प राजनीतिक संयोग की ओर भी इशारा करती है।

जानकारों का कहना है कि दिल्ली चुनाव के आसपास घोषणा होना, बिहार चुनाव (2025) के वक्त आयोग का औपचारिक गठन और यूपी चुनाव के समय इसे लागू करना ये सब एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं।फिलहाल की स्थिति यही है केंद्रीय कर्मचारियों को अपनी बढ़ी हुई सैलरी के लिए 2027 के मध्य या 2028 की शुरुआत तक का इंतजार करना पड़ सकता है।

तमिलनाडु में 'एश्योर्ड पेंशन स्कीम' का एलान

क्या खत्म होगा ओपीएस बनाम एनपीएस विवाद?

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में लंबे समय से लंबित 'पेंशन विवाद' पर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाया है। राज्य विधानसभा में 'तमिलनाडु एश्योर्ड पेंशन स्कीम' (टीएनएपीएस) की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने उन लाखों सरकारी कर्मचारियों की अनिश्चितता को समाप्त करने की कोशिश की है, जो 2003 के बाद से पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली के लिए संघर्ष कर रहे थे।

सुरक्षा की नई गारंटी: क्या है टीएनएपीएस?

इस योजना का सीधा लाभ उन कर्मचारियों को मिलेगा जो 1 अप्रैल 2003 के बाद सरकारी सेवा में शामिल हुए हैं। अब तक ये कर्मचारी 'अंशदायी पेंशन योजना' (सीपीएस) के दायरे में थे, जहां रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर था। नई योजना के तहत, 25 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारी को उनके अंतिम आहरित वेतन का 50% सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इतना ही नहीं, इस योजना में पारिवारिक पेंशन के प्रावधान और समय-समय पर महंगाई भत्ते (डीए) के

साथ 'महंगाई राहत' (डीआर) को भी जोड़ा गया है, जो इसे पुरानी पेंशन योजना के काफी करीब ले आता है। तमिलनाडु का यह मॉडल केंद्र सरकार की 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' (यूपीएस) की तर्ज पर तैयार किया गया लगता है, जहां राजस्थान और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने पूरी तरह से ओपीएस पर लौटने का जोखिम उठाया था, वहीं तमिलनाडु ने एक 'हाइब्रिड मॉडल' चुना है।

छह लाख कर्मचारियों पर सीधा प्रभाव

तमिलनाडु में वर्तमान में लगभग छह लाख सरकारी कर्मचारी और शिक्षक इस बदलाव के केंद्र में हैं। हालांकि, कर्मचारी यूनियनों के भीतर एक वर्ग अब भी 'बिना किसी अंशदान वाली ओपीएस' की मांग कर रहा है, जिससे आने वाले समय में कुछ दबाव बने रहने की संभावना है।

भारत से टक्कर लेने चला पाकिस्तान! अटारी-वाघा बॉर्डर पर फूंक दिए 96.50 करोड रुपये, क्या कर दिया ऐसा?

नई दिल्ली,3 जनवरी (एजेंसियां)। युद्ध के मैदान से इतर पाकिस्तान ने अटारी-वाघा बॉर्डर पर एक प्रोजेक्ट को अंजाम दिया है। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य भारत को टक्कर देना है। दरअसल, पाकिस्तान ने वाघा बॉर्डर पर बने नए एरिना का विस्तार किया है। पाकिस्तान और भारत की सीमा पर नए बने इस एरिना को 1 जनवरी को खोला गया था। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ ने इसका उद्घाटन किया था। अब इसमें 7,500 की जगह 25,000 दर्शक बैठ सकते हैं। पाकिस्तान ने सिर्फ एरिना का ही विस्तार नहीं किया है, बल्कि वाघा के जॉइंट चेक पोस्ट पर कई नई चीजें भी बनाई गई हैं। इन नई चीजों में एक थीम पार्क है। यह पार्क उपमहाद्वीप के बंटवारे को दिखाता है। इसमें रेलवे स्टेशन, फौजी सामान और शहीदों की याद में एक स्मारक के मॉडल भी हैं। एरिना के अंदर एक पाकिस्तान म्यूजियम भी बनाया गया है। इसमें देश के इतिहास और संस्कृति को दिखाया गया है, जो आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक का है। पाकिस्तान ने इस प्रोजेक्ट पर बड़ी रकम खर्च की है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर भारत को टक्कर देने के लिए पाकिस्तान ने बड़ी रकम खर्च की है। यह प्रोजेक्ट सितंबर

2024 में शुरू हुआ था। उस समय अनुमान लगाया गया था कि इस प्रोजेक्ट में 3 अरब पाकिस्तानी रुपये खर्च होंगे। भारतीय मुद्रा में यह रकम 96.50 करोड़ रुपये होती है। उस समय इस प्रोजेक्ट को पूरा होने की समयसीमा दिसंबर 2025 थी। पाकिस्तान ने उसी समय सीमा के अंदर इस प्रोजेक्ट को पूरा कर लिया है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था लोन पर जिंदा है। कभी उसे आईएमएफ से लोन मिल जाता है तो कभी वर्ल्ड बैंक से। वर्ल्ड बैंक ने कुछ दिनों पहले पाकिस्तान को 700 मिलियन डॉलर (करीब 6270 हजार करोड़ रुपये) की नई वित्तीय सहायता मंजूर की है। यह पैसा एक बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है जिसका मकसद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को स्थिर करना और सरकारी सेवाओं को बेहतर बनाना है।

विनिर्माण गतिविधि में सुस्ती : निर्यात ऑर्डर की रफ्तार सुस्त

देश का विनिर्माण पीएमआई 38 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए निर्यात ऑर्डर और बिक्री में वृद्धि की रफ्तार धीमी होने के कारण देश की विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां दिसंबर, 2025 में दो साल के निचले स्तर पर आ गईं। शुक्रवार को जारी एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) दिसंबर में कम होकर 55 पर आ गया। नवंबर, 2025 में विनिर्माण पीएमआई 56.6 के स्तर पर रहा था। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की कार्यकारी निदेशक (अर्थशास्त्र) पॉलियाना डी लीमा ने कहा, वृद्धि की रफ्तार धीमी होने के बावजूद भारत के विनिर्माण उद्योग ने 2025 का समापन अच्छी स्थिति में किया। नए व्यवसायों में आई तीव्र बढ़ोतरी से कंपनियों को वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही में व्यस्त रहने की उम्मीद है। इसके साथ ही, प्रमुख महंगाई का दबाव कम होने से कंपनियों को मांग के मोर्चे पर आगे भी समर्थन मिलते रहने की उम्मीद है। सर्वे के मुताबिक, परिचालन क्षमता पर दबाव में कमी के बीच दिसंबर, 2025 में रोजगार में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली। इस अवधि के दौरान रोजगार सृजन की रफ्तार सबसे कम दर्ज की गई। लीमा ने निकट भविष्य को लेकर कहा, घरेलू कंपनियों को नए साल यानी 2026 में वर्तमान स्तर की तुलना में उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद है। लेकिन, समग्र भावना का स्तर लगभग साढ़े तीन वर्ष में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है। घरेलू विनिर्माण कंपनियों का मानना है कि प्रतिस्पर्धी कीमतें नए साल में दूसरे क्षेत्रों से नया बिजनेस लाने में मदद कर सकती हैं। एजेंसी

लीमा ने कहा, दो वर्ष में नए ऑर्डर में सबसे कमजोर उछाल के बीच उत्पादन वृद्धि घटकर 38 महीनों के निचले स्तर पर आ गई। कुल बिक्री में आई मंदी का एक कारण अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर में धीमी वृद्धि भी रही। नए निर्यात ऑर्डर में पिछले 14 महीनों में सबसे कम वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया के ग्राहकों की ओर से बेहतर मांग देखने को मिली। कीमतों के मोर्चे पर कहा गया है कि मूल्य महंगाई की दर घटकर नौ महीने के निचले स्तर पर आ गई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	मिथुन	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
धनु.....	06-00 बजे
मकर...	08-05 बजे
कुंभ....	09-48 बजे
मीन....	11-18 बजे
मेष.....	12-44 बजे
वृष.....	14-21 बजे
मिथुन..	16-18 बजे
कर्क...	18-31 बजे
सिंह---	20-50 बजे
कन्या--	23-06 बजे
तुला---	01-20 बजे
वृश्चिक..	03-38 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
सूर्योदय 06-49
सूर्यास्त. 17-48
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष रविवार 04 January 2026
तिथि - पूर्णिमा 12-30 तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - पुनर्वसु 13-11 रात्रि तक उप पुष्य
योग - वैधृति 01-47 रात तक उप. विष्कुंभ
करण - कौलव 12-30 तक उप तैतिल

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-31 17-54

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया

उत्पात	06-49 - 08-12	अशुभ
चंचल	08-12 - 09-35	शुभ
लाभ	09-35 - 10-58	शुभ
अमृत	10-58 - 12-21	शुभ
काल	12-21 - 13-44	अशुभ
शुभ	13-44 - 15-07	शुभ
रोग	15-07 - 16-31	अशुभ
उत्पात	16-31 - 17-48	अशुभ

रात का चौघड़िया

शुभ।	17-48 - 19-31	शुभ
अमृत	19-31 - 21-08	शुभ
चंचल	21-08 - 22-44	शुभ
रोग	22-44 - 00-21	अशुभ
काल	00-21 - 01-58	अशुभ
लाभ	01-58 - 03-35	शुभ
उत्पात	03-35 - 05-12	अशुभ
शुभ	05-12 - 06-49-	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी । आप आज तर्क के स्थान पर अपने दिल की आवाज और प्रवृति के आधार पर फैसले कर सकते हैं,लेकिन वे भी वित्त के मामले में लाभकारी ही साबित होंगे ।आप इन दिनों फैसले लेने में सबसे अधिक महत्ता अपने मन की आवाज को देते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं ।आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों । ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी । यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी ।आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
दिन शुरुआत में बहुत अच्छा,बाद में थोडा व्यस्त रह सकता है । घर पर कोई बीमार पड़ सकता है और आपको अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उनकी देखभाल के लिए समय निकालना होगा । आपको सहकर्मियों या दोस्तों से खुशी मिलेगी और आप आने वाले समय में उनके साथ समय बिताने की योजनायें बना सकते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें । यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से जींद रचेगा इतिहास,2500 यात्री लेकर 140 किमी स्पीड से दौड़ेगी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन आखिर जींद पहुंच गई है। जीद से ही यह ट्रेन 20 जनवरी के बाद सोनीपत के लिए पहली बार रवाना होगी। ट्रेन व हाइड्रोजन प्लांट की टेस्टिंग के लिए लखनऊ से अनुसंधान और विकास संगठन (आरडीएसओ) की दो टीमें भी जींद पहुंच चुकी हैं।

यह टीमें प्लांट की मशीनों की टेस्टिंग कर रही हैं। इसके बाद ट्रेन के उपकरण व अन्य सामान की टेस्टिंग के बाद हरी झंडी देगी। यह ट्रेन पूरी तरह से भारत में डिजाइन और विकसित की गई है। ब्रॉड गेज लाइन पर चलने वाली यह दुनिया की सबसे लंबी (10 कोच) और सबसे शक्तिशाली (2400 किलोवाट) हाइड्रोजन ट्रेन है।

यह एक बार में 2500 यात्रियों को ले जा सकती

है। 360 किलो हाइड्रोजन से 180 किलोमीटर का सफर तय कर सकती है। यानी एक किलोमीटर की दूरी तय करने में दो किलो हाइड्रोजन खर्च होगी। दूसरी तरफ डीजल गाड़ी साढ़े चार लीटर में एक किलोमीटर चलती है। इसकी अधिकतम स्पीड 140 किमी प्रति घंटा है। 1,200 हॉर्स पावर यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक पर आधारित है। इस पर 82 करोड़ रुपये लागत आई है।

भारत हाइड्रोजन ट्रेन वाला आठवां देश

ट्रेन के कोच चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में तैयार किए गए हैं। इसका परीक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, फ्रांस, स्वीडन के बाद हाड्रोजन ट्रेन वाला भारत आठवां देश बन गया है।ट्रेन को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यात्रियों को सुविधा, सुरक्षा व बेहतर सफर का नया अनुभव मिल सके। ट्रेन-सेट में दो ड्राइविंग पावर कार (डीपीसी) शामिल हैं। इनमें प्रत्येक की क्षमता 1200 किलोवाट व कुल मिलाकर 2400 किलोवाट शक्ति के साथ 8 यात्री कोच लगाए गए हैं।

पानी और भाप उत्सर्जित करता है इंजन

यह ट्रेन शून्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करती है और इसका एकमात्र उत्सर्जन जल वाष्प है। ट्रेन चलने के दौरान केवल पानी और भाप उत्सर्जित करेगी। इंजन में डीजल की जगह फ्यूल मॅल, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन डाली जाएगी। ऑक्सीजन की मदद से हाइड्रोजन नियंत्रित ढंग से जलेगी और इससे पैदा होने वाली बिजली लिथियम आयन बैटरी को चार्ज करेगी। इस दौरान धुएं की जगह सिर्फ भाप निकलेगी। ट्रेन से न सिर्फ प्रदूषण कम होगा बल्कि ईधन खर्च में भी कमी आएगी। पायलटों को चेन्नई और जालंधर में दी गई ट्रेनिंग हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन के लिए मई-जून में जींद के तीन और दिल्ली के दो लोको पायलटों को चेन्नई में ट्रेनिंग दी गई थी। इसके बाद सितंबर-अक्तूबर में जींद के दो लोको पायलटों को जालंधर बुलाया और वहां एक महीने ट्रेनिंग दी। इस दौरान उन्हें हाइड्रोजन ट्रेन की तकनीकी और संचालन से जुड़ी बारीकियों के बारे में बताया गया।

'गिग मॉडल की असली ताकत है लचीलापन'

बोले दीपिंदर गोयल; 2025 में डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई 10.9% बढ़ी

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जोमैटो के डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कंपनी के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने गिग मॉडल का मजबूती से बचाव किया है। उन्होंने बताया कि 2025 में जोमैटो डिलीवरी पार्टनर्स की औसत प्रति घंटे की कमाई 10.9% बढ़कर 102 रुपये हो गई है, जो 2024 में 92 रुपये थी। दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए आंकड़ों में कहा कि अगर कोई डिलीवरी पार्टनर दिन में 10 घंटे और महीने में 26 दिन काम करता है, तो उसकी कुल मासिक कमाई करीब 26,500 रुपये होती है। ईंधन और रखरखाव जैसे खर्च निकालने के बाद नेट आय लगभग 21,000 रुपये बैठती है।

यह गणना लॉग-इन समय पर आधारित है, जिसमें इंतजार का समय भी शामिल है।

गिग मॉडल का लचीलापन ही इसकी पहचान

गोयल ने साफ किया कि जोमैटो का गिग मॉडल फुल-टाइम नौकरी का विकल्प नहीं, बल्कि लचीला और अतिरिक्त आय का साधन है। 2025 में एक औसत डिलीवरी पार्टनर ने 38 दिन काम किया,

जबकि केवल 2.3% पार्टनर्स ने 250 दिन से ज्यादा काम किया। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स से पीएफ या तय सैलरी जैसी फुल-टाइम सुविधाओं की मांग इस मॉडल की मूल भावना के खिलाफ है।

10 मिनट डिलीवरी पर सफाई

गोयल ने लिखा, राइडर्स के ऐप में कोई टाइमर नहीं होता और न ही उन्हें यह पता होता है कि ग्राहक को डिलीवरी का क्या समय बताया गया है। हम राइडर्स को तेज गाड़ी चलाने के लिए नहीं कहते। इस प्रक्रिया की गणित को समझाते हुए उन्होंने लिखा, ब्लिंकइट पर ऑर्डर देने के बाद आपका सामान 2.5 मिनट के भीतर पैक कर दिया जाता है। फिर डिलीवरी करने वाला लगभग 8 मिनट में औसतन 2 किलोमीटर से कम की दूरी तय करता है। यानी उसकी औसत गति 16 किमी प्रति घंटा होती है। सुरक्षा के मुद्दे पर गोयल ने कहा कि सभी डिलीवरी पार्टनर्स का मेडिकल और लाइफ इंश्योरेंस होता है।

एमएसएमई एक्सपोर्टर्स को बड़ी राहत, सरकार ने लॉन्च की दो स्कीमें

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। देश के छोटे और मध्यम उद्योगों को एक्सपोर्ट के मोर्चे पर मजबूत करने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. 2 जनवरी को कॉमर्स मिनिस्ट्री ने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन के तहत दो अहम स्कीम्स लॉन्च कीं, जिनका सीधा फायदा उन एमएसएमई को मिलेगा जो विदेशों में अपना सामान बेचते हैं या एक्सपोर्ट की तैयारी कर रहे हैं. इन स्कीम्स का मकसद सस्ता कर्ज, आसान फाइनेंस और नए बाजारों तक पहुंच सुनिश्चित करना है. पहली स्कीम इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम है, जिसके तहत एमएसएमई एक्सपोर्टर्स को प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट दोनों तरह के एक्सपोर्ट क्रेडिट पर ब्याज में राहत मिलेगी. आमतौर पर एमएसएमई को बैंक से लोन लेने पर 9.5 से 12.5 फीसदी तक ब्याज देना पड़ता है, लेकिन इस स्कीम के आने से उन्हें बाजार दरों से करीब 2.75 फीसदी कम ब्याज पर कर्ज मिल सकेगा.

कब होगी लागू

यह स्कीम छह साल के लिए लागू होगी, यानी 2025 से लेकर 2031 तक. कर्ज का ब्याज रेपो रेट से जुड़ा होगा, यानी ब्याज दर फ्लोटिंग रहेगी. सरकार इस स्कीम पर कुल 5,181 करोड़ रुपये खर्च करेगी, जिससे लाखों छोटे एक्सपोर्टर्स को राहत मिलने की उम्मीद है. सरकार सिर्फ मौजूदा बाजारों तक सीमित नहीं रहना चाहती. जो एमएसएमई नए और उभरते हुए देशों में एक्सपोर्ट करेंगे. उन्हें आगे चलकर अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिया जाएगा. इसकी अधिसूचना अलग से जारी की जाएगी. सरकार का साफ कहना है कि भारत के एक्सपोर्ट को ज्यादा देशों में फैलाना अब प्राथमिकता है.

कम गारंटी में मिलेगा बैंक लोन

दूसरी अहम स्कीम है कोलैटरल सपोर्ट फॉर एक्सपोर्ट क्रेडिट. इस स्कीम के तहत एमएसएमई को बैंक से लोन लेने के लिए भारी गारंटी देने की जरूरत नहीं होगी. कम कोलैटरल या थर्ड-पार्टी गारंटी पर भी एक्सपोर्ट लोन मिल सकेगा. यह सुविधा सीजीटीएमएसई के जरिए लागू की जाएगी. यह पहल ऐसे समय में आई है जब अमेरिका की ओर से भारतीय प्रोडक्ट्स पर भारी टैरिफ लगाए जाने से कई एमएसएमई दबाव में हैं. सरकार पहले ही संकेत दे चुकी है कि टैरिफ से प्रभावित एमएसएमई को हर संभव मदद दी जाएगी और ये नई स्कीमें उसी दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही हैं. दिसंबर में सरकार ने एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन को मंजूरी दी थी, जिस पर कुल 25,060 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इसका फोकस खासतौर पर एमएसएमई और लेबर-इंटेंसिव सेक्टर्स पर रहेगा, ताकि रोजगार और एक्सपोर्ट दोनों को रफ्तार मिल सके.

फ्लाइट कैंसिल हो या सामान खो जाए, आसानी से मिलेगा क्लेम

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल में अगर आप कहीं घूमने जा रहे हैं, तो ट्रैवल इंश्योरेंस जरूर रखें। ट्रैवल इंश्योरेंस का मकसद यात्रा के दौरान आई अचानक परेशानी से आपको सुरक्षित रखना है। हाल ही में परिचालन संबंधी चुनौतियों के कारण दिल्ली, मुंबई, पुणे, बंगलूरू और हैदराबाद सहित कई प्रमुख हवाईअड्डों पर लोगों को फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ा।ऐसी मुश्किल स्थितियों में ट्रैवल इंश्योरेंस काफी मददगार साबित होता है। अगर आपने कॉम्प्रिहेंसिव ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी ली है, तो ऐसे मुश्किल हालात यह समझने का सबसे अच्छा मौका होते हैं कि आपकी कवरेज कब और कैसे काम आ सकती है। अगर आपकी फ्लाइट कैंसिल हो जाए, ट्रांसफर मिस हो जाए, अचानक मेडिकल संबंधी जरूरतें आ जाए या होटल बुकिंग करने में दिक्कत आए, खासकर जब एयरलाइन के परिचालन में इस तरह की गड़बड़ी हो जाए, तब आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी हो जाता है कि ट्रैवल इंश्योरेंस पॉलिसी के तहत क्लेम किस प्रकार और कब दर्ज करना होता है। यात्रा पर निकलने से पहले यह जरूरी है कि आप साथ ले जाने वाली सभी महंगी और कीमती चीजों की सूची बना लें। पसंदीदा डेस्टिनेशन के लिए रवाना होने से पहले जो भी कीमती सामान या दस्तावेज साथ ले जा रहे हैं, उनकी तस्वीरें खींचकर सुरक्षित रख लें।

शराब घोटाला केस: 170 दिन बाद चैतन्य जेल से रिहा

बिलासपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है।

कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद चैतन्य बघेल रायपुर सेंट्रल जेल से करीब 170 दिन बाद रिहा हो गए हैं। चैतन्य बघेल जेल से अपने घर के लिए जा रहे हैं हैं, लेकिन सड़क पर भीड़ से ट्रैफिक जाम रहा।

वहीं जेल से रिहाई के बाद चैतन्य बघेल ने कहा कि न्यायालय का बहुत बहुत धन्यवाद। आप सभी का भी शुक्रिया।

मामला कोर्ट में है तो इसमें कुछ बोलना उचित नहीं है। यह मामला न्यायिक समीक्षा के अधीन है। हमारे समर्थकों का भी धन्यवाद। चैतन्य की रिहाई से पहले भूपेश बघेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 18 जुलाई को चैतन्य को उसके जन्मदिन पर गिरफ्तार किया गया था। आज पोते के जन्मदिन पर उसकी रिहाई हो रही है। रायपुर सेंट्रल जेल के बाहर कार से भूपेश बघेल अपने बेटे चैतन्य को रिसीव करने खुद कार चलाकर पहुंचे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और छत्तीसगढ़ एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी/ईओडब्ल्यू) की ओर से दर्ज केसों में मिली है।

ईडी ने चैतन्य को पिछले साल जुलाई में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था, जबकि भ्रष्टाचार के मामले में सितंबर में एसीबी ने उन्हें तब गिरफ्तार किया जब वे पहले से ही जेल में थे। जांच एजेंसियों के अनुसार यह घोटाला 2019 से 2022 के बीच हुआ, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा। ईडी का आरोप है कि चैतन्य बघेल इस पूरे शराब सिंडिकेट के संरक्षक थे। उन्होंने करीब 1,000 करोड़ रुपए का लेन-देन व्यक्तिगत रूप से संभाला।

इसके अलावा एसीबी का दावा है कि चैतन्य बघेल को हिस्से के तौर पर 200 से 250 करोड़ रुपए मिले और इस पूरे घोटाले की कुल रकम 3,200 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है।

वहीं बेटे को जमानत मिलने पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि सत्य की जीत हुई है। सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता। समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी जताई।

झारखंड में फरवरी-मार्च में नगर निकाय चुनाव

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसकी उलटी गिनती शुरू मानी जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग की तैयारियों से संकेत मिल रहे हैं कि जनवरी के अंत तक चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी 8 जनवरी को सभी जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करेंगी। इस बैठक में चुनाव से जुड़ी जमीनी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा होगी।

जहां भी कमी पाई जाएगी, वहां 5 से 7 दिनों के भीतर सुधार कराने का निर्देश दिया जाएगा। इसके बाद मुख्य सचिव के माध्यम से राज्यपाल को चुनाव तिथि का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

झारखंड में ग्राम सभा की मर्जी चलेगी

पेसा कानून से अर्थदंड का भी मिला अधिकार

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के जनजातीय समाज के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राज्य सरकार ने पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) झारखंड नियमावली-2025 (पेसा कानून 2025) की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों में सत्ता का केंद्र अब दफ्तरों से निकलकर गांवों की 'चौपाल' तक पहुंच गया है।

अब गांव के संसाधनों और व्यवस्थाओं पर अफसरों का नहीं, बल्कि ग्राम सभा का एकाधिकार होगा। 5 हेक्टेयर से कम के बालू घाट, जल निकाय (तालाब, नहर) और लघु वन उपज (महुआ, शहद, बांस, लाह) पर ग्राम सभा का पूर्ण नियंत्रण होगा। भूमि अधिग्रहण और शराब की दुकान खोलने जैसे अहम निर्णयों के लिए अब ग्राम सभा की अनुमति अनिवार्य होगी।

नयी नियमावली के अनुसार, पारंपरिक ग्राम प्रधान (जैसे मांझी, मुंडा, पाहन, महतो) ग्राम सभा की अध्यक्षता करेंगे। हर महीने कम से कम एक बैठक जरूरी है। बैठक के कोरम में एक-तिहाई सदस्यों की मौजूदगी जरूरी है, जिसमें एक-तिहाई महिलाओं का होना अनिवार्य है। फैसले खुले में सर्वसम्मति या बहुमत (हाथ उठाकर) से लिए जाएंगे। ग्राम सभा को छोटे विवादों को सुलझाने और अनुशासन बनाए रखने के लिए न्यायिक शक्तियां भी दी गई हैं। नियमों का उल्लंघन करने पर अधिकतम 2000 रुपये तक का दंड लगाया जा सकता है। हालांकि, ग्राम सभा को जेल भेजने का अधिकार नहीं होगा। यदि पुलिस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करती है, तो इसकी जानकारी 7 दिनों के भीतर ग्राम सभा को देनी होगी। अंधविश्वास, जादू-टोना और डायन-बिसाही जैसी कुरीतियों के खिलाफ ग्राम सभा को कड़े कदम उठाने का अधिकार मिला है।

पेड़ से टकराई कार, 2 की मौत

रायपुर से पूर्णिमा स्नान करने अमरकंटक जा रहे थे, दो घंटे तक गाड़ी में फंसी रही लाशें

बिलासपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। कार सवार श्रद्धालु पूर्णिमा स्नान करने रायपुर से अमरकंटक जा रहे थे। घटना कोटा थाना के बेलगहना चौकी क्षेत्र की है।

मरने वालों की पहचान रामकुमार धीवर (45) और राजकुमार साहू निवासी रायपुर के रूप में हुई है। वहीं, घायलों को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिस कारण राजकुमार समेत सामने बैठा एक और युवक अंदर फंसे रहे गए।

दरअसल, रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना निवासी रामकुमार धीवर, दलदल सिवनी निवासी अपने दोस्त निलेश्वर धीवर (38), खरोरा मजेठा निवासी सुखसागर मानिकपुरी (39), दलदल सिवनी के अमित चंद्रवंशी और राजकुमार साहू के साथ पूर्णिमा स्नान करने के लिए अमरकंटक जाने के लिए निकले थे।

आज सुबह करीब 9 बजे उनकी कार बेलगहना चौकी क्षेत्र के ग्राम भसको के पास पहुंची। इसी दौरान जंगल में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर पेड़ से जा टकराई। हादसे में रामकुमार धीवर और राजकुमार साहू को गंभीर चोटें आई। जिससे दोनों की मौत हो गई। निलेश्वर और उनके दो साथी घायल हो गए। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिस कारण राजकुमार सहित सामने बैठे एक और युवक अंदर फंसे रह गए। वहीं, पीछे बैठे लोग भी बुरी तरह से घायल थे। उन्हें लोगों ने किसी तरह बाहर निकाला गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया।

ट्रक पर स्टंट के दौरान पहिए के नीचे आया युवक, मौत

गेट पर लटकने के दौरान बिगड़ा बैलेंस, शव के टुकड़े उठाने में आधे घंटे लगे

दुर्ग-भिलाई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में ट्रक पर चढ़कर स्टंट दिखाने वाले एक युवक की गिरकर मौत हो गई। पुनीत साहू 2 जनवरी को अपने दोस्तों संग धमधा घूमने गया था। वापस लौटते समय पुनीत ट्रक में बैठ गया और दोनों दोस्त बुलेट पर पीछे पीछे चल रहे थे, वे उनका वीडियो भी बना रहे थे।

पुनीत कंडक्टर सीट पर बैठा था, गेट खोलकर बाहर लटककर स्टंट कर रहा था तभी धमधा-बेमेतरा मेन रोड स्थित बड़े पुल के पास बैलेंस बिगड़ने पर वह नीचे गिरा और पहिए के नीचे आकर बुरी तरह से कुचला गया।

घटना इतनी भयावह थी कि उसका शव सड़क पर चिपक गया था, शरीर के कई अंग दूर-दूर तक फेंका गए थे। टुकड़े बीनने में पुलिस को आधे घंटे लग गए। मामला धमधा थाना क्षेत्र का है।

भिलाई के जामुल क्षेत्र के गणेश नगर वार्ड क्रमांक 5 निवासी वाहन चालक के बेटे पुनीत साहू (24) पेशे से मजदूर है। 2 जनवरी की सुबह करीब 10 बजे वह अपने दोस्तों दीपक वर्मन, विजय सिंह सहित अन्य के साथ धमधा घूमने गया था।

उनका एक दोस्त ट्रक चलाता था, वह अपना ट्रक लेकर सिरनाभाठा धमधा के चावल गोदाम पहुंचा हुआ था। गोदाम से निकलते वक्त पुनीत ट्रक में बैठ गया। पहले वो ड्राइवर को बोलने लगा कि मैं ट्रक चलाऊंगा, लेकिन ट्रक ड्राइवर ने मना कर दिया। बाद में वो कंडक्टर की सीट पर बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वो लगातार खिड़की खोलकर स्टंट कर रहा था, बाहर झूल रहा था। अचानक बैलेंस बिगड़ने से पुनीत नीचे गिरा और सीधा ट्रक की चपेट में आ गया।

दोपहर करीब 3.15 बजे दोस्त दीपक वर्मन ने फोन कर पुनीत के परिजनों को सूचना दी कि पुनीत का ट्रक से एक्सीडेंट हो गया है। यह सुनते ही परिजन रिश्तेदार पवन साहू और भोला साहू के साथ तुरंत धमधा रवाना हुए।

घटनास्थल पर मौजूद दीपक वर्मन और विजय सिंह ने बताया कि पुनीत साहू सिरनाभाठा वेयरहाउस से ट्रक (क्रमांक CG 07 CA 1141) में ड्राइवर के साथ बैठकर जामुल जा रहा था। वे दोनों बाइक से ट्रक के पीछे-पीछे चल रहे थे। इसी दौरान बड़े पुल के ऊपर ट्रक के तेज और लापरवाही से चलने के कारण पुनीत संतुलन बिगड़ने से ट्रक से नीचे गिर गया और पीछे के चक्के की चपेट में आ गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

इस हादसे में पुनीत ट्रक के नीचे पहिए में फंस गया। ट्रक 50 मीटर तक शव को घसीटता चला गया। इससे शव क्षत-विक्षत हो गया। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शव के टुकड़े जमा करने में उन्हें आधे घंटे से ज्यादा का समय लग गया।

कांग्रेस प्रवक्ता की भतीजी ने लगाई फांसी

लिखा–मुझे क्षमा करो मम्मी–पापा दुर्ग में 11वीं की पढ़ाई कर रही थी छात्रा

दुर्ग-भिलाई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक 16 साल की लड़की ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में लिखा- सॉरी मम्मी-पापा। मैं जो कर रही हूं, वह सही नहीं है, लेकिन फिर भी मैं आत्महत्या कर रही हूं। प्लीज मुझे माफ कर देना। मैं एक अच्छी बेटी नहीं बन पाई।

जानकारी के मुताबिक, लड़की के पिता सरकारी वकील हैं। मां सरकारी टीचर हैं, जबकि उसके चाचा राहुल गोस्वामी यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता हैं। शुक्रवार शाम को घटना के समय उसकी दादी घर पर थीं। बाकी परिवार बाहर था। घटना मोहन नगर पुलिस स्टेशन इलाके के शंकर नगर की है।

निष्ठा गोस्वामी (16) सेक्टर-10 के श्री शंकरा स्कूल में क्लास 11 की स्टूडेंट थी। शुक्रवार दोपहर को वह पढ़ने के लिए अपने कमरे में गई, लेकिन देर शाम तक बाहर नहीं आई। काफी देर तक बाहर नहीं आई, तो उसके परिवार वालों ने दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब न मिलने पर दरवाजा तोड़ दिया। देखा कि उनकी बेटी फंदे से लटकी हुई है। निष्ठा के पड़ोसियों ने बताया कि निष्ठा की एक बहन भी है। उसके चाचा, राहुल गोस्वामी, यूथ कांग्रेस के स्टेट स्पोक्स पर्सन हैं। घटना के समय घर पर सिर्फ उसकी दादी थीं। उसके माता-पिता घर पर नहीं थे।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को जांच के दौरान एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में लिखा है कि, सॉरी मम्मी-पापा। उसने इस कदम के लिए माता-पिता से माफी मांगी है।

आगे लिखा है कि, मैं जो कदम उठा रही हूं वो सही नहीं, लेकिन फिर भी मैं सुसाइड कर रहा हूं। मुझे माफ कर देना। मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी। मेरी बहन का ख्याल रखना और उसकी हर ख्वाहिश पूरी करना।

निष्ठा के सुसाइड की जानकारी मिलते ही स्कूल के दोस्त निष्ठा के घर पहुंचने लगे। शनिवार को करीब 12 बजे निष्ठा के स्कूल से पहुंची उसकी सहेलियों ने बताया कि, अभी तक सब कुछ सही था। वो कहीं से भी डिप्रेशन में नहीं थी। हम सब सदमे में है कि, आखिर उसने ऐसा क्यों किया। एक सहेली ने बताया कि, उसने अपनी इंस्टा आईडी भी डिस-एक्टिवेट कर दी है।

मोहन नगर पुलिस का कहना है कि, सुसाइड नोट में भी आत्महत्या की कोई ठोस वजह समझ नहीं आई है। यह आत्महत्या का मामला लग रहा है, लेकिन हर पहलू से जांच की जा रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि, किशोरी किसी मानसिक तनाव, पारिवारिक या अन्य किसी परेशानी से गुजर रही थी या नहीं। पुलिस मोबाइल भी खंगाल रही है, ताकि सुसाइड की सही वजह सामने आ सके।

खालिस्तानी आतंकियों के काल बने थे शहीद रणधीर वर्मा

बैंक लूट रोकने के लिए कुर्बान कर दिए थे प्राण

धनबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकियों से अकेले लोहा लेते हुए 35 साल पहले शहीद हुए धनबाद के तत्कालीन एसपी रणधीर प्रसाद वर्मा को शनिवार को उनके 35 वें शहादत दिवस पर रणधीर वर्मा चौक पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में डीसी, एसएसपी समेत जिले के पुलिस अधिकारी, विधायक और हजारों लोग उपस्थित रहे। मौके पर शहीद की पत्नी रीता वर्मा ने पुष्प अर्पित कर अपने वीर पति को नमन किया।

पुलिस अधिकारियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस को याद किया। धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि शहीद रणधीर वर्मा का बलिदान पुलिस बल के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके जैसे वीरों से ही कानून-व्यवस्था मजबूत होती है। रीता वर्मा ने पुलिस विभाग के सम्मान पर आभार जताते हुए कहा, मुझे अपने पति के बलिदान पर गर्व है। 35 साल पहले आज ही के दिन धनबाद के हीरापुर स्थित एसबीआई की शाखा में खालिस्तानी आतंकी धावा बोलने पहुंचे थे। सुबह करीब 10 बजे एसपी कोठी पर सूचना मिली कि डकैत बैंक में घुस चुके हैं।

सूचना मिलते ही एसपी रणधीर वर्मा बिना अतिरिक्त सुरक्षा के केवल एक पिस्टल और अंगरक्षक लेकर मौके पर पहुंचे और बैंक के प्रथम तल पर एके-47 से लैस आतंकियों को ललकारते हुए वे सीढ़ियां चढ़े। तभी एक आतंकी ने एके-47 से रणधीर वर्मा पर हमला कर दिया। गोली रणधीर वर्मा को लग गई। जिससे वो गिर गए, लेकिन गिरते हुए उन्होंने एक डकैत को मार गिराया। वो अपनी आखिरी सांस तक खालिस्तानी आतंकियों से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। उसी घटना में आईएसएम कर्मी श्यामल चक्रवर्ती ने भी डकैतों का विरोध किया और शहीद हो गए। जबकि एसपी के अंगरक्षक को भी गोली लगी और वो घायल हुए, जिसके बाद धनबाद सदर थाना की पुलिस के पहुंचने पर बाकी डकैत भागे। बाद में एक अन्य आतंकी को मार गिराया गया।

इस घटना के बाद भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ने शहीद रणधीर वर्मा को मरणोपरांत सर्वोच्च शांति कालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया।

परीक्षा देने जा रही छात्रा की सड़क हादसे में मौत

रामगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के बाजार टांड़ स्थित साईं मार्बल के पास सुबह एक टेंपो पलटने से एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा जीएम कॉलेज भुरकुंडा में परीक्षा देने जा रही थी। मृतक की पहचान कोठार निवासी 20 वर्षीय नेहा कुमारी के रूप में हुई है, जो संजय ठाकुर की पुत्री थी। वह अपने घर से भुरकुंडा जाने के लिए टेंपो में सवार हुई थी।

बाजार के पास अचानक टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे नेहा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से नेहा को सदर अस्पताल रामगढ़ भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद टेंपो चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

नितिन नबीन से मिले सीएम विष्णुदेव साय

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के लिए केंद्रीय मंत्री से हुई चर्चा

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की। इस सौजन्य भेंट में उन्होंने नितिन नबीन को नए दायित्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नितिन नबीन छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रभारी भी रहे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने बीजेपी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के रूप में नितिन नबीन के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शिता और सतत परिश्रम से छत्तीसगढ़ में भाजपा संगठन ने नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक विजय उनके प्रेरक एवं परिणामदायी नेतृत्व का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि नितिन नबीन के ऊर्जावान नेतृत्व और संगठनात्मक दक्षता के बल पर भारतीय जनता पार्टी आने वाले समय में और अधिक सशक्त होकर राष्ट्र सेवा के पथ पर नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगी।

मुख्यमंत्री ने नितिन नबीन के उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। विष्णुदेव साय ने दिल्ली दौरे में कई केंद्रीय मंत्रियों से भी मुलाकात की। विष्णुदेव साय का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिल्ली में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित "प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026" के सफल आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में खेलों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिलना समूचे राज्य के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, यह अवसर राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने अवगत कराया कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, हॉकी, फुटबॉल और तैराकी सहित कुल 7 मुख्य खेलों की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, वहीं 2 खेल डेमो स्वरूप प्रस्तुत किए जाएंगे।

हिजाब विवाद पर एआईएमआईएम के पूर्व सांसद की धमकी

मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छुआ तो हाथ काट दूंगा, धर्मनिरपेक्ष पार्टियां मुसलमानों के हक में नहीं

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हिजाब विवाद को लेकर एआईएमआईएम नेता और पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने शनिवार को कहा कि अगर कोई भी व्यक्ति मुस्लिम महिलाओं को गलत नीयत से छूने की कोशिश करेगा, तो वह उसका हाथ काट देंगे।

एआईएमआईएम नेता का यह बयान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला के चेहरे से हिजाब हटाने की घटना और इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री संजय निषाद की टिप्पणी के बाद सामने आया है।

संजय निषाद ने कहा था कि नीतीश कुमार ने सिर्फ नकाब ही तो छुआ अगर कहीं और छू देते तो क्या होता? बाद में मंत्री ने सफाई दी थी कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। इम्तियाज ने उनके बयान का जिक्र भी किया।

वहीं, इम्तियाज जलील ने कहा कि पक्ष और विपक्ष में शामिल कई दल खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते हैं। ये पार्टियां गुंडों और आपराधिक तत्वों का समर्थन तो करती हैं, लेकिन मुसलमानों के हक में खड़े होने से कतराती हैं।

इम्तियाज जलील महाराष्ट्र के जालना में 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनाव में एआईएमआईएम के 17 उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री और शिवसेना नेता संजय शिरसाट के बयान पर भी तंज कसा। शिरसाट ने मकर संक्रांति का हवाला देते हुए एआईएमआईएम के 'पतंग' चुनाव चिन्ह पर रोक लगाने की मांग की थी।

जलील ने इसे लेकर कहा कि अगर ऐसा है तो शिवसेना और बीजेपी नेताओं को भी अगले एक महीने तक 'घड़ी' नहीं पहननी चाहिए। उनका यह बयान महायुति की सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर कटाक्ष माना जा रहा है। क्योंकि एनसीपी अलग चुनाव लड़ रही है।

क्या था हिजाब विवाद

बिहार के सीएम नीतीश कुमार 15 दिसंबर को पटना में आयुष डॉक्टरों को जॉइनिंग लेटर दे रहे थे। डॉ. नुसरत लेटर लेने मंच पर आईं। नीतीश कुमार उन्हें लेटर देने लगे। नीतीश कुमार ने नुसरत के हिजाब की ओर इशारा करते हुए पूछा कि ये क्या है जी। नुसरत ने जवाब दिया, हिजाब है सर। सीएम ने कहा कि हटाइए इसे। इसके बाद नीतीश कुमार ने नुसरत का हिजाब खींच दिया।

इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी नीतीश कुमार को रोकने की कोशिश करते दिखे। हिजाब हटाने से नुसरत थोड़ी देर के लिए असहज हो गईं। आसपास मौजूद लोग हंसने लगे। अधिकारियों ने नुसरत को जॉइनिंग लेटर देकर जाने का इशारा किया। इसके बाद नुसरत वहां से चली गईं। इसके बाद यूपी के मंत्री संजय निषाद ने बिहार सीएम नीतीश कुमार का बचाव किया था। संजय निषाद ने कहा था- अरे वो भी तो आदमी ही हैं न...छू लिया नकाब, तो इतना पीछे नहीं पड़ जाना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त जादूगर, वोटर गायब कर रहे

भाजपा सांप की तरह, कितना भी दूध पिला लें, एक दिन डसेगी ही

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को तंज कसते हुए 'वैनिश कुमार' कहा और बीजेपी सांसदों की तुलना 'सांप' से की।

अभिषेक ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आप ज्ञानेश कुमार को जानते हैं? वे जादूगर हैं। जिंदा लोगों को वोटर लिस्ट से गायब कर देते हैं और मरे हुए लोगों को जिंदा दिखा देते हैं। इसलिए अब उनका नाम 'वैनिश कुमार' हैं। बीजेपी पर हमला बोलते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा- बीजेपी सांसद और सांप एक जैसे हैं। अगर आप अपने घर के पीछे एक-दो सांप पाल लें, तो भी सांप, सांप ही रहेगा। आप उसे दूध पिलाइए, केला खिलाइए, लेकिन वह एक दिन डसेगा ही।

बीजेपी पश्चिम बंगाल की जनकल्याणकारी योजनाओं, खासकर महिलाओं के लिए चलाई जा रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना को कमजोर करना चाहती है। अगर भाजपा को अब जवाब नहीं दिया गया, तो भविष्य में लोगों के वोट देने के अधिकार पर भी हमला हो सकता है।

बीजेपी शासित मध्य प्रदेश में जहरीला पानी पीने से लोगों की मौतें हुई हैं।जो सरकार अपने लोगों को पीने का साफ पानी तक नहीं दे पा रही है, क्या वह आपको सिर पर छत देने का वादा पूरा कर पाएगी? जब बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो रहीं, तो बड़े-बड़े दावे किस आधार पर किए जा रहे हैं?

उत्तर बंगाल में अलीपुरद्वार को बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में यही इलाका तृणमूल की वापसी की शुरुआत बनेगा। अपने कार्यकर्ताओं से कहता हूं कि हमें यहां हर बूथ जीतना है। एक भी बूथ नहीं छोड़ना है। अगर हम हर बूथ तक मजबूती से पहुंचे, तो जीत हमारी होगी। दरअसल अभिषेक बनर्जी 'आबर जितबे बांग्ला' अभियान के तहत 19 दिनों में 26 रैलियां कर रहे हैं। यह रैली 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस के आक्रामक चुनावी अभियान का हिस्सा मानी जा रही है।

इससे पहले 31 दिसंबर को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का प्रतिनिधिमंडल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सामने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने गया था। इस दौरान अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त का रवैया अग्रेसिव हो गया था। मीटिंग के बाद अभिषेक ने आरोप लगाया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट और एसआईआर को लेकर उनकी पार्टी की गंभीर आशंकाओं को दूर नहीं किया गया।

एआई ने बिना लक्षण वाला पैंक्रियाज कैंसर पहचाना

इसी से गई थी एपल सीईओ स्टीव जॉब्स की जान, 90% मरीज 5 साल भी नहीं जी पाते

बीजिंग, 3 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में 57 साल के मजदूर किउ सिजुन डायबिटीज की जांच कराकर लौटे थे। 3 दिन बाद उन्हें हॉस्पिटल से एक डॉक्टर ने फोन किया। उन्होंने सिजुन को दोबारा आने को कहा। सिजुन घबरा गए। उन्हें तभी किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ।

वह सही थे। जांच में उन्हें पैंक्रियाज (अग्नाशय) के कैंसर का पता चला। लेकिन अच्छी खबर यह थी कि यह कैंसर बहुत शुरुआती अवस्था में पकड़ में आ गया। दरअसल, हॉस्पिटल एआई की मदद से बीमारियों की पहचान की टेस्टिंग कर रहा था। डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया। एआई टूल की वजह से तुरंत इसका पता चल गया।

पैंक्रियाज कैंसर सबसे घातक कैंसरों में से एक माना जाता है। इसमें सिर्फ 10 फीसदी मरीज ही 5 साल तक जिंदा रह पाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इसे शुरुआती दौर में पकड़ना बहुत मुश्किल होता है। आमतौर पर इसके लक्षण तब सामने आते

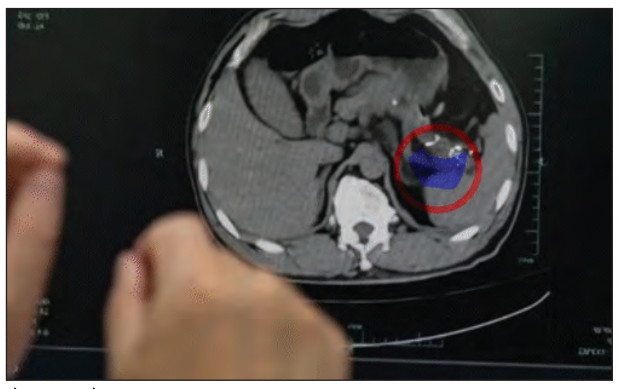

हैं, जब कैंसर काफी बढ़ चुका होता है। इसी से एपल सीईओ स्टीव जॉब्स की मौत हुई थी।

यह दुनिया में पहली बार नहीं है जब एआई से पैंक्रियाज कैंसर की पहचान हुई है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन में पिछले कुछ सालों से एआई टूल्स पर रिसर्च चल रही है, जो सीटी स्कैन, एमआरआई, ब्लड टेस्ट पैटर्न, मेडिकल रिकॉर्ड के जरिए पैंक्रियाटिक कैंसर की पहचान करते हैं। लेकिन रूटीन डायबिटीज टेस्ट के डेटा से बहुत शुरुआती स्टेज में कैंसर की पहचान करने को चमत्कारिक माना जा रहा है।

इस केस की खास बात रही कि-

मरीज डायबिटीज की जांच कराने के लिए गया था, कैंसर का कोई शक नहीं था

एआई सिस्टम ने पुराने टेस्ट डेटा में असामान्य पैटर्न पकड़ा

कियू सिजुन अब स्वस्थ हैं और अपने खेत में सब्जियां उगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें एआई की ज्यादा समझ नहीं है, लेकिन समय पर मिली चेतावनी ने उनकी जिंदगी बचा ली।

यह मामला उदाहरण है कि कैसे चीन की टेक कंपनियां और अस्पताल, कैंसर ट्रीटमेंट की सबसे मुश्किल समस्याओं को हल करने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आमतौर पर अग्नाशय के कैंसर में लक्षण तब सामने आते हैं, जब यह काफी बढ़ चुका होता है। इस कैंसर की जांच के लिए जो भी टेस्ट होते हैं, जैसे कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन, उनमें बहुत ज्यादा रेडिएशन होता है। इसलिए कई एक्सपर्ट्स बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग की सलाह नहीं देते।

कम रेडिएशन वाले विकल्प, जैसे नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन में इसका पता ही नहीं चलता। इस वजह से रेडियोलॉजिस्ट के लिए गड़बड़ी पहचानना कठिन हो जाता है।

पाकिस्तान ने चीन को संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया

चीन ने 4 दिन पहले कहा था- हमने भारत-पाक टकराव में मध्यस्थता की

बीजिंग/इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने चीन के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मध्यस्थता के दावे का समर्थन किया है। चीन के दावे से जुड़े सवाल के जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीनी नेता उन दिनों पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में थे। चीन के नेताओं ने भारतीय नेतृत्व से भी कुछ बातचीत की थी।

पाकिस्तान का यह बयान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बयान के बाद आया है। वांग यी ने 30 दिसंबर को बीजिंग में कहा था कि चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के दौरान भी चीन ने मध्यस्थता की थी।

पाकिस्तान सरकार ने ट्रम्प को नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े

युद्ध को टालने में मदद की।

पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा था कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

चीन और ट्रम्प के दावों के उलट भारत सरकार पहले भी साफतौर पर कह चुकी है कि इस पूरे मामले में किसी भी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत का कहना है कि यह तनाव सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत से ही खत्म हुआ। भारत के मुताबिक, भारी नुकसान होने के बाद पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने भारतीय सैन्य अधिकारी से संपर्क किया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय डीजीएमओ से बात की और इसके बाद दोनों देशों ने 10 मई से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

चीन के इस नए दावे के बाद उसकी भूमिका को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान के रिश्ते बहुत करीबी माने जाते हैं। चीन, पाकिस्तान को सबसे ज्यादा हथियार देने वाला देश है, इसलिए उस पर सवाल उठते रहे हैं कि वह इस मामले में कितना निष्पक्ष रह सकता है। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे कुल मिलाकर 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था।

भारत ने यह हमला 22 अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान लगातार चीन से रिश्ते बेहतर करने की कोशिश में जुटा है। पेंटागन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन 2020 से अब तक पाकिस्तान को 36 J-10C लड़ाकू विमान दे चुका है।

इसके अलावा दोनों देश मिलकर JF-17 फाइटर जेट बना रहे हैं। पाकिस्तान को चीनी ड्रोन और नौसैनिक उपकरण भी मिल रहे हैं।

दिसंबर 2024 में चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त आतंकवाद-रोधी सैन्य अभ्यास भी किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भविष्य में पाकिस्तान में चीनी सैन्य ठिकाने बन सकते हैं, जिससे भारत की सीमाओं के पास चीन की मौजूदगी बढ़ेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत से जुड़े मोर्चे को देखने वाली चीन की वेस्टर्न थिएटर कमांड ने 2024 में ऊंचाई वाले इलाकों में विशेष सैन्य अभ्यास किए।

जेलेंस्की ने किरिलो बुडानोव को यूक्रेन का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया

रूस के खिलाफ सीक्रेट मिशन के लिए फेमस

मास्को, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बड़े फेरबदल की घोषणा की है, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुडानोव को अपना नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है।

जेलेंस्की ने कहा कि अब राष्ट्रपति कार्यालय का मुख्य ध्यान सुरक्षा मुद्दों, रक्षा और सुरक्षा बलों के विकास और शांति वार्ताओं पर होगा। बुडानोव की जगह विदेशी खुफिया सेवा के प्रमुख ओलेह इवाश्चेंको को मिलिट्री इंटेलिजेंस का नया प्रमुख बनाया गया है।

इसके अलावा, जेलेंस्की ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को नया रक्षा मंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया है, जो 34 वर्षीय युवा नेता हैं और यूक्रेन की सेना में ड्रोन के उपयोग को तेज करने और ई-गवर्नमेंट प्लेटफॉर्म शुरू करने के लिए जाने जाते हैं। फेडोरोव पूर्व रक्षा मंत्री देनिस शिमहाल की जगह लेंगे, जिन्होंने दिसंबर में हर रोज 1,000 से ज्यादा इंटरसेप्टर ड्रोन का प्रोडक्शन किया था। बुडानोव की नियुक्ति पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ आंद्री येरमाक की जगह पर हुई है, जो ऊर्जा क्षेत्र में भ्रष्टाचार जांच के बाद पद से हट गए थे।

जेलेंस्की ने जांच का सीधा जिक्र नहीं किया, लेकिन नई अनुशासन और फोकस की जरूरत पर जोर दिया। 39 वर्षीय बुडानोव यूक्रेन के सबसे प्रसिद्ध चेहरों में से एक हैं। रूस के 2014 में क्रीमिया पर अवैध कब्जे के बाद वे प्रमुखता से उभरे और 2022 के पूर्ण आक्रमण के बाद खुफिया अभियानों, तोड़फोड़ और रूस के अंदर गहराई तक हमलों के लिए जाने जाते हैं।

सात इमरान समर्थकों को आजीवन कारावास

यूट्यूबर, जर्नलिस्ट और आर्मी अफसर भी शामिल, पूर्व पीएम की गिरफ्तारी के बाद ऑनलाइन हिंसा भड़काई थी

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थक माने जाने वाले 7 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामाला इमरान की गिरफ्तारी के बाद 2023 में हुए हिंसक प्रदर्शनों से जुड़ा है।

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सातों पर राज्य संस्थानों के खिलाफ डिजिटल आतंकवाद में शामिल होने का मुकदमा चलाया गया। कोर्ट ने कहा कि इन लोगों ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और अशांति भड़काने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया।

दोषी ठहराए गए लोगों में यूट्यूबर आदिल राजा, जर्नलिस्ट वजाहत सईद खान, साबिर शाकिर और शाहीन सहबाई, टेलीविजन एंकर हैदर रजा मेहदी, विश्लेषक मोईद पीरजादा और

पूर्व सेना अधिकारी अकबर हुसैन शामिल हैं।

यह फैसला इस्लामाबाद की एंटी-टेररिज्म कोर्ट के जज ताहिर अब्बास सिप्रा ने सुनाया। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और मुकदमा चलाने के लिए पाकिस्तान नहीं लौटे, इसलिए ट्रायल उनकी गैरमौजूदगी में हुआ। अदालत ने पुलिस को यह भी निर्देश दिया कि अगर वे पाकिस्तान लौटते हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जाए। यह मामला 9 मई 2023 का है, जब इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में बड़े प्रदर्शन किए थे।

प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में सेना की इमारतों को आग लगाई और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई शुरू की।

पाकिस्तानी सरकार और सेना ने इमरान खान की पार्टी और विरोधी लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है, आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल करते हुए सैकड़ों लोगों पर राज्य संस्थानों पर हमले और उकसाने के आरोप में मुकदमा चलाया गया है।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि इन सात लोगों ने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर भडकाऊ भाषण दिए। राज्य विरोधी पोस्ट शेयर किए और राज्य संस्थाओं के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश की।

6.5 तीव्रता का भूकंप

राष्ट्रपति शिनबाम प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर निकलीं, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

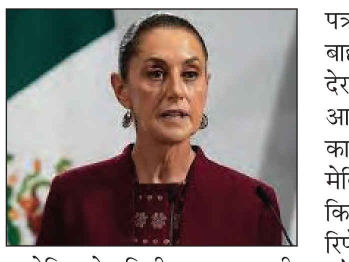

मेक्सिको सिटी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी देश मेक्सिको में शुक्रवार शाम (भारतीय समयानुसार) 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। राजधानी मेक्सिको सिटी और दक्षिण-पश्चिमी गुएरेरो राज्य के कुछ हिस्सों में इसके झटके महसूस हुए। राष्ट्रीय भूकंप सर्विस ने इसकी पुष्टि की।

भूकंप की चेतावनी के चलते राष्ट्रपति क्लॉडिया शीनबॉम और उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद पत्रकारों को राष्ट्रपति महल से बाहर निकलना पड़ा, लेकिन कुछ देर बाद वे सुरक्षित महल में लौट आए। राष्ट्रपति ने बताया कि भूकंप का केंद्र सान मार्कोस में था, जो मेक्सिको सिटी से करीब 230 किलोमीटर दूरी पर है। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, मेक्सिको सिटी और गुएरेरो में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 1985- 8.0 तीव्रता के भूकंप से राजधानी मेक्सिको सिटी में भारी तबाही हुई थी। करीब 10 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई और हजारों इमारतें ढह गई थीं। 2017- 7.1 तीव्रता के भूकंप का असर मेक्सिको सिटी समेत कई राज्यों में हुआ। इसमें 370 से ज्यादा लोगों की जान गई और बड़ी संख्या में इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं।

भारतीयों की बादशाहत को हिला नहीं पाया चीन

ड्रैगन के ऐलान की पोल खुली,नेपाल को दिया बड़ा धोखा

काठमांडू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल में भारत के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए चीन की हर कोशिश नाकाम साबित होती जा रही है। केपी ओली के जरिए भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाले चीन ने नेपाल से वादा कर उसे बड़ा धोखा दिया है। जून 2024 में चीन ने ऐलान किया था कि 'विजिट नेपाल' अभियान चलाएगा ताकि कम से कम 5 लाख चीनी टूरिस्ट साल 2025 में पहुंचे। अब जब साल 2025 बीत चुका है तो चीन के इस ऐलान की पोल खुल गई है। चीन के तमाम दावे के बाद भी चीन से नेपाल आने वाले टूरिस्ट की संख्या बढ़ने की बजाय 6.3 प्रतिशत कम हो गई। साल 2025 में नेपाल में 10 लाख पर्यटक आए जो पिछले साल के मुकाबले 1 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं भारत की बात करें तो अब भी नेपाल में पर्यटकों का सबसे बड़ा विदेशी स्रोत हिंदुस्तान बना हुआ है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत से साल 2025 में 2 लाख 92 हजार से ज्यादा पर्यटक नेपाल पहुंचे। भारत के बाद अमेरिका का नंबर है जहां से 1 लाख 12 हजार टूरिस्ट काठमांडू पहुंचे। इसके बाद तीसरे नंबर पर चीन है जहां से मात्र 95 हजार टूरस्टि नेपाल पहुंचे। वहीं चीन का वादा 5 लाख पर्यटकों को भेजकर भारत को पीछे करने का था। चीन इसके जरिए अपनी साफ्ट पावर कूटनीति को बढ़ाना चाहता था। नेपाल शुरू में चीन के इस ऐलान को सुनकर बहुत खुश हुआ क्योंकि बीजिंग ने किसी और देश के लिए कभी ऐसा ऐलान नहीं किया था। हालांकि जैसे जैसे साल बीतता गया नेपाल की उम्मीद धूमिल होती गई। नेपाली टूरिज्म बोर्ड का कहना है कि चीनी पर्यटकों के कम आने के पीछे एक बड़ी वजह जेन जी युवाओं का प्रदर्शन भी है। वहीं चीन ने बहुत धूमधाम से पोखरा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के लिए चार्टर्ड फ्लाइट शुरू करने का दिखावा किया था।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

खोकन चंद्र दास ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, भीड़ ने लगाई थी आग

ढाका, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। स्थानीय अखबार प्रथम आलो के अनुसार, यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग से बचने की कोशिश में खोकन दास पास के तालाब में कूद गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। गंभीर हालत में उन्हें पहले शरियतपुर सदर अस्पताल और फिर ढाका रेफर किया गया था। खोकन दास की पत्नी सीमा दास, गोद में छोटे बच्चे को लिए फूट-फूटकर रोती नजर आईं। उन्होंने कहा मेरे पति रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

ट्रम्प हर डील में परिवार का फायदा देखते हैं

अमेरिकी अखबार का दावा- 2025 में फैमिली बिजनेस बढ़ाया, बेटे-बेटी और दामाद कारोबार संभालते हैं

वॉशिंगटन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल ट्रम्प परिवार के लिए कमाई का जरिया बनता जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प सरकार ने पिछले एक साल में जिन-जिन देशों के साथ बड़ी डील्स कीं, उन्हीं से ट्रम्प परिवार का कारोबार भी तेजी से बढ़ा।

ट्रम्प जब दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने पहले कार्यकाल की तरह यह वादा नहीं किया कि उनका परिवार नए अंतरराष्ट्रीय सौदे नहीं करेगा।

लेकिन, कभी क्रिप्टो को धोखा बताने वाले ट्रम्प अब खुद क्रिप्टो को बढ़ावा दे रहे हैं। ट्रम्प परिवार का कारोबार अब रियल एस्टेट से आगे क्रिप्टो, एआई, डेटा सेंटर्स तक फैल चुका है।

आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति पद अमेरिका के लिए कम और परिवार के लिए ज्यादा

काम करता दिख रहा है। अप्रैल 2025 में सऊदी समर्थित गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान ट्रम्प ने लिखा- 'यह अमीर बनने का शानदार वक्त है, पहले से भी ज्यादा अमीर।' वे इसी राह पर चल रहे हैं।

ट्रम्प परिवार का कारोबार 5 सेक्टर में फैला

क्रिप्टो कारोबार : डोनाल्ड ट्रम्प, स्टीव विटकॉफ (मध्य-एशिया में अमेरिका के विशेष दूत) और उनके बेटे यह कारोबार संभालते हैं। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ट्रम्प मेमकॉइन और डब्ल्यूएलएफआई टोकन जारी करती है।

रियल एस्टेट और ट्रम्प ब्रांड : डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और एरिक ट्रम्प ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन चलाते हैं। होटल, गोल्फ कोर्स और टावरों के लिए ट्रम्प नाम से लाइसेंस होता है। यह 8 ग्लोबल प्रोजेक्ट बना रही है।

यमन में सऊदी अरब का हवाई हमला, 20 की मौत

सरकार-अलगाववादी गुट में जंग छिड़ी सेना ने मिलिट्री बेस को कब्जे से छुड़ाया

सना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यमन में सऊदी अरब की एयरस्ट्राइक में 20 अलगाववादी लड़ाके मारे गए हैं। यह घटना शुक्रवार को दक्षिणी प्रांत के हद्रामौत में हुई जहां अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के एक ठिकाने को निशाना बनाया गया। इसमें 20 से ज्यादा लोग घायल भी हो गए हैं।

इस बीच यमन सरकार ने सैन्य कार्रवाई कर अलगाववादी गुट से अहम मिलिट्री बेस वापस अपने कब्जे में लेने का दावा किया है। हद्रामौत के गवर्नर सालेम अल-खानबाशी ने कहा कि सुरक्षाबल सिर्फ एसटीसी के कब्जे से सैन्य ठिकानों को वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दो दिन पहले ही यूएई ने यमन से अपनी सेना वापस बुलाने की बात कही थी। इसके पहले सऊदी अरब ने यूएई को देश से बाहर निकलने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी थी। एसटीसी यमन का एक अलगाववादी संगठन है, जो कि यमन के दक्षिणी हिस्से को आजाद कराने के लिए जंग लड़ रहा है। इस संगठन को यूएई का समर्थन मिलता है।

यूएई ने कहा है कि उसने तनाव कम करने की कोशिश की है और उसकी आखिरी सेना यमन से निकल चुकी है।

यमन के मुकल्ला बंदरगाह पर मंगलवार को सऊदी अरब के हमले के बाद यूएई ने सेना वापस बुलाने की घोषणा की थी। इस बमबारी में यूएई से आए एक शिपमेंट को निशाना बनाया गया था, जिसमें हथियार होने की बात कही गई थी। यूएई ने इन दावों को खारिज कर दिया था। उसने बताया कि शिपमेंट में गाड़ियां थीं और किसी भी तरह के हथियार नहीं थे। सऊदी अरब ने मंगलवार सुबह यमन के मुकल्ला पोर्ट पर बमबारी की थी।

न्यूजीलैंड में सिखों का विरोध बढ़ा

विरोधी बोले- हेलमेट की छूट, गातरा पहनते हैं, खालिस्तान का झंडा फहरा रहे, चुनाव की वजह से ध्रुवीकरण

वेलिंगटन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड में सिखों-हिंदुओं और अन्य धर्मों पर बयानबाजी तेज हो गई है। कई लोग और गुट क्रिश्चियन के अलावा अन्य धर्मों का न्यूजीलैंड में विरोध भी कर रहे हैं। बीते दिनों सिखों के नगर कीर्तन को रोकने वाले ब्रायन टमाकी गुट के अलावा न्यूजीलैंड के न्यू नेशन पार्टी के नाम पर बने पेज पर भारतीय लोगों को लेकर बहस की जा रही है।

इसका कारण न्यूजीलैंड में 2026 का आम चुनाव बताया जा रहा है। हालांकि इसकी डेट फाइनल नहीं हुई है। लेकिन इससे पहले सिख निशाने पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के होली हेक पेज पर पहली बार सिख नगर कीर्तन का विरोध करने वाले टमाकी के

समर्थक ने कहा कि न्यूजीलैंड में बहुत से हाका करने के विरोध में हैं। वे लोग नहीं जानते कि वह क्या कह रहे हैं। वे पागल हो चुके हैं। टमाकी समर्थक ने कहा कि हम सिखों का विरोध नहीं कर रहे। विरोध खालिस्तानी झंडे लहराने, एक देश में दो तरह के कानून बनाने और बढ़ते विदेशियों की संख्या के खिलाफ है।

न्यूजीलैंड के एक अन्य न्यूज नेशन पार्टी पेज पर ब्रेंट डगल्स कहते हैं कि दक्षिण ऑकलैंड में नगर कीर्तन को रोकने वाले ब्रायन टमाकी और डेस्टिनी चर्च से जुड़े लोगों को आप समर्थन करें या न करें। लेकिन इन्होंने न्यूजीलैंड में सिखों से जुड़े कुछ मुद्दों को सामने लाया है।

सरकार का एंटी गुट बना रहा धार्मिक माहौल: न्यूजीलैंड में इसी साल आम चुनाव होने हैं। चुनाव के लिए अभी डेट फाइनल नहीं हुई है। लेकिन इससे पहले माहौल को धार्मिक रंगत दी जा रही है।

जोधपुर में एनजीटी की सख्ती : जोजरी को 'जहर' से बचाने के लिए सबसे बड़ा एक्शन, 35 बीघा में गरजी 25 जेसीबी

जोधपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों की सख्ती से पालना करते हुए जोधपुर जिले के लूणी क्षेत्र के भांडूकलां में अवैध रूप से संचालित रंगाई-छपाई और धुलाई की औद्योगिक इकाई पर प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

जोधपुर विकास प्राधिकरण और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की संयुक्त टीम ने भारी पुलिस जाप्ते के साथ करीब 35 बीघा क्षेत्र में फैली इस अवैध इकाई को ध्वस्त कर दिया। देवेंद्र सिंह नामक व्यक्ति जोजरी नदी से सटी भूमि पर लंबे समय से इस इकाई का संचालन कर रहा था।

10 अतिरिक्त जेसीबी मशीनें मंगवाई

जेडीए के अधिकारी और पुलिस जाप्ता सुबह करीब 8 बजे मौके पर पहुंचा, उस समय इकाई बंद मिली। इसके बाद अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी ने बताया कि इकाई का क्षेत्रफल काफी बड़ा होने के कारण मौके पर 10 अतिरिक्त जेसीबी मशीनें मंगवाई गईं। कुल 25 जेसीबी की मदद से पक्के निर्माण को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई करीब 10 घंटे तक चली।

700 से अधिक कर्मचारी करते हैं कार्य

जेडीए उपायुक्त रामजी भाई कलबी और दिनेश मीणा ने बताया कि जब अवैध इकाई को ध्वस्त किया गया, तब आसपास के लोगों ने जानकारी दी कि यहां 700 से अधिक कर्मचारी कार्यरत थे। मौके से जब्त मशीनों को क्रेन की सहायता से हटाकर प्रदूषण नियंत्रण मंडल को सौंप दिया गया।

बिना उपचारित पानी सीधे जोजरी में जा रहा

जांच के दौरान सामने आया कि इन अवैध औद्योगिक इकाइयों में हजारों की संख्या में कपड़े धोने और रंगाई-छपाई की मशीनें संचालित की जा रही थीं। फैक्ट्रियों से निकलने वाला रसायनों से युक्त जहरीला और अत्यंत प्रदूषित पानी बिना किसी उपचार संयंत्र के सीधे जोजरी नदी में छोड़ा जा रहा था। लंबे समय से चल रहे इस प्रदूषण के कारण जोजरी नदी का अस्तित्व संकट में पड़ गया था। साथ ही आसपास के क्षेत्र की भूमि, भूजल और पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा था।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी रहे मौजूद

पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व जेडीए के दो उपायुक्तों ने किया। इस दौरान एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह क्षेत्र पहले ही संवेदनशील पर्यावरणीय जोन घोषित किया जा चुका है, इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर अवैध औद्योगिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। एनजीटी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण, मशीनरी और अन्य संरचनाओं को जेसीबी की सहायता से पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

अजमेर दरगाह में शिव मंदिर के दावे की सुनवाई टली, अगली सुनवाई 21 फरवरी को

अजमेर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर दरगाह परिसर में शिव मंदिर होने के दावे से जुड़े मामले की सुनवाई एक बार फिर टल गई है। शनिवार को सिविल कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई वकीलों के वर्क सस्पेंड के कारण नहीं हो सकी। अब कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 21 फरवरी 2026 तय की है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट परिसर में हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता, पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा और हाईकोर्ट के वकील संदीप कुमार मौजूद रहे। किसी भी तरह की तनावपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए कोर्ट के बाहर पुलिस का भारी जाब्ता तैनात किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था की कमान सीओ शिवम जोशी के हाथ में रही, जबकि दो थानों के थाना अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

हिंदू सेना के प्रमुख विष्णु गुप्ता ने सिविल कोर्ट में याचिका दायर कर अजमेर दरगाह परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) से सर्वे कराने और कथित शिव मंदिर स्थल पर पूजा की अनुमति देने की मांग की है। याचिका में दावा किया गया है कि दरगाह परिसर में प्राचीन शिव मंदिर के अवशेष मौजूद हैं, जिनकी ऐतिहासिक जांच जरूरी है।

इस याचिका का मुस्लिम पक्ष की अंजुमन कमेटी ने कड़ा विरोध किया है। कमेटी का कहना है कि यह मामला सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है और 1991 के प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के खिलाफ है। अंजुमन कमेटी के अनुसार, कानून में 1947 की स्थिति को बनाए रखने का स्पष्ट प्रावधान है, ऐसे में इस तरह की याचिकाएं असंवैधानिक हैं।

हाईकोर्ट के वकील संदीप शर्मा ने बताया कि अजमेर में वकीलों के वर्क सस्पेंड रहने के कारण अदालत में प्रभावी सुनवाई नहीं हो सकी। इसी वजह से कोर्ट ने 21 फरवरी 2026 की अगली तारीख तय की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दरगाह उर्स के दौरान वीआईपी चादर पेश करने से जुड़ा मामला सिविल कोर्ट से वापस ले लिया गया है।

वकील संदीप शर्मा ने बताया कि 7/11 से जुड़ा एक अन्य मामला अभी पेंडिंग है। उम्मीद है कि उसका जल्द निपटारा होगा, ताकि संबंधित मामलों में आगे की कानूनी प्रक्रिया सुचारू रूप से आगे बढ़ सके। फिलहाल सुनवाई टलने के बावजूद इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज बनी हुई है। अब सभी की नजरें 21 फरवरी 2026 को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं।

कार में परिवहन करते हुए 20 किलो डोडा पोस्त चूरा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

चूरू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा सीमा पर स्थित गांव गोठया बड़ी के पास एनएच 52 पर पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध डोडा पोस्त सहित एक कार को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की कब्जे से 20 किलो डोडा पोस्त बरामद किया है प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नागौर के गांव खरनाल से डोडा पोस्त भरकर और तस्करी कर हरियाणा के हिसार ले जा रहा था। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई की है। थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि एसआई सुरेश कुमार ने पुलिस दल के साथ कार्रवाई करते हुए मामले में राजेश (39) पुत्र दर्शन सिंह निवासी डॉ. अंबेडकर बस्ती, वार्ड नंबर 2, विकास नगर ऑटो मार्केट के पास, हिसार, पुलिस थाना सिटी नंबर एक, जिला हिसार को गिरफ्तार किया है। साथ ही 20 किलो अवैध डोडा पोस्त चूरा के साथ मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त कार को भी जब्त किया है।

खनन माफिया ने सरकारी टीम पर किया पथराव

वाहनों से टक्कर की कोशिश; एसपी की सख्त कार्रवाई की चेतावनी

नागौर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में अवैध खनन माफिया की बेखौफी एक बार फिर सामने आई है। जिले के मुंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत बू-नरावता (बुनरावता) गांव में चिनाई पत्थर के अवैध खनन को रोकने पहुंची संयुक्त टीम पर माफिया ने खौफनाक हमला कर दिया। हमलावरों ने सरकारी वाहनों को टक्कर मारने की कोशिश की, बड़ी संख्या में पत्थर फेंके और टीम को जान से मारने की धमकी दी। यह घटना अवैध खनन माफिया की बढ़ती हिम्मत को उजागर करती है, जहां 2500 बीघा से अधिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध माइनिंग हो रही थी।खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम को अवैध खनन की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। टीम में तहसीलदार बुधाराम सोहू, खनिज विभाग के प्रेमसुख फोरमैन और पुलिस के हेड कांस्टेबल प्रेमप्रकाश सहित अन्य जवान शामिल थे। टीम पहुंचते ही अवैध खनन में लगे लोग इधर-उधर भाग गए। टीम ने मौके का जायजा लिया और कुछ देर बाद वापस लौटने लगी।

लेकिन करीब सवा घंटे बाद माफिया के गुर्गे बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर लौट आए। उन्होंने कैम्पर और अन्य वाहनों से सरकारी गाड़ियों को टक्कर मारने की कोशिश की और खनिज-पुलिस टीम पर जमकर पथराव किया। हमले की सूचना पर एसडीएम और सीआई सुरेश चौधरी मय जाब्ते मौके पर पहुंचे।

मौके से डंपर, जेसीबी और मोटरसाइकिलें जब्त

टीम ने मौके से एक डंपर, एक जेसीबी मशीन और 9 मोटरसाइकिलें जब्त कीं। पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे पूछताछ जारी है। मुंडवा थाने में खनिज विभाग की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कछावा ने मामले की खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कानून व्यवस्था पर सीधा हमला है। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी होगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने अवैध खनन के खिलाफ चल रही मुहिम को और तेज करने के संकेत दिए। राजस्थान में अवैध खनन की समस्या लंबे समय से चली आ रही है, जहां माफिया न केवल सरकारी राजस्व को चूना लगा रहे हैं बल्कि पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं।

बालोतरा और बाड़मेर जिले की बदल गई सीमा

बाड़मेर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में पूर्व सरकार के कार्यकाल में नए जिले बनने के बाद इनके पुनर्गठन को लेकर काम चल रहा है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने बालोतरा और बाड़मेर जिलों को बालोतरा और बाड़मेर पुनर्गठन में कुछ बदलाव किया है, जिससे दोनों जिलों की सीमा बदल जाएगी। सरकार की ओर से संशोधन के अनुसार दोनों जिले के उपखंड और तहसीलों में संरचना में बदलाव आया है। संशोधन के तहत गुड़ामालानी और धोरीमन्ना उपखंड बालोतरा जिले में शामिल किए गए, जबकि बायतू उपखंड बाड़मेर जिले में गया। बायतू की दो तहसील, गिड़ा और पाटोदी, बालोतरा जिले में शामिल की गईं। इस बदलाव के बाद बालोतरा जिले की नई प्रशासनिक संरचना में कुल 5 उपखंड, 9 तहसील और 5 उपतहसील होंगी। दरअसल 31 दिसंबर को जारी हुए इस आदेश की अधिसूचना सोशल मीडिया पर वायरल हुई। वहीं लोग इसे लेकर मिली जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस निर्णय के बाद इलाके में खुशी और नाराजगी दोनों का माहौल है। साथ ही इस मुद्दे पर सियासी हलचल भी तेज होने लगी है। पूरे मामले में बायतू से कांग्रेस विधायक हरीश चौधरी ने एक्स अकॉउंट पर प्रतिक्रिया दी है। इसमें लिखा है कि 'तुम इधर भेजो मुझे , तुम उधर भेजो मुझे, नक़्शों से खेल कर चाहे जिधर भेजो मुझे. मैं अपने लोगों के साथ खड़ा हूं चाहे किधर भेजो मुझे'।

खाटूश्यामजी में भक्तों को लूटती हैं महिलाएं

बाप-बेटा और बहू गैंग में शामिल, 2 पति-पत्नी समेत 18 लोग गिरफ्तार

सीकर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सीकर के खाटूश्यामजी में पुलिस ने चोरों के ऐसे गिरोह को पकड़ा है, जिसमें बाप-बेटा और बहू शामिल हैं। पुलिस ने गिरोह के 18 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पति-पत्नी और रिश्तेदार भी शामिल हैं। गिरोह की महिलाएं एक ग्रुप बनाकर टारगेट के तहत चारों ओर फैल जाती हैं। इसके बाद उन्हें बातों में लगाकर उनसे सोने की चेन गायब कर देती हैं। मौका पाकर वहां से फरार हो जाती हैं, या फिर वारदात करने के तुरंत बाद अपने पुरुष साथियों को चेन सौंप देती हैं, जिससे कि यदि महिलाएं पकड़ी भी जाएं तो उनसे चेन बरामद न हो सके। नए साल के मौके पर पुलिस ने प्लानिंग के तहत भीड़ से इन सभी आरोपियों को दबोचा। एसएचओ पवन कुमार चौबे ने बताया- एकादशी और मासिक मेले के दौरान चेन स्नेचिंग, जेब काटने की कई घटनाएं सामने आई थी। ऐसे में इस बार नए साल के मौके पर डएसटी टीम के इंचार्ज वीरेंद्र यादव, कैलाश चंद यादव और टीम के साथ मिलकर प्लानिंग की गई। दर्शन के एंट्री एरिया से लेकर एग्जिट एरिया तक सादा वर्दी में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। जिन्होंने पूर्व में हो चुकी घटनाओं के तरीके पर नजर रखी। जैसे ही पुलिस को कुछ संदिग्ध नजर आया उसके आधार पर पुलिस ने गैंग के लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने इस तरह की वारदातें करना कबूल किया। खाटूश्यामजी में चेन स्नैचिंग के आरोप में 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इनमें भूमिका (20) पत्नी दीपक (निवासी नरेडा, पटौदी, हरियाणा), पिंकी (27) पत्नी मनोज बावरिया (निवासी बहरोड़), पूजा (28) पत्नी सोनू (निवासी नरेडा), और टीना (29) पत्नी विकास (निवासी नरेडा) शामिल हैं।

इनके अलावा शर्मिला (37) पत्नी रामचंद्र (निवासी नरेडा), ज्योति (30) पत्नी राजकुमार (निवासी फिरोजपुर), काजल (20) पुत्री सुंदरलाल (निवासी झज्जर), राखी कुमारी (23) पुत्री रमेश (निवासी गाजियाबाद), दर्शना (40) पत्नी राजू (निवासी गाजियाबाद), कोमल (22) पुत्री रामानंद (निवासी नरेडा), और जयपाल (62) पुत्र चंद्रभान (निवासी फिरोजपुर) भी गिरफ्तार किए गए हैं।

राजकुमार (30) पुत्र जयपाल (निवासी फिरोजपुर), जयकरण (34) पुत्र रमेश (निवासी हरियाणा), मोहनसिंह (24) पुत्र भूपसिंह (निवासी नरेडा), दीपक (22) पुत्र राजू (निवासी नरेडा), भरतपाल (21) पुत्र राजेश (निवासी नरेडा), रोहित (24) पुत्र किशनपाल (निवासी नरेडा), और प्रवीण चौहान (23) पुत्र उम्मेद सिंह (निवासी नरेडा) शामिल हैं। यह गिरोह पिछले सात-आठ महीने से सक्रिय था। गिरोह के सदस्य हर महीने एकादशी जैसे भीड़भाड़ वाले दिनों में वारदात करने के लिए किराए की गाड़ी लेकर खाटूश्यामजी आते थे। वारदात को अंजाम देने के बाद, वे तुरंत फरार हो जाते थे। खाटू में अत्यधिक भीड़ के कारण, इन आरोपियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता था। एसएचओ पवन कुमार चौबे ने बताया- इस बार इतनी भीड़ होने के बावजूद भी चेन स्नैचिंग की एक भी घटना नहीं हुई। पुलिस की सतर्कता के कारण गिरोह को वारदात करने का मौका नहीं मिला।

वसीयत पर आया नया कानूनी मोड़

आरोपों को लेकर लक्ष्यराज सिंह नाराज, 12 जनवरी को होगी सुनवाई

उदयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मेवाड़ पूर्व राजपरिवार के दिवंगत सदस्य अरविंदसिंह मेवाड़ की वसीयत को लेकर चल रहे विवाद ने नया और संवेदनशील मोड़ ले लिया है। उनकी दोनों बेटियां-पद्मजा कुमारी और भार्गवी कुमारी ने कोर्ट में दायर याचिका में पिता की निर्णय लेने की स्थिति पर सवाल खड़े किए। आरोप लगाया कि पिता स्वस्थ नहीं थे, ऐसे में उनकी ओर से बनाई गई अंतिम वसीयत को वैध नहीं माना जा सकता। पद्मजा और भार्गवी ने मुंबई हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में कहा था कि वसीयत तैयार करने के दौरान पिता विवेकपूर्ण निर्णय लेने की स्थिति में नहीं थे। इसी आधार पर दोनों बहनों ने वसीयत को चुनौती दी। बेटियों ने दावा किया कि उन्हें पिता की स्व-अर्जित संपत्तियों में हिस्सा मिलना चाहिए। याचिका में जिन संपत्तियों का उल्लेख किया गया है, उनमें उदयपुर स्थित शिकारबाड़ी की जमीन, मुंबई के मेवाड़ हाउस के छठे माले का आधा हिस्सा और मुंबई स्थित दार्जिलिया हाउस सहित अन्य संपत्तियां शामिल बताई गई है।

लक्ष्यराज सिंह की तीखी प्रतिक्रिया

मामले में अरविंदसिंह मेवाड़ के पुत्र लक्ष्यराज सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी। कहा कि संपत्ति के लालच में बहनों ने पिता की छवि को ठेस पहुंचाई। कहा कि पिता जैसी शख्सियत को इस तरह अपमानित करना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस विषय पर दोनों बहनों से आरोप और लक्ष्यराज की प्रतिक्रिया पर सवाल किया गया, तो किसी टिप्पणी से इनकार कर दिया।

दिल्ली हाईकोर्ट में 12 जनवरी को सुनवाई

मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों के बीच संपत्तियों को लेकर शुरू हुए बहुचर्चित मामले में अगली सुनवाई 12 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में निर्धारित है। दोनों बहनों ने वसीयत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जोधपुर और मुंबई हाईकोर्ट में लंबित केस दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित कर दिए।पक्षकारों को 12 जनवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में पेश होने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले एक पक्ष ने मुम्बई के केस को जोधपुर स्थानांतरित करने और दूसरे पक्ष ने जोधपुर के केस को मुम्बई स्थानांतरित करने की याचिका लगाई थी।

पुलिस लाइन में कांस्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली

जैसलमेर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर से शनिवार सुबह दर्दनाक घटना सामने आई है। जैसलमेर पुलिस लाइन में एक कांस्टेबल ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान नरेंद्र मीणा (30) निवासी सवाई माधोपुर के रूप में हुई है। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार कांस्टेबल नरेंद्र मीणा जैसलमेर पुलिस लाइन में अपने सरकारी क्वार्टर में रहते थे। कुछ दिन पहले उनका परिवार सवाई माधोपुर गया हुआ था, जिसके चलते वे घर में अकेले रह रहे थे।

कांस्टेबल सुबह जब बाहर नहीं आए तो साथी पुलिसकर्मियों को शक हुआ और उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। लेकिन, अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। अनहोनी की आशंका के चलते पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का नजारा देख सभी सन्न रह गए। कमरे में नरेंद्र का शव लहूलुहान हालत में पड़ा था।

सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। टीम ने मौके से सर्विस रिवॉल्वर को कब्जे में ले लिया गया है। शव को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और परिजनों को सूचना भिजवा दी है। उनके पहुंचने के बाद ही पूरे मामले में स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी

पुलिस के अनुसार घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। प्रारंभिक जांच में किसी बाहरी व्यक्ति की भूमिका सामने नहीं आई है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस हर एंगल से जांच में जुटी हुई है।

कोटा में घने कोहरे के बीच बड़ा हादसा

गहरी खाई में गिरी 48 यात्रियों से भरी बस; 12 घायल

कोटा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अधिकतर जिलों में आज सुबह से ही घना कोहरा छाया हुआ है। कोहरे के चलते नागौर के बाद अब कोटा में बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोटा-झालावाड़ हाईवे पर शनिवार को एक बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

जानकारी के मुताबिक हादसा शनिवार सुबह 6 बजे कोटा जिले में नेशनल हाईवे 52 पर कसार गांव के निकट हुआ। कोहरे के चलते बस अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। हादसे में एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। जिनमें से तीन लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया है।

हादसे के बाद मच गई चीख-पुकार

हादसे के दौरान अधिकतर यात्री नींद में थे। ऐसे में उन्हें संभलने को मौका नहीं मिला। बस के पलटते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हादसे की सूचना पर स्थानीय लोग मदद को दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से सभी यात्रियों को बस से बाहर निकाला। हादसे में 3 लोग गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए कोटा भेजा गया है।

हादसे के वक्त बस में 48 यात्री सवार थे और बस बीकानेर से भोपाल की ओर जा रही थी। तभी कोटा के अलानिया क्षेत्र में बस खाई में पलट गई। हादसे के बाद करीब 20 मिनट तक हाईवे पर जाम के हालात बन गए।

कोलड्रिंक-टॉफी देने के बहाने नाबालिग को घर बुलाकर कई बार किया दुष्कर्म

50 साल के आरोपी को उम्रकैद

अलवर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अलवर की पॉक्सो कोर्ट संख्या दो ने 12 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग के साथ कोलड्रिंक व टॉफी के बहाने बार-बार दुष्कर्म करने के मामले में 50 वर्षीय आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने जुर्माने के साथ पीड़िता को मुआवजा दिलाने की भी अनुशंसा की। पॉक्सो कोर्ट-2 ने फैसला सुनाते हुए आरोपी पर 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इस राशि में से 2 लाख रुपये पीड़िता को प्रतिकर के रूप में दिलाने की अनुशंसा की गई। न्यायाधीश शिल्पा समीर ने सजा सुनाई तथा स्पष्ट संदेश दिया कि नाबालिगों के खिलाफ जघन्य अपराध करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। सजा के बिंदु पर आरोपी के वकील ने न्यायालय से नरमी बरतने का निवेदन किया। सरकारी वकील पंकज यादव के कड़े विरोध के बाद न्यायाधीश शिल्पा समीर ने सख्त टिप्पणी की कि आरोपी ने खिलौनों से खेलने की उम्र की नाबालिग की मासूमियत का फायदा उठाकर जघन्य अपराध किया है। इस अपराध का प्रभाव न केवल तात्कालिक बल्कि पीड़िता के पूरे जीवन, उसके मन और मस्तिष्क पर पड़ेगा। पीड़िता के पिता ने 12 नवंबर 2024 को अरावली विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी ने उनकी 12 वर्ष से कम उम्र की बेटी को कोलड्रिंक व टॉफी जैसी चीजें देने के बहाने बहला-फुसलाकर दुष्कर्म किया। बाद में डरा-धमकाकर बार-बार बुलाता रहा। आरोप है कि आरोपी ने करीब एक वर्ष के भीतर 10 से 15 बार बच्ची के साथ दुष्कर्म किया।

बुजुर्ग से लूट का पर्दाफाश : सस्ते मकान का झांसा देकर छीनी सोने की मुर्की, पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

जालोर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने लूट के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूट की गई सोने की कान की मुर्की और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। इस कार्रवाई से इलाके में राहत की सांस ली जा रही है। जालोर जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्रसिंह इंदोलिया के निर्देश पर जिले में हत्या, लूट और अन्य गंभीर अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सांचौर आवड्दान रतनू और उप अधीक्षक वृत सांचौर जयराम मुण्डेल के सुपरविजन में सांचौर थाना पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की।

पुलिस थाना सांचौर में दर्ज प्रकरण की जांच के लिए थानाधिकारी नेमाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया और उनसे गहन पूछताछ की।

पुलिस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें, इन्द्र कुमार पुत्र होतीराम जीनगर (25) निवासी रामदेव कॉलोनी सांचौर, राकेश कुमार पुत्र पवन कुमार जीनगर (29) निवासी रामदेव कॉलोनी सांचौर और चेतन पुत्र मगराज सोनी (42) निवासी अरणियाली, हाल दादावाड़ी सांचौर शामिल हैं। जांच में आरोपियों के खिलाफ धारा 309(6) और 317(2) बीएनएस के तहत अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया।

शीर्ष पीएलजीए कमांडर बदसे सुक्का उर्फ देवा का 20 साथियों के साथ आत्मसमर्पण : डीजीपी

देवा पर था 75 लाख रुपए का इनाम, राजी रेड्डी ने भी हथियार डाला * माओवादियों से हथियार डालने की अपील, पीएलजीए के कमजोर पड़ने का दावा

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने शनिवार को वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में बड़ी सफलता की घोषणा करते हुए बताया कि शीर्ष पीएलजीए कमांडर बदसे सुक्का उर्फ देवा और तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य कंकनाला राजी रेड्डी सहित 20 माओवादी कैडरों ने भारी मात्रा में हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है। पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की सशस्त्र शाखा है। यहां आयोजित प्रेस वार्ता में डीजीपी ने कहा कि इन आत्मसमर्पणों से 'पीएलजीए युग का अंत' संकेतित होता है और इससे तेलंगाना व आसपास के क्षेत्रों में सीपीआई (माओवादी) को निर्णायक झटका लगा है। आत्मसमर्पण करने वालों में 17 कट्टर माओवादी शामिल हैं, जिनके साथ 48 हथियार और 2,200 से अधिक कारतूस बरामद हुए हैं। पीएलजीए बटालियन के कमांडर और मारे गए माओवादी हिड़मा के करीबी सहयोगी बदसे सुक्का उर्फ देवा ने आत्मसमर्पण किया। उस पर तेलंगाना, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र पुलिस और एनआईए द्वारा घोषित कुल 75 लाख रुपए का इनाम था। तेलंगाना राज्य समिति (टीएससी) के वरिष्ठ सदस्य कंकनाला राजी रेड्डी ने भी हथियार डाल दिए, जिससे राज्य में केवल एक एससीएम सक्रिय रह गया है। सौंपे गए हथियारों में एलएमजी, एके-47, इंसास राइफलें, एसएलआर, अमेरिका निर्मित कोल्ट राइफल, इज़राइली टेवर राइफल, ग्रेनेड लॉन्चर सहित अन्य हथियार शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि पीएलजीए बटालियन की संख्या 400 से घटकर 66 रह गई है, जो उसके पूरी तरह कमजोर होने को दर्शाता है। उनके अनुसार, इन आत्मसमर्पणों से तेलंगाना में सीपीआई (माओवादी) की संचालन क्षमता पंगु हो गई है। इनाम और पुनर्वास के संबंध में डीजीपी ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों को राज्य की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत कुल 1.81 करोड़ रुपअ दिए जाएंगे। प्रत्येक को तत्काल 25,000 की सहायता पहले ही प्रदान की जा चुकी है, जबकि आगे वित्तीय सहायता और पुनर्वास लाभ दिए जाएंगे। डीजीपी के अनुसार, कैडरों ने वैचारिक मोहभंग, आंतरिक मतभेद, कठोर जीवन स्थितियां, सुरक्षा बलों का निरंतर दबाव और परिवारों से दूरी को हथियार छोड़ने के प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा कि ये आत्मसमर्पण मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उस अपील के बाद भी हुए हैं, जिसमें उन्होंने माओवादियों से मुख्यधारा में लौटने का आह्वान किया था। राज्य सरकार की नीति दोहराते हुए डीजीपी शिवधर रेड्डी ने शेष माओवादियों से हिंसा त्यागने, हथियार सौंपने और अपने गांवों में लौटने की अपील की। उन्होंने कहा, पुनर्वास और सम्मान के द्वार खुले हैं, और तेलंगाना सरकार की नीति के तहत पूर्ण सुरक्षा और सहयोग का आश्वासन दिया।

अब तक 576 माओवादियों के आत्मसमर्पण के साथ, पुलिस का मानना है कि क्षेत्र में सीपीआई (माओवादी) अभूतपूर्व संगठनात्मक पतन का सामना कर रही है, जो उग्रवाद के खिलाफ तेलंगाना की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत है।

सावित्री बाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका: उषा संतोष

मदनूर, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले जयंती के अवसर पर स्थानिक जिला परिषद हाई स्कूल में उनके प्रतिमा को फूल माला चढ़ाकर जयंती मनाई गई। नवनिर्वाचित सरपंच उषा संतोष मिस्त्री ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया व सावित्री बाई फुले प्रतिमा को पूजा-अर्चना करते हुए फूल माला अर्पण की। उन्होंने आगे बताया कि 3 जनवरी 1831 को जन्म हुआ वह एक भारतीय समाज सुधारक, शिक्षाविद और कवयित्री थीं। उन्हें भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में जाना जाता है। अपने पति महात्मा ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर उन्होंने भारत में महिलाओं के अधिकारों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान पाठशाला अध्यापकों ने सरपंच को शाल से सम्मानित किया।

ज्वेलरी शॉप में पिस्तौल-कुल्हाड़ी लेकर घुसे बदमाश

दुकानदार अकेले ही दोनों से भिड़ा, लुटेरे ज्वेलरी से भरा बैग छोड़कर खाली हाथ भागे

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रामपल्ली एक्स रोड्स इलाके में एक ज्वेलरी शॉप में लूट की बड़ी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को दो अज्ञात बदमाश अपने चेहरे ढककर दुकान में घुसे थे लेकिन दुकानदार ने बहादुरी से दोनों लुटेरों का सामना किया और उन्हें खाली हाथ भगा दिया।

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है। इसका वीडियो शनिवार को वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग दुकानदार की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में दिखता है कि दो लोग ज्वेलरी लूटने दुकान में घुसते हैं।

एक बदमाश के हाथ में पिस्तौल और दूसरे के पास कुल्हाड़ी थी। बदमाशों ने दुकानदार को हथियार दिखाकर डराने की कोशिश की। लेकिन दुकानदार की बहादुरी देखकर बदमाश घबरा गए और बिना कुछ लूटे मौके से फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देता है कि जब बदमाश दुकान में घुसे उस समय वहां दो ग्राहक मौजूद थे, जिन्हें पिस्तौल दिखाकर बाहर भगा दिया गया। दुकान में करीब पांच साल की एक बच्ची भी थी, जो हमले के दौरान डरी-सहमी कुर्सी पर बैठी रही।

घटना के दौरान एक बदमाश ने दुकानदार को धक्का देकर गिरा दिया और दूसरा गहने बैग में भरने लगा। इसी बीच दुकानदार ने हिम्मत दिखाई, खुद को संभाला और दोनों बदमाशों पर हमला कर दिया। उसने मुक्कों से जवाब दिया और अकेले ही दोनों को दुकान से बाहर खदेड़ दिया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

भाषा और भावना आपस में प्रेम व भाईचारा को बढ़ाते है : वेमुला श्रीनिवासुलु

'विसंगति और विडंबना के चितेरे : श्रीलाल शुक्ल' पर संगोष्ठी आयोजित

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पं. श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति, भाग्यनगर, हैदराबाद एवं दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, (आंध्र एवं तेलंगाना) हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में ' विसंगति और विडंबना के चितेरे: श्रीलाल शुक्ल' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन डॉ. सीमा मिश्रा के संयोजन में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी, मुख्यमंत्री कार्यालय, तेलंगाना सरकार, वेमुला श्रीनिवासुलु ने अपने वक्तव्य में 'वसुधैव कुटुंबकम' की बात की। उन्होंने कहा कि भाषा कोई भी हो किंतु हृदय से हम सब मनुष्य हैं। भाषा और भावना आपस में प्रेम व भाईचारा को बढ़ाते है। सभी भाषाओं की अपनी मिठास है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं हिंदी सेवी डॉ. सीमा मिश्रा के द्वारा कान्यकुब्ज ब्राह्मण शिरोमणि, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता पद्मभूषण पं. श्रीलाल शुक्ल से भेंटवार्ता आशीर्वाद प्राप्त करके उनके समग्र साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन पर शोधोपाधि केवल तीन वर्षों के भीतर प्राप्त करना एक बड़ी उपलब्धि हैं और अपने लेखक साहित्यकार के साथ अन्य चार लेखक को पर डाक विभाग, दूरसंचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेष डाक टिकट व पोस्टल कवर निकलवा कर उन्ही पर निरंतर अनवरत 18 वर्षों से देश एवं विश्व के गणमान्यो को आमंत्रित कर अपने बुते राष्ट्रीय संगोष्ठियों एवं एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, हैदराबाद महानगर में धैर्यता पूर्वक करके एक कीर्तिमान स्थापित कर दिखलाया। वे निश्चय ही विशेष बधाई की पात्र है। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्रो. ऋषभ देव शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हर रचनाकार श्रीलाल शुक्ल नहीं होता। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय, के पूर्व न्यायाधीश, जस्टिस वामन राव, अपने वक्तव्य में बताया कि दक्षिण प्रांत में हिंदी पुस्तकों का अभाव है। आगे उन्होंने कहा कि यदि आज श्रीलाल शुक्ल जी होते तो आज की व्यवस्था पर क्या कहते /क्या लिखते ? दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, (आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना) के सचिव प्रभारी, राधाकृष्ण मिरियाला, ने अपने वक्तव्य में हर्षित होते हुए कहा कि सभा में इस प्रकार के कार्यक्रम होते रहने चाहिए। आंध्र प्रदेश सरकार के (पूर्व) अपर पुलिस महानिदेशक पं. श्रीराम तिवारी, ने अपने वक्तव्य में आशीर्वचन देते हुए कहा कि 'सत्य को खोजना ही जीवन का लक्ष्य है।' उन्होंने कहा कि कर्म हमेशा मनुष्य के साथ चलता है, जो जैसा करता है, उसे वैसे ही फल की प्राप्ति होती है।उन्होंने कहा कि जैसा कि रामचरित मानस में लिखा है कि 'कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, जो जस करहि सो तस फल चाखा।'

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/361,दि.30-12-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 23-01-2026 के 16.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी. नं.361, कार्य विवरणः गुंटूर डिवीजन में आडियो/वाईस रिकार्डिंग सुविधा सहित वीएचएफ सेट्स के कार्यान्वयन के साथ संबंधित टेलिकाम व्यवस्था कार्य।

विज्ञापित निविदा मूल्य रु.2,57,95,593.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा/बोली सुरक्षा रु. 2,79,000.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.शून्य

यदि निविदाएं खोलने की तिथि को तदनंतर छुट्टी घोषित होती है तो निविदाओं को उसके अगले कार्य दिवस में निर्धारित समय पर खोला जायेगा।

ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की तिथि 23-01-2026 के 16.00 बजे तक है। विस्तृत जानकारी हेतु हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।

अधिक संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

एसआर.डीएसटीइ/गुंटूर

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.29/इलेक/जीएस/एससी/4/डब्ल्यूएस/ओटी/2025-26, दि.31-12-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.21-01-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, ई-निविदा सूचना सं. ईटेंडर नं. सी/इ.29/इलेक/जीएस/एससी/4/डब्ल्यूएस/ओटी/2025-26, ई-निविदा सूचना सं. सी-इ.-जीएस-एससी-4-ओटी-2025-26, कार्य विवरणः जीएसयु/एससीः (।) चर्लापल्ली-सीएचजेड पर इलेक्ट्रिक लोकोज के निरीक्षण या इंसपेक्शन तथा रखरखाव गतिविधि हेतु ट्रिप मेनटेनेन्स /अडवान्स इंसपेक्शन के सृजन का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। (।।) सनतनगरः इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के निरीक्षण या इंसपेक्शन तथा रखरखाव गतिविधि हेतु ट्रिप मेनटेनेन्स /अडवान्स इंसपेक्शन के सृजन का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्य रु. 12716171.09, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.213600.00, सीटीएफ रु.0.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 9 महिने

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा नियम शर्ते/अन्य कार्य विवरण उपलब्ध है तथा जिसे डाउनलोड किया जा सकता है एवं जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित यदि कोई परिवर्तन हो तो उसका अवलोकन कर सकते हैं।

निविदा सूचना को, डीवाय. सीईई (गति शक्ति), सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे कार्यालयीन दिनों में देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

डीवाय. सीईई (गति शक्ति)/एससी

संख्याः बी-एसजी-पी-इ-08-एसकेएम-सीजेएम-25-26 दि.01-01-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः बी-एसजी-पी-इ-08-एसकेएम-सीजेएम-25-26, दि.1-1-2026, कार्य विवरणः दक्षिण मध्य रेलवे में विजयवाडा डिवीजन के सिंगारायाकोण्डा (एसकेएम)-चिन्नागंजाम (सीजेएम) सेक्शन में आटोमेटिक ब्लाक सिग्नलिंग सिस्टम के प्रावधान हेतु विस्तृत सिग्नलिंग एवं दूर संचार कार्य। निविदा मूल्य रु. 105,07,00,469.54, बोली सुरक्षा रु.52,54,000.00, सीटीबी रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 480 दिन

क्रम सं.1, कार्य विवरणः बंद करने की तिथि व समयः 12-02-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा के नियम शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, उपरोक्त कार्यों का तत्समान स्वभाव का कार्य, अर्हता मानदंड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों /शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल व दूर संचार), दमरे, विजयवाडा के कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

--डीवाय.सीएसटीई/परियोजनाएं/विजयवाडा

ताड़ी निकालते समय पेड़ पर फंसा कर्मचारी, दमकल ने बचाया

राजोलू गांव में हादसा, जान गई खतरे में

महबूबबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुरावी मंडल के राजोलू गांव में शनिवार को ताड़ी निकालने वाले एक व्यक्ति की जान कुछ समय के लिए खतरे में पड़ गई। वह ताड़ के पेड़ पर चढ़ते समय सुरक्षा उपकरण की टूटने के कारण फंस गया। जानकारी के अनुसार सिलुवेरु वेंकन्ना नामक ताड़ी मजदूर पेड़ पर चढ़कर काम कर रहे थे। ताड़ी निकालने के दौरान पैरों को बांधने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली रस्सी 'गुज्जी' अचानक टूट गई, जिससे वह पेड़ पर ही लटक गए और नीचे नहीं उतर पाए। वेंकन्ना के साथी कर्मचारियों ने तुरंत स्थिति देखी और दमकलकर्मियों को सूचना दी। दमकल वाहन की सीढ़ी की मदद से उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा गया। इस बचाव अभियान को देख रहे स्थानीय लोग राहत की सांस लेकर खुशी से झूम उठे।

शुद्धिपत्र-1, दि,1-1-2026

निविदा सूचना सं. बी-एसजी-पी-इ-05-06इआय-2025-26, दि.1-1-2026 से संबंधित

आपके संदर्भ हेतु शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया हैः

।) निविदा दस्तावेजों में संशोधन किया गया है (तत्संबंधित विवरण हेतु कृपया www.ireps.gov.in रेफर करें।)

(ए) इपीसी समझौता संशोधन या इपीसी अग्रीमेंट रिवीजन-। (बी) व्यवहार्यता या फिजीबिलीटी रिपोर्ट रिवीजन-। (सी) प्रि-बिड क्वेरीज रेसपांस या पूर्व बोली प्रश्नों के उत्तर ।

टिप्पणियाः 1. वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते व अन्य विवरण (जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, अर्हता मानदंड, तत्समान स्वभाव का कार्य आदि) उपलब्ध। 2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि किसी भी परिवर्तनों या अग्र शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। 3. इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (उप सिग्नल व दूर संचार अभियंता/परियोजनाएं/बीजेडए), द.म.रे., विजयवाडा कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

-डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/विजयवाडा

शुद्धिपत्र-1, दि,1-1-2026 निविदा सूचना सं. बी-एसजी-पी-इ-06-6इआय-2025-26, दि.11-12-2025 से संबंधित

आपके संदर्भ हेतु शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया हैः

।) निविदा दस्तावेजों में संशोधन किया गया है (तत्संबंधित विवरण हेतु कृपया www.ireps.gov.in रेफर करें।)

(ए) इपीसी अग्रीमेंट रिवीजन-। (बी) फिजीबीलिटी रिपोर्ट रिवीजन-।

टिप्पणियाः 1. वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते व अन्य विवरण (जैसे कार्य की संपूर्ण जानकारी, अर्हता मानदंड, तत्समान स्वभाव का कार्य आदि) उपलब्ध। 2.भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि किसी भी परिवर्तनों या अग्र शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें। 3. इस निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (उप सिग्नल व दूर संचार अभियंता/परियोजनाएं/बीजेडए), द.म.रे., विजयवाडा कार्यालय पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है। 4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

डीवाय.सीएसटीइ/परियोजनाएं/विजयवाडा

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

अमीरपेट स्थित बी.आर.एस.पूर्व मंत्री एवं सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव को पुष्प-गुलदस्ता भेंटकर नववर्ष की बधाई देते हुए तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष पारसमल रांका, कार्याध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित, उपाध्यक्ष जगदीश प्रसाद वर्मा, सदस्य राजुसिंह राजपुरोहित व अन्य ।

शराब और गांजा पर सख्ती, लगेगा 1 लाख का जुर्माना

रायपुर ग्राम पंचायत का बड़ा फैसला

मेदक, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के रामायम्पेट मंडल की रायपुर ग्राम पंचायत ने गांव में शराब की खपत रोकने के लिए कड़ा फैसला लिया है। नव निर्वाचित पंचायत समिति ने संकल्प लिया है कि गांव में शराब बेचते पकड़े जाने पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। पंचायत ने यह भी तय किया है कि गांजा बेचने या सेवन करने वालों पर भी 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अलावा स्कूल, अस्पताल और मंदिरों के पास शराब पीने पर पूरी तरह रोक रहेगी। नियम तोड़ने वालों पर भी 1 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा।

पंचायत ने बताया कि गांव में शराब की खपत तेजी से बढ़ रही थी, क्योंकि लोग पास में ही चौबीसों घंटे खुली दुकानों से आसानी से शराब खरीद लेते थे। इसी को देखते हुए यह फैसला लिया गया। ग्राम सरपंच सुशीला ने कहा कि इस निर्णय का सभी वार्ड सदस्यों ने समर्थन किया है। उन्होंने बताया कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर सभी ने गांव की भलाई के लिए यह कदम उठाया है, क्योंकि शराब की बिक्री से सभी किसी न किसी रूप में प्रभावित हो रहे थे। पंचायत ने शराब की अवैध बिक्री की सूचना देने वालों के लिए 10 हजार रुपये के नकद इनाम की भी घोषणा की है। साथ ही मुखबिर की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इसके अलावा नाबालिगों को सिगरेट बेचने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है।

नाबालिग केवल अपने माता-पिता की अनुमति से ही सिगरेट खरीद सकेंगे। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पंचायत ने लापरवाही से वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। इसमें दोपहिया वाहन, ऑटो रिक्शा, ट्रैक्टर और चार पहिया वाहन शामिल हैं।

केजीबीवी छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत

मिट्टापल्ली स्थित विद्यालय में मचा हड़कंप

सिद्दीपेट, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट के पास मिट्टापल्ली स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में शुक्रवार रात सातवीं कक्षा की एक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मृतक छात्रा की पहचान हर्षिता (12) के रूप में हुई है। वह बेज्जंकी मंडल के कल्लेपल्ली गांव की रहने वाली थी और विद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। बताया गया कि शुक्रवार रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद छात्रावास के कर्मचारियों ने उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही छात्रावास में रहने वाले अन्य छात्रों और उनके परिजनों में शोक और आक्रोश फैल गया।

एल.बी.नगर स्थित पॉन ब्रोकर्स एवं ज्वैलर्स एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सहसचिव नियुक्त होने पर जगदीश प्रसाद काग का पुष्पमाला व शॉल से सम्मानकर उपस्थित हीरसिंह राजपुरोहित व अन्य।

नारसिंगी स्थित सुधांशुजी महाराज आश्रम में पोष मास की पूर्णिमा के अवसर पर पुजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित सीरवी समाज पारसीगुटा तेलंगाना महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा व प्रवासी महिलाएँ।

गोविंदराजस्वामी मंदिर पर चढ़ा नशेडी

शराब मांगी, पुलिस ने पहुंचाई तब नीचे उतरा; गार्ड्स को चकमा देकर ऊपर पहुंचा था

तिरुपति, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार देर रात गोविंदराजस्वामी मंदिर के ऊपर पर एक व्यक्ति चढ़ गया और हंगामा किया। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा। व्यक्ति की पहचान तेलंगाना के निजामाबाद जिला निवासी कुट्टाडी तिरुपति (45) के रूप में हुई है। वो सिक्योरिटी गाड्र्स को चकमा देकर मंदिर में घुस गया था। पुलिस ने बताया कि उसे शराब देने के बाद नीचे उतारा गया और तिरुपति ईस्ट पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

पुलिस ने बताया कि व्यक्ति दर्शन खत्म होने के बाद नशे की हालत में मंदिर परिसर में घुस गया। मंदिर की दीवार पर चढ़ गया और गोपुरम के ऊपर रखा कलश चुराने की कोशिश भी की। पुलिस, फायर ब्रिगेड और मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों को उस आदमी को नीचे उतारने में तीन घंटे लग गए। मीडिया से बोला- मुझे तो बस 90एमएल चाहिए थी। नीचे उतारे जाने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि क्या यह सच है कि उसने शराब की पूरी बोतल मांगी थी। आदमी ने कहा कि उसे तो बस 90 एमएल चाहिए थी। पुलिस ने तुरंत उसे गाड़ी में बैठाया और थाने लेकर चली गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

अमेरिका का...

वेनेजुएला पर हमले की 3 बड़ी वजहें बताई जा रही हैं। अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं। वेनेजुएला में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा था। अमेरिका यह भी दावा करता है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अवैध गतिविधियों और हिंसा को बढ़ावा दे रहे थे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना के स्पेशल डेल्टा फोर्स ने इस मिशन को अंजाम दिया। इसमें किसी भी अमेरिकी सैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने कहा है कि वह वेनेजुएला में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प से बात करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि मैं हमेशा मानता हूं कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि ब्रिटेन इस हमले में किसी भी तरह से शामिल नहीं था।

ये पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने किसी देश पर सैन्य कार्रवाई करके वहां के राष्ट्रपति या तानाशाह को पकड़ा, इसके पहले 2003 में इराक और 1989 में पनामा में भी कुछ ऐसे ही ऑपरेशन चलाए गए थे।

इस दौरान चीन ने वेनेजुएला की यात्रा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जो चीनी नागरिक, कर्मचारी या संगठन पहले से वेनेजुएला में हैं, उन्हें अपनी सुरक्षा पर ध्यान रखना चाहिए। अगर कोई इमरजेंसी आती है, तो चीनी नागरिक तुरंत लोकल पुलिस या चीनी दूतावास से संपर्क करें। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो फिर से सुर्खियों आ गई हैं। उन्हें 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार मिला था।

मचाडो 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के बाद से छिपकर रह रही हैं। उन्हें आखिरी बार 10 दिसंबर को देखा गया था, जब वे नोबेल शांति पुरस्कार लेने नॉर्वे गई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में हैं।

विश्वविद्यालयों को रैगिंग ...

यूजीसी का कहना है कि किसी उच्च शिक्षा संस्थान में रैगिंग और आत्महत्या जैसा मामला सामने आना बेहद गंभीर है। ऐसे मामले में गहन जांच की जाएगी और संबंधित विश्वविद्यालय को इसके लिए समन किया जाएगा। यूजीसी के मुताबिक ऐसे मामलों में विश्वविद्यालय के संबंधित अधिकारियों को नेशनल एंटी रैगिंग मॉनिटरिंग कमिटी के सामने पेश होना होगा। यहां उनसे रैगिंग को लेकर प्रश्न किए जाएंगे जिनका स्पष्ट उत्तर देना अनिवार्य होगा। दरअसल, यूजीसी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार किए हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों को अपने परिसर में ये नियम लागू करना अनिवार्य है।

'भगवान बुद्ध सबको ...

इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बीते कुछ महीनों में भगवान बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध सबके हैं... सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था। जिस भूमि पर भगवान बुद्ध ने प्रथम उपदेश दिए, वो सारनाथ आज मेरी कर्मभूमि है। भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है।

पूर्व तट रेलवे

(1) ई-निविदा सूचना सं. CAOCRSPBBS-33-2025, दिनांक : 20.12.2025

कार्य का नाम : खोरधा रोड मण्डल के हावड़ा - विशाखापट्टनम मेन लाइन में बारुवा - मन्दसा रोड स्टेशन के बीच कि.मी. 654/14-16 पर समपार सं. 352 के बदले में रोड ओवर ब्रिज (ROB) 1 X 36.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2 X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 15 X 24.0 मीटर RCC T-Beam का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 59,30,24,031.43, EMD : ₹ 31,15,100.00

(2) ई-निविदा सूचना सं. CAOCRSPBBS-34-2025, दिनांक : 20.12.2025

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के खोरधा रोड मण्डल के हावड़ा - विशाखापट्टनम मेन लाइन में मन्दसा -सुम्मादेवी स्टेशन के बीच कि.मी. 668/15-17 पर समपार सं. 364 के बदले में रोड ओवर ब्रिज (ROB) 1 X 36.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 2 X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर (ब्रिज प्रॉपर) + 2 X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर का निर्माण।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 63,89,74,436.72, EMD : ₹ 33,44,900.00

कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 23.01.2026 को 1500 बजे (दोनों क्रम सं. के लिए)

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फार्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B, G & G1 जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण / RSP / भुवनेश्वर

PR-215/CI/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर केकेआर से बाहर

बीसीसीआई के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम ने निकाला

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के कारण विरोध था

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल टीम केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

केकेआर ने ट्वीट किया- बीसीसीआई के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। आईपीएल नियमों के अनुसार बीसीसीआई ने केकेआर को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी।

इससे पहले बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने आज सुबह कहा, हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के IPL में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 14 दिन में 4 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी। जबकि लीग का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाएगा।

निरुपम बोले- शाहरुख अपनी टीम से रहमान को बाहर करें

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने केकेआर के मालिक शाहरुख खान से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने की अपील की थी। निरुपम ने कहा- 'जब पूरा देश बांग्लादेश को लेकर गुस्से और नाराजगी में है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उस बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से हटा दें।'

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- बांग्लादेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

देवकीनंदन बोले- शाहरुख माफी मांगे, 9.2 करोड़ पीड़ित परिवारों को दें

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का बेरहमी से कत्ल किया जा रहा है, उनके घर जलाए जा रहे हैं और उनकी बहनों और बेटियों का रेप किया जा रहा है। ऐसी बेरहम हत्याएं देखने के बाद कोई इतना पत्थर दिल कैसे हो सकता है, खासकर वह जो खुद को एक टीम का मालिक कहता है?

वह इतना क्रूर कैसे हो सकता है कि उसी देश के क्रिकेटर को अपनी टीम में शामिल करे? तुम इस देश का कर्ज कैसे चुकाओगे? एक बांग्लादेशी क्रिकेटर को लाकर और उसे हमारी जमीन पर खिलाकर? हम केकेआर मैनेजमेंट और उनके बॉस से कहेंगे, इस बात को समझो और उस क्रिकेटर को टीम से निकालो।

देवकीनंदन के अलावा धीरेंद्र शास्त्री और जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भी मुस्तफिजुर को हटाने की मांग की थी।

भाजपा नेता संगीत सोम बोले- शाहरुख कभी पाकिस्तान का समर्थन करते कभी बांग्लादेश का

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुनकर मारा जा रहा है। ऐसे में वहां के खिलाड़ियों को खरीदना, यह तो देश के साथ गद्दारी हुई न। शाहरुख खान जैसे लोग गद्दार हैं। ये कभी पाकिस्तान का समर्थन करते हैं तो कभी बांग्लादेश का। ये हर उस देश का समर्थन करते हैं जो हिंदुओं के साथ अत्याचार करता है। जबकि ये गद्दार लोग नहीं जानते कि आपको सुपरस्टार भारत के लोगों ने बनाया है।

केकेआर ने रहमान को 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा

रहमान को शाहरुख की फ्रेंचाइजी केकेआर ने पिछले महीने अबुधाबी में हुए आईपीएल मिनी ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे आईपीएल में बांग्लादेश के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे।

पिछले सीजन में रहमान 3 मैच खेले, 4 विकेट झटके

रहमान ने पिछले सीजन में दिल्ली की ओर से 3 मैच खेले थे और 4 विकेट लिए थे। उन्हें दिल्ली ने 6 करोड़ रुपए में मिचेल स्टार्क की जगह अपने साथ जोड़ा था। स्टार्क ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारियों के लिए आखिरी लीग मैच नहीं खेले थे।

मुस्तफिजुर रहमान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं और अपनी कटर्स और स्लोअर गेंदों के लिए जाने जाते हैं। उनका जन्म 6 सितंबर 1995 को सातारखिरा, बांग्लादेश में हुआ।

रहमान ने 2015 में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने उसी सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट झटके थे। इसके बाद उन्होंने बांग्लादेश के लिए तीनों फॉर्मेट में क्रिकेट खेला। मुस्तफिजुर आईपीएल, बीपीएल और अन्य विदेशी टी20 लीगों में खेलते हैं।

रहमान ने कई बार इंजरी से वापसी की। वे सीमित ओवरों के क्रिकेट में बांग्लादेश की बॉलिंग यूनिट का अहम हिस्सा हैं। उनकी सटीक यॉर्कर और डेथ ओवर्स में किफायती गेंदबाज़ी टीम के लिए खास हथियार मानी जाती है।

आईएसएल निलंबन के मामले पर सामने आए छेत्री सहित अन्य फुटबॉल खिलाड़ी

फीफा से की हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सुनील छेत्री सहित भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलने वाले कई विदेशी खिलाड़ियों नेफुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा से आईएसएल के निलंबन पर हस्तक्षेप की अपील की। अभी तक आईएसएल का 2025-26 सत्र शुरू नहीं हो पाया है। ऐसे में सीनियर राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी छेत्री, गुरप्रीत सिंह संधू और संदेश झिंगन ने लंबे समय से बनी अनिश्चितता पर चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि भारतीय फुटबॉल स्थायी ठहराव की स्थिति में पहुंच रहा है।

खिलाड़ी बोले- एआईएफएफ जिम्मेदारी निभाने की स्थिति में नहीं

खिलाड़ियों ने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अब अपनी जिम्मेदारियां निभाने की स्थिति में नहीं है और उन्होंने देश में खेल के भविष्य की रक्षा के लिए फीफा से आगे आने की अपील की। गुरप्रीत ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए संयुक्त वीडियो बयान में कहा, 'जनवरी का महीना है और हमें इस वक्त आईएसएल के प्रतिस्पर्धी फुटबॉल मैचों में आपकी स्क्रीन पर होना चाहिए था।' झिंगन ने जोड़ा, इसके बजाय हम डर और बेबसी के चलते वह बात कहने को मजबूर हैं, जिसे हम सभी जानते हैं।

अन्य खिलाड़ियों ने कहा, 'सबसे अहम बात यह है कि हम एक गुहार लगाने आए हैं। भारतीय फुटबॉल का प्रशासन अब अपनी जिम्मेदारियां निभाने में सक्षम नहीं है। हम अब स्थायी ठहराव की ओर हैं। जो कुछ बचाया जा सकता है, उसे बचाने की यह आख़िरी कोशिश है। इसलिए हम फीफा से अनुरोध कर रहे हैं कि वह आगे आए और भारतीय फुटबॉल को बचाने के लिए जो जरूरी हो, वह करे।' छेत्री ने निष्कर्ष में कहा, खिलाड़ी, स्टाफ, मालिक और प्रशंसक सभी स्पष्टता, सुरक्षा और सबसे बढ़कर एक भविष्य के हकदार हैं।

क्यों अब तक शुरू नहीं हुआ आईएसएल का सत्र?

आईएसएल के 2025-26 सत्र को जुलाई में इसलिए रोक दिया गया था क्योंकि लीग के पूर्व आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और एआईएफएफ के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह समझौता आठ दिसंबर को समाप्त हो गया जिससे एक संविदात्मक गतिरोध पैदा हो गया और इसमें उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप की भी जरूरत पड़ी। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति की निगरानी में आईएसएल के व्यावसायिक अधिकारों के लिए निविदा जारी की गई, लेकिन कोई बोलीदाता सामने नहीं आया। आईएसएल के 14 में से 13 क्लबों ने गुरुवार को एआईएफएफ को कहा कि अगर उनसे भागीदारी शुल्क नहीं लिया जाए और राष्ट्रीय संस्था टूर्नामेंट के आयोजन व संचालन की वित्तीय जिम्मेदारी ले तो वे विलंबित सत्र में भाग लेने के लिए तैयार हो सकते हैं।

तूफानी शतक जड़ हार्दिक पांड्या ने टीमों की दी 'चेतावनी'

1 ओवर में 34 रन, टी20 विश्व कप से पहले मचाई तबाही

राजकोट, 3 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 7 फरवरी से होने वाला है. इस टूर्नामेंट की शुरुआत में कुछ ही हफ्ते रह गए हैं और हार्दिक पांड्या ने इससे पहले बल्ले से तबाही मचा दी है. उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हुए एक ओवर में 34 रन जड़ दिए. उन्होंने इसी के साथ बुरी स्थिति में मौजूद अपनी टीम को बाहर निकाला और तूफानी शतक जड़ा. इसके द्वारा उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया से भिड़ने वाले सभी देशों को एक तरह से चेतावनी दे दी है. अगर टॉप ऑर्डर फेल हुआ, तो हार्दिक धमाल मचा सकते हैं.

हार्दिक पांड्या ने बल्ले से मचाया कोहराम

हार्दिक पांड्या बड़ौदा के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में विदर्भ के खिलाफ पहला मैच खेल रहे हैं. इस मुकाबले में बड़ौदा ने पहले बल्लेबाजी की और टीम की शुरुआत खराब रही. 71 रन पर वो 5 विकेट गंवा चुके थे. हार्दिक ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की और इसके बाद बल्ले से आग उगलना शुरू किया. उन्होंने बड़े-बड़े शॉट्स लगाए. पारी के 39वें ओवर में उन्होंने पार्थ रेखड़े का हाल बेहाल कर दिया.

उन्होंने शुरुआती 5 गेंदों में 5 छक्के जड़ दिए. छठी गेंद पर उन्होंने चौका लगाया. इसी के साथ ओवर में हार्दिक ने 34 रन ठोक दिए और अपना 68 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. पांड्या का तूफान यहां नहीं रुका. उन्होंने 92 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 11 छक्कों के साथ 133 रन जड़ दिए. एक समय जहां बड़ौदा के लिए 100 रन बनाना मुश्किल हो रहा था, वहां पांड्या की पारी के चलते उन्होंने 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 293 रन ठोक दिए.

टी20 वर्ल्ड कप में मचा सकते हैं तबाही

हार्दिक पांड्या ने अपनी शतकीय पारी से साबित कर दिया है कि वो अभी बेहतरीन टच में हैं. बताया जा रहा है कि वो न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज मिस करेंगे और टी20 सीरीज में वापसी करेंगे. पांड्या यहां भी तगड़ा प्रदर्शन कर सकते हैं. पांड्या ने अभी से टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को एक तरह से चेतावनी दे दी है कि टॉप ऑर्डर की तरह टीम इंडिया का लोअर ऑर्डर भी तगड़ी फॉर्म में है.

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय वनडे टीम का ऐलान

गिल कप्तान, श्रेयस और सिराज की वापसी

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। शनिवार को जारी टीम में कप्तान शुभमन गिल, उप कप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज वापसी हुई है। अय्यर BCCI की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपनी जगह बरकरार रखी है। जबकि ईशान किशन को मौका नहीं मिला है। पेसर जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। वनडे सीरीज का पहला मैच 11 जनवरी को बड़ौदा में खेला जाएगा।

यशस्वी जायसवाल को बैकअप ओपनर बनाया गया है। जायसवाल ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग की थी। उन्होंने तीसरे वनडे में नाबाद 116 रन की पारी खेली थी।

टीम में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है। उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा टीम के 3 और फ्रंट लाइन पेसर होंगे। वहीं, नीतीश कुमार रेड्डी को हार्दिक पंड्या की जगह पेस बॉलिंग ऑलराउंडर्स होंगे। पंड्या को भी बुमराह के साथ आराम दिया गया है। साथ ही मोहम्मद शमी को फिर से स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।

11 से 18 जनवरी तक 3 वनडे खेलेगा भारत

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 वनडे की सीरीज 11 से 18 जनवरी तक खेली जाएगी। वडोदरा, राजकोट और इंदौर में तीनों मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम 3 या 4 जनवरी को रिलीज हो सकती है। हालांकि, BCCI ने टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही कर दिया है। 5 टी-20 मैच 21 से 31 जनवरी तक खेले जाएंगे।

भारत की टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (उपकप्तान)*, वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह और यशस्वी जायसवाल। श्रेयस अय्यर की उपलब्धता फिटनेस क्लीयरेंस पर है।

भारतीय कप्तान गिल नार्वे के फुटबॉलर हालैंड से मिले

शुभमन ने जर्सी गिफ्ट की; एर्लिंग ने साइन किए हुए जूते दिए

खेल डेस्क, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने नॉर्वे के स्टार फुटबॉलर एर्लिंग हालैंड से मुलाकात की हैं। दोनों स्पोर्ट्स ग्रेट्स की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर हालैंड, गिल को अपने साइन किए हुए फुटबॉल बूट्स गिफ्ट करते नजर आ रहे हैं।

इस खास जेस्चर के जवाब में शुभमन गिल ने भी हालैंड को अपनी साइन की हुई जर्सी सौंपी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के कंधे पर हाथ रखकर साथ में फोटो खिंचवाई, जिसने क्रिकेट और फुटबॉल के बीच एक

खूबसूरत क्रॉसओवर मोमेंट को और यादगार बना दिया।

गिल को जर्सी भी मिली

26 साल के भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल के हाथ में नॉर्वे की जर्सी भी नजर आई, जिसे एर्लिंग हालैंड इंटरनेशनल फुटबॉल में पहनते हैं। शुभमन गिल और हालैंड मौजूदा दौर के सबसे बड़े स्पोर्ट्स स्टार्स में गिने जाते हैं। कम उम्र में ही दोनों ने अपने-अपने खेल में लगातार शानदार प्रदर्शन कर खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है।

25 साल के एर्लिंग हालैंड नॉर्वे के प्रोफेशनल फुटबॉलर हैं और उन्हें मौजूदा दौर के सबसे शानदार स्ट्राइकरों में गिना जाता है। फिलहाल वे इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर सिटी के लिए खेल रहे हैं।

मैनचेस्टर सिटी से पहले हालैंड ने जर्मन क्लब बोरुसिया डॉर्टमुंड के लिए खेलते हुए यूरोपियन फुटबॉल में पहचान बनाई थी। सिटी के साथ उन्होंने टीम को प्रीमियर लीग, एफए कप और यूईएफए चैंपियंस लीग जैसे बड़े खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

अब तक एर्लिंग हालैंड ने मैनचेस्टर सिटी के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 170 मैच खेलते हुए 149 गोल दागे हैं। हालैंड इस साल होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नॉर्वे का प्रतिनिधित्व करेंगे। नॉर्वे ने 1998 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई किया है।

शुभमन गिल जल्द ही भारत और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच होने वाली वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। तीन मैचों की इस सीरीज की शुरुआत 11 जनवरी से होगी, जिसके लिए टीम का ऐलान शनिवार को किया जा सकता है।

साउथ अफ्रीका ने 3 बड़े खिलाड़ियों को किया बाहर

टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का ऐलान

केप टाउन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए साउथ अफ्रीका ने अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. साउथ अफ्रीका के चयनकर्ताओं ने हैरतअंगेज फैसला लेते हुए तीन बड़े खिलाड़ियों को बाहर रखा है.

टी20 वर्ल्ड कप टीम में रायन रिकल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों को मौका नहीं मिला है. ये दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल और टी20 क्रिकेट के बड़े स्टार हैं. इन दोनों के अलावा रीजा हेनड्रिक्स भी टीम में जगह बना पाने में नाकाम रहे हैं.

टीम की कमान एडेन मार्करम को मिली है और 7 ऐसे खिलाड़ी टीम में चुने गए हैं जो पहली बार टी20 वर्ल्ड कप खेलेंगे. इन खिलाड़ियों में कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका और जेसन स्मिथ का नाम शामिल है.

पसलियों की चोट की वजह से भारत दौरे से बाहर रहे कागिसो रबाडा की टीम में वापसी हुई है. वो लुंगी एन्गिडी और एनरिक नॉर्खिया के साथ मिलकर पेस बॉलिंग अटैक को संभालेंगे.

टी20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीमः एडेन मार्करम, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, टोनी डी जोर्जी, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एन्गिडी, एनरिक नॉर्खिया, कागिसो रबाडा और जेसन स्मिथ.

2026 की तैयारी तेजः खेल मंत्री मांडविया ने एसएआई को दिए कड़े लक्ष्य, डोपिंग पर 'जीरो टॉलरेंस' का निर्देश

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाड़ियों के लिए अहम और व्यस्त रहने वाले साल 2026 को देखते हुए केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के शीर्ष अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे "डिलीवरी टारगेट" तय करें, देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए नए विचार लाएं और डोपिंग की समस्या से युद्धस्तर पर निपटें।

2026 में कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के साथ-साथ कई विश्व और महाद्वीपीय चैंपियनशिप भी होंगी। इसके अलावा, इसी साल से शूटिंग और हॉकी में ओलंपिक क्वालिफिकेशन प्रक्रिया भी शुरू होगी। ऐसे में यह वर्ष भारत के खेल भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। मांडविया ने गुरुवार को एसएआई और खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सालाना कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में उनका जोर हर खेल के लिए समर्पित ओलंपिक सेंटर स्थापित करने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू करने और कम से कम पांच नए खेलों में राष्ट्रीय लीग शुरू करने पर रहा।

मंत्रालय के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'मंत्री ने साल की प्राथमिकताएं तय करने और अधिकारियों से स्पष्ट डिलीवरी टारगेट रखने को कहा है। वे हर 15 दिन में डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनसे खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने के लिए सुझाव लेना चाहते हैं।' सूत्र के मुताबिक, 'इस साल पांच नए खेलों में राष्ट्रीय लीग शुरू करना भी एक बड़ा लक्ष्य है। खेल महासंघों को इसके लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और मंत्रालय वित्तीय सहायता देगा।'

भारत 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी अहमदाबाद में करेगा और 2036 ओलंपिक को भी उसी शहर में लाने की बोली लगा रहा है, डोपिंग के मामले में खराब रिकॉर्ड रखता है। विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, भारत लगातार तीन वर्षों से डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में शीर्ष पर रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए मांडविया ने डोपिंग के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने पर जोर दिया।

ऑस्ट्रेलिया का मास्टरप्लान, बीच टूर्नामेंट में होगी 'कप्तान' की वापसी

मेलबोर्न, 3 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता था और अब वो डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में फरवरी से शुरू हो रहे टी20 विश्व कप में उतरने वाले हैं. उनसे ये खिताब छीनने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने एक मास्टरप्लान तैयार किया है. 2023 के वर्ल्ड कप में जिस तरह से ट्रेविस हेड बीच टूर्नामेंट में आए थे और अंत में वो ऑस्ट्रेलिया की खिताबी जीत के हीरो बने थे. अब कुछ ऐसा ही स्टार खिलाड़ी के साथ करने का प्लान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बना लिया है.'

2023 के वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया बीच टूर्नामेंट में ट्रेविस हेड को अपने साथ लाया था. कुछ ऐसा ही चोटिल खिलाड़ी और टेस्ट एवं वनडे कप्तान पैट कमिंस के साथ ऑस्ट्रेलिया करना चाह रहा है. ऑस्ट्रेलिया उन्हें टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे हाफ में बुलाने वाली है. वो चोटिल होने के कारण शुरुआती मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे. टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को प्रोविजनल स्क्वाड में जगह दी गई है और कमर की चोट के हिसाब से उनका वर्कलोड मैनेज किया जाएगा. दूसरे हाफ में वापसी करके कमिंस घातक साबित हो सकते हैं. जोश हेजलवुड खेलेंगे पूरा टी20 वर्ल्ड कप

पैट कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड भी चोटिल हैं और वो एशेज मिस कर गए. अब बताया जा रहा है कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 तक वो पूरी तरह फिट हो जाएंगे. ऐसे में वो पूरे टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने फैसला किया है कि पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हेजलवुड को आराम दिया जाएगा, ताकि वो वर्ल्ड कप के लिए अच्छी तरह फिट हो जाए.

टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपने प्रोविजनल स्क्वाड का ऐलान किया है. जनवरी 2026 के अंत तक उन्हें ICC को अपना फाइनल स्क्वाड भेजना है. तब तक क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को खिलाड़ियों की फिटनेस पर अपडेट मिल जाएगा.

ऑस्ट्रेलिया का प्रोविजनल स्क्वाडः मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा.

प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले एक आंदोलन थी : मंत्री पोन्नम

जयंती पर मंत्री ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

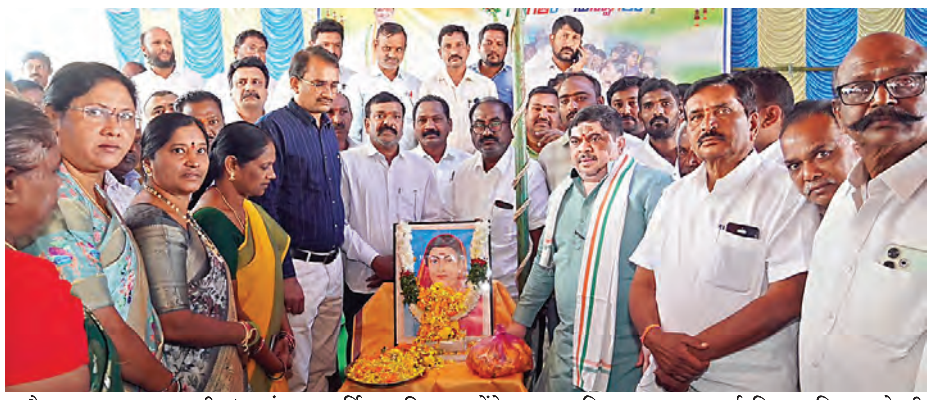

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। देश की प्रथम महिला शिक्षिका , सामाजिक क्रांतिकारिणी और स्त्री शिक्षा की पथप्रदर्शक महान विभूति सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर परिवहन एवं बीसी कल्याण विभाग के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक आंदोलन थीं। जिस दौर में महिलाओं की शिक्षा को अनावश्यक मानने वाली अंधविश्वासी धारणाएँ प्रचलित थीं, उस समय उन्होंने अनेक अपमानों और बाधाओं का सामना करते हुए भी साहस के साथ आगे बढ़कर कार्य किया। शिक्षा को ही अपना अस्त्र मानते हुए उन्होंने बालिकाओं के लिए विद्यालयों की स्थापना की और समाज में समानता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने यह भी कहा कि 'शिक्षा के बिना मुक्ति नहीं' इस संदेश को सावित्रीबाई फुले ने अपने जीवन से सिद्ध कर दिखाया। उनके दिखाए मार्ग पर चलने का अर्थ है। हर बालिका को शिक्षा, हर महिला को सम्मान और हर नागरिक को समान अवसर प्रदान करना। आज हमारा राज्य यदि शिक्षा, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो उसके पीछे सावित्रीबाई फुले जैसी महान विभूतियों के विचारों की ही प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि सरकार के रूप में हम भी उनके आदर्शों के अनुरूप शिक्षा को सभी तक पहुँचाने, विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम सभी सावित्रीबाई फुले के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें और शिक्षा के माध्यम से समाज को बदलने की जिम्मेदारी हम सब मिलकर निभाएँ।

लापता बच्चों की तलाश के लिए अभियान शुरू

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार से ऑपरेशन स्माइल-XII की शुरुआत की है, जो कमिश्नरेट क्षेत्र में लापता बच्चों की खोज और कमजोर नाबालिगों को बचाने के लिए एक महीने तक चलने वाला विशेष अभियान है। यह पहल 1 से 30 जनवरी तक चलेगी।

महिला एवं बाल सुरक्षा विंग की डीसीपी के. सृजना कर्णम ने बताया कि मुख्य ध्यान लापता बच्चों की पहचान करने और भीख मांगने, कूड़ा बीनने, बाल श्रम और मानव तस्करी में फंसे बच्चों को बचाने पर होगा। बचाए गए बच्चों का पुनर्वास बाल कल्याण और संबंधित विभागों के सहयोग से किया जाएगा। इस अभियान के लिए बारह विशेष टीमें बनाई गई हैं, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व एक सब-इंस्पेक्टर कर रहा है। टीमों में पुलिसकर्मी और महिला कांस्टेबल भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि लापता बच्चों का पता लगाने और उन्हें उनके परिवारों से मिलाने के लिए 'दर्पण' मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करते हुए चेहरे की पहचान तकनीक का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

मेहदीपट्टनम पुलिस की बड़ी कार्रवाई अंतरराज्यीय एटीएम ठग गिरोह गिरफ्तार

52 हजार रुपए नकद, 89 एटीएम कार्ड बरामद

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेहदीपट्टनम पुलिस ने अंतरराज्यीय एटीएम ध्यान भटकाकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 52,000 हजार रुपए नकद, विभिन्न बैंकों के 89 एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन तथा एक ऑटो रिक्शा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार शनिवार को सुबह करीब 9 बजे मेहदीपट्टनम थाना अपराध स्टाफ ने विजय नगर कॉलोनी स्थित मारुति विलास के पास एक एटीएम के नजदीक आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के खिलाफ थाना मेहदीपट्टनम में अपराध संख्या 365/2025, भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 303(2) सहपठित 3(5) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य आरोपी आमिर सुहेल उर्फ अमीर सोहेल उर्फ सोहेल (24), निवासी पलवल, हरियाणा,

मुबारिक (26), निवासी पलवल, हरियाणा , मुस्तकीम (25), निवासी पलवल, हरियाणा, मोहम्मद आमेर (33), ऑटो चालक, निवासी हैदराबाद शामिल है।

जानकारी के अनुसार बीते 31 दिसंबर 2025 को आसिफ नगर निवासी इलेक्ट्रीशियन अलकुंटा वेंकटेश (38) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 दिसंबर को मल्लेपल्ली एक्स रोड स्थित एसबीआई एटीएम में उन्होंने अपनी मां के खाते का बैलेंस चेक कराने के लिए दो अज्ञात व्यक्तियों से मदद ली थी। आरोपियों ने एटीएम कार्ड लेकर पिन नंबर जान लिया और कार्ड बदल दिया। बाद में खाते से 40 हजार रुपए की अवैध निकासी का संदेश प्राप्त हुआ। आरोपी एटीएम में आने वाले अशिक्षित और बुजुर्ग लोगों को मदद का झांसा देकर उनका ध्यान भटकाते हैं, पिन नंबर हासिल कर लेते हैं और एटीएम कार्ड बदलकर खातों से रकम निकाल लेते हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना एटीएम कार्ड न दें और पिन नंबर, बैलेंस या निकासी संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। यह कार्रवाई दक्षिण-पश्चिम जोन के डीसीपी जी. चंद्र मोहन, अतिरिक्त डीसीपी कृष्णा गौड़, एसीपी बी. किशन कुमार तथा मेहदीपट्टनम थाना प्रभारी एवं अपराध स्टाफ के नेतृत्व में की गई। सफल कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को पुरस्कृत किया गया है।

वारंगल पूर्वी में कांग्रेस की गुटबाजी तेज

एससी/एसटी मामलों को लेकर सियासी घमासान

वारंगल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भले ही शीत ऋतु का असर बना हुआ है, लेकिन वारंगल पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी गरमा गई है। इस निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी दो गुटों में बंटी हुई है, एक ओर मंत्री कोंडा सुरेखा और उनके पति कोंडा मुरली हैं, जबकि दूसरी ओर उनके विरोधी गुट के नेता हैं। दोनों गुटों के बीच अक्सर टकराव की स्थिति बनी रहती है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री और एमएलसी बसवाराजू सरैया द्वारा तेलंगाना के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी को एक याचिका सौंपे जाने के बाद राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया। सरैया ने वारंगल पूर्वी क्षेत्र में दर्ज कुछ कथित अवैध एससी/एसटी अत्याचार मामलों की जांच की मांग की है।

उन्होंने मिल्स कॉलोनी, इंतज़ारगंज और मत्तेवाड़ा पुलिस स्टेशनों में दर्ज मामलों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद सत्ता का दुरुपयोग किया गया है। सरैया ने अपनी शिकायत के समर्थन में डीजीपी के हालिया आदेशों का हवाला दिया, जिनमें मत्तेवाड़ा थाना क्षेत्र में झूठे मामले दर्ज करने के आरोप में वारंगल के पूर्व एसीपी, इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर को निलंबित किया गया था।

सरैया का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों और नेताओं को निशाना बनाया गया, जिनमें कोंडा दंपत्ति का नाम भी सामने आया है। उन्होंने बताया कि उनके गुट के चार कांग्रेस पार्षदों और कई अन्य लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे।

पूर्व मंत्री के इस कदम पर कोंडा दंपत्ति के समर्थकों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने सवाल उठाया कि सरैया कैसे कह सकते हैं कि दर्ज मामले झूठे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरैया कांग्रेस में रहते हुए बीआरएस के लिए काम कर रहे हैं।

कोंडा समर्थकों ने सरैया पर पुलिस अधिकारियों को अपने राजनीतिक षड्यंत्रों का शिकार बनाने का आरोप लगाया और उनके व उनके परिजनों पर अवैध गतिविधियों के भी आरोप लगाए। वहीं, तेलंगाना दलित अधिकार संघर्ष समिति के जिला महासचिव संघी एलेन्डर ने सरैया के बयान की आलोचना करते हुए कहा कि एससी/एसटी अत्याचार मामलों को झूठा बताने का प्रयास दलित समाज का अपमान है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी राजनीतिक नेता ने भविष्य में ऐसे मामलों में हस्तक्षेप किया तो दलित समाज लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगा।

गरीब वर्गों के आत्मसम्मान और सशक्तिकरण पर सरकार का फोकस : भट्टी

हैदराबाद , 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और वंचित वर्ग सम्मान और आत्मसम्मान के साथ जीवन व्यतीत करें। उन्होंने कहा कि इसी प्रतिबद्धता के तहत गृह ज्योति योजना के अंतर्गत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जा रही है और यह योजना भविष्य में भी जारी रहेगी। भट्टी विक्रमार्क शनिवार को विधानसभा में सदस्यों जी. मधुसूदन, नागराजू, कावमपल्ली सत्यनारायण सहित अन्य द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह योजना राज्य भर में सभी पात्र लाभार्थियों पर लागू होती है, चाहे वे किसी भी पार्टी या समुदाय से संबंधित हों। उन्होंने बताया कि जो लोग गृह ज्योति योजना के लिए नए सिरे से आवेदन करना चाहते हैं या मौजूदा विवरण में संशोधन/जोड़ करना चाहते हैं, वे एमपीडीओ कार्यालयों में प्रजा पालन अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

नए आवेदक आवेदन जमा कर सकते हैं, जबकि मौजूदा लाभार्थी अपने विवरण अपडेट कर सकते हैं। भट्टी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा चुनावों से पहले दी गई गारंटी के अनुरूप, सत्ता में आते ही इस योजना को लागू किया गया, जिससे जनता से किया गया वादा पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि एसपीडीसीएल क्षेत्राधिकार में 25,35,560 और एनपीडीसीएल क्षेत्राधिकार में 27,46,938 लाभार्थी हैं। पूरे राज्य में कुल 1.15 करोड़ परिवार हैं, जिनमें से 52,82,498 परिवार गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्राप्त कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रजा सरकार के सत्ता में आने के दिन से अब तक राज्य सरकार ने गृह ज्योति लाभार्थियों की ओर से 3,593 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में 45,995 परिवार, आचमपेट में 40,555 परिवार, गजवेल (पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर का निर्वाचन क्षेत्र) में 65,862 परिवार तथा सिद्दिपेट में 50,398 परिवार लाभान्वित हो रहे हैं।

घरों और छतों पर भी गांजा की खेती

पुलिस और आबकारी विभाग सतर्क

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भांग (मारिजुआना) की खेती अब शहर के अंदर भी सामने आ रही है, जबकि पहले यह मुख्य रूप से आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के एजेंसी क्षेत्रों तक सीमित थी। अधिकारियों के अनुसार अपराधी अब घरों के पिछवाड़े, बालकनियों, छतों और अपार्टमेंट की छतों पर गांजा उगाकर गुप्त तरीके अपना रहे हैं। पिछले तीन वर्षों में तेलंगाना में 21,000 से अधिक गांजे के पौधे जब्त किए गए हैं। इस वर्ष नवंबर तक राजधानी क्षेत्र में लगभग 90 स्थानों पर गांजा उगाते पाए गए।

पुलिस और आबकारी विभाग का मानना है कि शहर में गांजे की ऊंची कीमत इस प्रवृत्ति का कारण है। सीमावर्ती क्षेत्रों में एक किलो गांजा की कीमत लगभग 5,000 रुपये है, जबकि हैदराबाद में यह लगभग दस गुना अधिक बिकता है। प्रवासी श्रमिक और स्थानीय युवा भी इस धंधे में तेजी से शामिल हो रहे हैं। वे बीज आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक से मंगाते हैं और ऑनलाइन सामग्री के माध्यम से खेती की तकनीक सीखते हैं। गांजा उगाने वाले लोग छतों, पिछवाड़े और घर के अंदर कृत्रिम रोशनी का इस्तेमाल करते हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि एक परिपक्व भांग का पौधा तीन से पांच किलोग्राम तक गांजा पैदा कर सकता है। एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 20 के तहत गांजा उगाना 10 वर्ष तक के कठोर कारावास और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने के दायरे में आता है।

साइबर क्राइम पुलिस ने धोखाधड़ी से आगाह किया

'एक पीड़ित - एक खाता' रणनीति से धन शोधन की कोशिश

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने ऑनलाइन जालसाजों द्वारा अपनाए गए नए धन शोधन तरीके के बारे में चेतावनी दी है। इस रणनीति में प्रत्येक पीड़ित को अलग-अलग बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि 'एक पीड़ित - एक खाता' रणनीति से खातों को समय पर फ्रीज होने से रोका जाता है और चोरी हुए धन की वसूली में पुलिस के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं। पहले जालसाज कई पीड़ितों से प्राप्त राशि को सामान्य खातों के माध्यम से ट्रांसफर करते थे, जिससे पुलिस को लेनदेन का पता लगाने में मदद मिलती थी।

साइबर क्राइम अधिकारी ने बताया कि जब पीड़ित बैंक खाते में पैसा जमा करता है, तो जालसाज डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करके तुरंत राशि निकाल लेते हैं या अपने निजी खातों में स्थानांतरित कर देते हैं। इस तरीके से पुलिस के लिए हस्तक्षेप करना मुश्किल हो जाता है और खातों को फ्रीज करने का समय नहीं मिलता। पुलिस ने किराए पर दिए गए और साझा किए गए बैंक खातों से जुड़े रैकेट का भी पर्दाफाश किया है। अधिकारी बताते हैं कि छोटे व्यापारियों, गृहिणियों, वाहन चालकों और दिहाड़ी मजदूरों जैसे कमजोर समूह विशेष रूप से निशाना बन रहे हैं। अब तक 150 से अधिक खाताधारकों और कई बैंक कर्मचारियों को संदिग्ध भूमिका के लिए गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने नागरिकों को अपने बैंक खाते साझा करने या किराए पर देने से बचने और संदिग्ध अनुरोधों की सूचना देने की सलाह दी है।

बीआरएस का ग्रेटर हैदराबाद विभाजन के खिलाफ प्रदर्शन

17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और अन्य क्षेत्रों में विरोध

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने ग्रेटर हैदराबाद के अवैज्ञानिक विभाजन के विरोध में 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन और अन्य क्षेत्रों में प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। बीआरएस के उपसभापति टी. श्रीनिवास यादव ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर कोई अन्य दल इस विरोध में शामिल होना चाहता है, तो वे संयुक्त रूप से प्रदर्शन करेंगे। श्रीनिवास यादव ने आरोप लगाया कि ग्रेटर हैदराबाद का विभाजन बिना वैज्ञानिक आधार के किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में 24 विधानसभा क्षेत्र हैं, लेकिन सरकार ने विधायकों के सुझावों और सिफारिशों को नजरअंदाज किया है। सनतनगर के विधायक ने कहा कि आम लोगों के साथ-साथ कांग्रेस नेता भी विभाजन और वार्ड परिसीमन की बुनियादी जानकारी से अनभिज्ञ हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि हैदराबाद और सिकंदराबाद को जुड़वां शहर कहा जाता था, लेकिन सिकंदराबाद के समृद्ध इतिहास और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की जा रही है। श्रीनिवास यादव ने चुनौती देते हुए कहा, हम मांग करते हैं कि सिकंदराबाद नगर निगम की स्थापना की जाए। अगर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी में हिम्मत है, तो वे हैदराबाद का नाम ही बदल दें।

कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी सभी के देवता हैं : पवन कल्याण

मंदिर विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई

जगतियाल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने शनिवार को कहा कि कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी किसी विशेष क्षेत्र के देवता नहीं बल्कि ब्रह्मांड के देवता हैं, जो सभी के हैं। पवन कल्याण ने कोंडागट्टू में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखते हुए यह टिप्पणी की और कहा कि अंजनेयस्वामी की सेवा करना उनके लिए एक नेक काम था। उन्होंने बताया कि उन्होंने अंजनेयस्वामी को अपने घर का देवता माना है।

उपमुख्यमंत्री ने मंदिर विकास, विशेष रूप से गिरि प्रदक्षिणा पथ के विकास के लिए समर्थन का आश्वासन दिया और कहा कि सभी लोग सहयोग करें तो मंदिर का विकास संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान राम के भक्तों के सामूहिक निर्णय से कुछ भी असंभव नहीं है।

पवन कल्याण ने टीटीडी द्वारा विकसित किए जाने वाले गेस्ट हाउस और दीक्षा मंडपम की आधारशिला भी रखी। इसके अलावा, पवन कल्याण के प्रशंसक मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में जमा हुए और उन्हें एक झलक पाने की कोशिश की। इस अवसर पर तेलंगाना के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अद्लुरी लक्ष्मण कुमार और चोप्पाडंडी विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने पवन कल्याण का स्वागत किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.